वर्ष 69 ▸▸ अंक 112 ▸▸ पृष्ठ 12
भोपाल, सोमवार 19 जनवरी, 2026
माघ शुक्ल पक्ष 01, विक्रम संवत् 2082
महानगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

अगर आप काम के आनंद को जानना चाहते हैं, तो पहली और सबसे अहम चीज है, पूरी बेफिक्री के साथ खुद को काम में झोंक देना।
-अज्ञात

ऑफ बीट

चीन में गर्भ निरोधक कंडोम पर भारी टैक्स

बढ़ती आबादी पर लगाम लगाने चीन ने कुछ दशक पहले 'वन चाइल्ड पॉलिसी' लागू की थी। अब चीन को इसका पछतावा हो रहा है। चीन में फर्टिलिटी रेट तेजी से घट रहा है। औरतें सिर्फ एक बच्चा पैदा करने पर जोर देती हैं, लेकिन चीन ने अब फर्टिलिटी रेट बढ़ाने के लिए एक नई स्ट्रेटेजी अपनाई है। चीन ने हर औरत के लिए दो बच्चों का टारगेट रखा है। इसे पाने के लिए चीन की सरकार ने कंडोम पर टैक्स लगाया है। गर्भ निरोधक दवा पर भी एक्स्ट्रा टैक्स लगाया गया है। चीन ने दोनों पर 13 फीसदी का भारी टैक्स लगाने का ऐलान किया है। यह नियम 1 जनवरी, 2026 से लागू होगा, लेकिन ऐसा करने वाला चीन पहला देश नहीं है। इससे पहले, सिंगापुर और साउथ कोरिया समेत कई देशों ने फर्टिलिटी रेट बढ़ाने की कोशिश की है, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ।

संक्षिप्त खबरें

सोनम को जेल में टहलने तक की जगह नहीं: आंगमो

नई दिल्ली, जेएनएन। लद्दाख के एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंगमो ने कहा कि सोनम को जेल में फर्श पर कंबल में सोना पड़ा रहा है। उनके पास कोई फर्नीचर नहीं है। उन्होंने कहा, उनके बैरक में इतनी भी जगह नहीं है कि वे ठीक से टहल सकें। आंगमे ने कहा कि सॉलिसिटर जनरल तारीख पर तारीख मांग रहे हैं, क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि केस में कोई दम नहीं है। गीतांजलि ने एक इंटरव्यू में ये बाते कहीं। सोनम वांगचुक को 26 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत हिरासत में लिया गया था। यह कार्रवाई लेह में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुए हिंसक प्रदर्शनों के दो दिन बाद की गई थी। इन प्रदर्शनों में चार लोगों की मौत हुई थी और 90 लोग घायल हुए थे।

करूर भगदड़: विजय को सीबीआई ने भेजा समन

नई दिल्ली, जेएनएन। करूर भगदड़ मामले ने एक बार फिर साउथ के सुपरस्टार विजय के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पहले से विवादों से घिरे टीवीके पार्टी के प्रमुख और मशहूर अभिनेता जोसेफ विजय चंद्रशेखर, जिन्हें लाखों लोग केवल 'विजय' के नाम से जानते हैं, अब सीबीआई के नए समन के चलते सुर्खियों में हैं। सीबीआई ने करूर में हुए भगदड़ हादसे की जांच को आगे बढ़ाते हुए विजय को नई दिल्ली में पेश होने का नोटिस भेजा है। यह समन इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे पहले भी विजय से मामले में सवाल-जवाब किए जा चुके हैं, लेकिन जांच एजेंसी अब गहराई से जानकारी चाहती है। विजय के प्रशंसक जहां इस स्थिति को लेकर चिंतित हैं, वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए सीबीआई का यह कदम बड़े राजनीतिक और फिल्मी हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। आने वाले दिनों में यह पूछताछ क्या नया मोड़ लाएगी, सबकी नजरें इसी पर टिकी हैं।

सीएम के विदेश जाने से पहले छुट्टी के दिन 26 आईएएस के तबादले

शिवशेखर एसीएस गृह, दिलीप यादव बने एमडी पर्यटन निगम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दावोस जाने से पहले राज्य शासन ने रविवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है, जिसमें गृह, स्वास्थ्य, खनिज और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी प्रभावित हुए हैं। अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला से पर्यटन विभाग वापस लेकर उन्हें गृह विभाग की पूरी जिम्मेदारी दी गई है। मुख्यमंत्री के सचिव आलोक कुमार सिंह को खनिज विभाग और इंदौर नगर निगम में रहे दिलीप कुमार यादव को पर्यटन निगम का प्रबंध संचालक बनाया गया है।

सामान्य प्रशासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला अब पूर्ण दायित्व के तौर पर गृह विभाग संभालेंगे। उनसे पर्यटन विभाग की जिम्मेदारी ले ली गई है। उनके पास संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का अतिरिक्त प्रभार बना रहेगा। शुक्ला आयुक्त सह-संचालक, स्वराज संस्थान एवं न्यासी सचिव भारत भवन की जिम्मेदारी भी अतिरिक्त प्रभार के तौर पर देखते रहेंगे। प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव की जिम्मेदारियां भी बदली गई हैं। उनसे खनिज साधन विभाग वापस लेकर सिर्फ पशुपालन एवं डेयरी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2000 वर्ष के अधिकारी शोभित जैन को आयुष विभाग का प्रमुख सचिव बनाया गया है। जॉन किंग्सली एआर को पुराने जिम्मेदारियों के साथ उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग का सचिव बनाया गया है।

शिवशेखर | दिलीप यादव | उमाकांत | जॉन किंग्सली

एस. धनराजू स्वास्थ्य आयुक्त बने

सरकार ने आयुक्त स्वास्थ्यं सेवाएं तरुण राठी को भी बदल दिया है, उनके स्थान पर धनराजू एस को नया आयुक्त बनाया गया है। इसी तरह आयुक्त आदिवासी विकास मप्र श्रीमन शुक्ल को सचिव योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग का सचिव बनाया गया है। अब तक भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास के संचालक रहे आईएएस स्वतंत्र कुमार सिंह सचिव मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग संभालेंगे। तरुण राठी को आदिवासी विकास का आयुक्त बनाया गया है।

ये एसीएस बदले

अपर सचिव स्तर के अधिकारी अनुराग चौधरी को मप्र मत्स्य महासंघ का प्रबंध संचालक बनाया गया है, तो संचालक विमुक्त घुमुन्त एवं अर्धघुमन्तु जनजाति नेहा मारव्या सिंह जनजाति कार्य विभाग की अपर सचिव बनाई गई है। गौतम सिंह मप्र गृह निर्माण मंडल के नए आयुक्त होंगे। वीरेन्द्र कुमार को ग्वालियर संभाग का नया अपर आयुक्त बनाया गया है। अतिरिक्त प्रभार के तौर पर आयुक्त महिला एवं बाल विकास विभाग संभाल रही निधि निवेदिता पूर्णरूप से दायित्व संभालेंगी। डॉ. फटिंग राहुल हरिदास अब हाउसिंग बोर्ड की जगह संचालक मप्र राज्य एड्स कंट्रोल सोसायटी संभालेंगे।

इंदौर कमिश्नर पद से हटाए गए थे यादव

फेरबदल में मुख्यमंत्री के सचिव आलोक कुमार सिंह को खनिज विभाग का सचिव बनाया गया है। यह पद उनके पास अतिरिक्त प्रभार के तौर पर रहेगा। इसी तरह दूषित पानी के मामले में इंदौर नगर निगम के कमिश्नर पद से हटाए गए दिलीप कुमार यादव को एमडी मप्र राज्य पर्यटन विकास निगम बनाया गया है। राजेश कुमार ओगरे को अपर सचिव वाणिज्यिक कर विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऋषि गर्ग कोप्रबंध संचालक मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल का दायत्वि दिया गया है, तो मनीषा सेंतिया गृह विभाग में अपर सचिव होंगी।

बुद्धेश वैद्य सचिव माध्यमिक शिक्षा मंडल बने

फेरबदल में उपसचिव बुद्धेश कुमार वैद्य को माध्यमिक शिक्षा मंडल का सचिव बनाया गया है, तो दिलीप कुमार कापसे को कृषि विभाग में उपसचिव, मलिका निगम नागर को राजस्व विभाग का उपसचिव बनाया गया है। दिशा प्रणय नागवंशी को अपर मिशन संचालक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और बंदना शर्मा को सचिव राज्य सूचना आयोग बनाया गया है।

कम हो रही है पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों पर निर्भरता: सीएम

बोले-मप्र में सौर,पवन ऊर्जा में निवेश के लिए अनुकूल माहौल

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी लागू की है। इस नीति में सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निवेशकों को अनुकूल और लचीले अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में नया आयाम जुड़ रहा है। सीएम ने अपने बयान में कहा, मध्यप्रदेश अपनी भौगोलिक स्थिति और प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता के कारण देश के अग्रणी ऊर्जा सरप्लस राज्यों में से एक है। राज्य सरकार पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्म निर्भरता को प्राथमिकता देते हुए नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि राज्य हरित ऊर्जा हब के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में राज्य में 5 बड़ी सौर परियोजनाएं संचालित हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 2.75 गीगावाट (2,750 मेगावाट) है। सरकार की योजना वर्ष 2030 तक नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 20 गीगावाट (20,000 मेगावाट) करने की है। नवकरणीय ऊर्जा में 5.72 लाख करोड़ से अधिक के निवेश से 1.4 लाख से अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मप्र सरकार नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 5.21 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर रही है, जिससे 1.46 लाख रोजगार सृजित होंगे। राज्य सरकार की यह पहल भारत के नेट जीरो कार्बन लक्ष्य वर्ष-2070 को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मप्र तेजी से नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में देश का नेतृत्वकर्ता बन रहा है और आत्मनिर्भर भारत व स्वच्छ ऊर्जा मिशन में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

सीएम ने कहा कि राज्य में सौर ऊर्जा के क्षेत्र

में आगे बढ़ते हुए पारंपरिक ऊर्जा के संसाधनों पर अपनी निर्भरता दिनों दिन कम करता जा रहा है। पिछले 12 वर्षों में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 14 प्रतिशत वृद्धि हुई है, जिससे अब कुल ऊर्जा उत्पादन में सहभागिता 30 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में वर्ष 2070 तक कार्बन फुट-प्रिंट को शून्य तक लाने और समाप्त होते जीवाश्म ईंधन के विकल्प तलाशने के लिए वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट (अक्षय) नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मप्र पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ योगदान दे रहा है। पीएम मोदी ने गत वर्ष हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में सौर ऊर्जा के क्षेत्र देश में मप्र की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि राच्य वर्तमान में लगभग 31 हजार मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता रखता है, जिसमें से 30 प्रतिशत हरित ऊर्जा है। हमारे लिये गौरव की बात है कि मप्र के रीवा सोलर पार्क और देश के सबसे बड़े ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्लांट का भी उल्लेख पूरे देश में हो रहा है। इससे अक्षय ऊर्जा उत्पादन को नई दिशा मिली है।

मुरैना में डकैती और शिवपुरी में चोरी की वारदात

सोते में किन्नरों पर अड़ाया कट्टा 30 लाख का सोना-चांदी ले गए

जागरण, मुरैना/शिवपुरी। रात के अंधेरे में कटर लेकर घरों में घुसे बदमाश एक ही रात में तीन घरों से 65 तोला सोना, 8 किलो चांदी सहित 5 लाख रुपए नकद उड़ा ले गए। मुरैना के अंबाह में किन्नरों के डेरे में छत पर चढ़कर घर में घुसे 8-10 हथियारबंद बदमाशों ने कट्टा अड़ा दिया। उन्हीं से पूछकर कमरा खुलवाया और 4 लाख रुपए नकद सहित 30 लाख से ज्यादा के जेवरात उड़ाकर भाग गए। वहीं शिवपुरी में दो किसानों के घर घुसे बदमाश बक्से और तिजोरी काटकर करीब 50 लाख रुपए कीमती सोने-चांदी के जेवरात व एक लाख रुपए नकद ले उड़े।

चंबल क्षेत्र के अंबाह में डकैती की वारदात को बदमाशों ने किन्नर राबिया के घर अंजाम दिया। राबिया के साथ 3 चेले भी घर में सो रहे थे। राबिया ने पुलिस को बताया कि बदमाश सीढ़ी से छत पर चढ़े। फिर गैस कटर से छत का दरवाजा काटा। इसके बाद वे दूसरी मंजिल से सीधे ग्राउंड फ्लोर पर पहुंचे। यहां उन्होंने तीन चेलों पर कट्टा अड़ाकर उन्हें जगाया। बदमाशों ने किन्नर राधिका को धमकाया। फिर गुरु राबिया का कमरा खुलवाया। डकैतों ने कमरे में रखे सोने-चांदी के जेवर और कैश निकाल लिए। किन्नरों ने जो गहने पहने थे, वो भी निकलवा लिए। उनके मोबाइल और घर में लगे सीसीटीवी के डीवीआर भी ले गए।

मुरैना में वारदात के बाद मौके पर मुआयना करती पुलिस।

कपड़े उतरवाकर अश्लील हरकतें की

किन्नर राबिया ने बताया कि सोना-चांदी लूटने के बाद बदमाश एक-एक कर सभी चेलों को अलग कमरे में ले गए, कपड़े उतरवाए और अश्लील हरकतें कीं। बदमाश बार-बार घर में पुरुष के बारे में पूछते रहे। एक बदमाश फारसी भाषा बोल रहा था, जिससे आशंका है कि वारदात के पीछे किसी परिचित किन्नर का हाथ हो सकता है। डकैत धमकी भी दे गए कि पुलिस में शिकायत की तो उन्हें बधाई देने बाहर जाने पर गोली मार दी जाएगी। इतना ही नहीं बदमाशों ने किन्नरों से लूटे मोबाइल घर के पास ही मिट्टी में गाड़ दिए। डकैतों के जाते ही किन्नरों ने सुबह चार बजे पुलिस को सूचना दी।

शिवपुरी: दो घरों से 50 लाख की चोरी

वहीं, शिवपुरी के मड़वासा में अज्ञात चोर दो किसानों के घर से 50 लाख का सामान चुरा ले गए। ग्राम मड़वासा निवासी 44 वर्षीय किसान आशीष यादव का परिवार सोता रह गया और चोर घर में बंद कमरे का ताला तोड़कर बक्से और अलमारी में रखे 10 तोला सोने के जेवर और 50 हजार रुपए नकद चुरा लिए। इसके बाद चोरों ने गांव में ही 71 वर्षीय फूल सिंह यादव के घर को निशाना बनाया। चोरों ने कमरे में रखे पांच बक्सों के ताले तोड़े। एक बक्से में उन्हें तिजोरी की चाबी मिल गई, तिजोरी खोलकर चोर 35 तोला सोना, लगभग 4 किलो चांदी और करीब 50 हजार रुपए नकद लेकर फरार हो गए। इंदार पुलिस आसपास के क्षेत्रों में संदिग्धों की तलाश कर साक्ष्य जुटा रही है।

जम्मू और कश्मीर में आतंकी मुठभेड़ आठ जवान घायल, तीन एयरलिफ्ट

किश्तवाड़ के सोनार में ऑपरेशन त्राशी-1, आतंकियों की तलाश

जम्मू-कश्मीर, जेएनएन। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में रविवार दोपहर आतंकी मुठभेड़ में सेना के 8 जवान घायल हो गए। अधिकारियों के मुताबिक 3 जवानों को एयरलिफ्ट करके इलाज के लिए उधमपुर आर्मी बेस अस्पताल पहुंचाया गया। घटना किश्तवाड़ के ऊपरी जंगली इलाके सोनार की है। यहां सेना की व्हाइट नाइट कोर का आतंकियों के खिलाफ 'ऑपरेशन त्राशी-1' जारी है। इसी दौरान आतंकियों से जवानों की मुठभेड़ हुई। दोनों ओर से फायरिंग की गई। 2-3 आतंकियों को जवानों ने घेर लिया था। तभी आतंकियों ने ग्रेनेड से हमला किया। अधिकारियों ने कहा है कि ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े हो सकते हैं। अधिकारियों के मुताबिक, आतंकियों की तलाश की जा रही है। इलाके पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। स्निफर डॉग्स की भी

मदद ली गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना, सीआरपीएफ सर्चिंग में जुटी है।

दिसंबर में घायल हुए थे 2 जवान: 16 दिसंबर 2025 को उधमपुर में मजालता क्षेत्र के सोहन गांव के पास लगातार दूसरे दिन आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच एनकाउंटर हुआ था। आतंकियों की गोलीबारी में स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप के दो जवान घायल हुए थे। एक दिन पहले हुई मुठभेड़ में जम्मू-कश्मीर पुलिस का जवान शहीद हुआ था।

क्रिप्टो से आतंक का वित्तपोषण

सुरक्षा एजेंसियों ने क्रिप्टो हवाला नेटवर्क का पता लगाया है। इस नेटवर्क के माध्यम से मूल स्त्रोत को गुप्त रखते हुए विदेशों से जम्मू-कश्मीर तक पैसा पहुंचाया जा रहा था। इसका इस्तेमाल आतंक व अलगाववादी गतिविधियों के वित्त पोषण में किया जा रहा था। अधिकारियों ने रविवार को यहां बताया कि यह चैनल पूरी तरह हवाला नेटवर्क की तरह इस्तेमाल किया जाता है। इससे पैसे के मूल स्त्रोत तक पहुंचना आसान नहीं रहता।

जबलपुर: बेकाबू कार ने 13 मजदूरों को कुचला

जागरण, जबलपुर। मंडला-जबलपुर रोड पर बरेला थाना क्षेत्र के एकता चौक के पास रविवार दोपहर 2 बजे बेकाबू सफेद क्रेटा मजदूरों को कुचलते हुए आगे निकल गई। कार की चपेट में आने से 13 मजदूर घायल हो गए, जिन्हें मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया है। इलाज के दौरान दो मजदूरों की मौत हो गई तथा सात अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद आरोपी कार चालक वाहन लेकर फरार हो गया। बरेला टीआई अनिल पटेल के अनुसार जबलपुर-मंडला रोड स्थित सिग्मा सिटी के सामने सड़क किनारे लगी लोहे की ग्रिल में मजदूर पेंट कर रहे थे। दोपहर 2 बजे मजदूरों का समूह सड़क किनारे बैठकर खाना खा रहा था, तभी बरेला से जबलपुर की तरफ जा रही तेज रफ्तार कार के चालक ने मजदूरों पर गाड़ी चढ़ा दी।

दावा: शिंदे गुट ने ढाई साल के लिए मेयर पद मांगा

मुंबई, जेएनएन। बीमएसी के चुनावी नतीजों से महाराष्ट्र की सियासत में नया पेंच फंस गया है। भाजपा मुंबई में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पहली बार भाजपा का मेयर बनने के साफ संकेत हैं। हालांकि, एकनाथ शिंदे ने अपने 29 नए पार्षदों को बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में शिफ्ट कर दिया है। बाहर कड़ा पहरा है। सूत्रों के मुताबिक शिंदे गुट का कहना है कि 2026 शिवसेना संस्थापक बाला साहेब ठाकरे का जन्म शताब्दी वर्ष है। इसलिए कम से कम ढाई साल शिवसेना का मेयर होना चाहिए। इस पर भाजपा-शिंदे गुट में खींचतान शुरू हो गई है।

गाजा पीस बोर्ड में शामिल होने मोदी को न्योता, पाकिस्तान को भी बुलावा

डोनाल्ड ट्रंप कमेटी के अध्यक्ष, इजराइल ने जताई नाराजगी

वॉशिंगटन डीसी, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा के 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) में शामिल होने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी को न्योता दिया है। भारत में अमेरिकी एम्बेसडर सर्जियो गोर ने ट्वीट कर जानकारी दी। साथ ही पाकिस्तान को भी इस बोर्ड में शामिल होने का बुलावा दिया गया है। पाकिस्तान सरकार ने रविवार को इसे कंफर्म किया। दरअसल, गाजा पीस प्लान दूसरे चरण में पहुंच चुका है। ट्रम्प ने गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण के लिए नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा के गठन

का ऐलान किया है। इस कमेटी की देखरेख करने, फंड जुटाने जैसे कामों के लिए ट्रम्प ने बोर्ड ऑफ पीस का गठन किया गया है। ट्रम्प खुद इसकी अध्यक्षता कर रहे हैं। इसके अलावा गाजा एग्जीक्यूटिव बोर्ड भी बनाया गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ऑफिस ने शनिवार को कहा कि गाजा के लिए बनाए गए नए प्रशासनिक बोर्ड की घोषणा अमेरिका ने इजराइल से बिना बातचीत करे की है। इजराइल का कहना है कि यह फैसला उसकी सरकारी नीति के खिलाफ है।

उपेक्षा

सम्मान की आस में दफ्तर में धूल खा रही कलाकारों की मेहनत

प्रदेश में 'माटी' में मिल रहे माटी के सर्वश्रेष्ठ शिल्प

श्वेता कुमारी, भोपाल।

मध्य प्रदेश में हस्तशिल्प और माटी कला को बढ़ावा देने को लेकर सरकारी दावे जमीनी हकीकत में कितने खोखले हैं, इसकी बानगी राजधानी स्थित माटी कला बोर्ड के कार्यालय में साफ देखी जा सकती है। अपने सम्मान के इंतजार में बोर्ड के दफ्तर में रखे मिट्टी के शिल्प धूल खाते और टूटते नजर आ रहे हैं। ये शिल्प किसी प्रदर्शनी का हिस्सा नहीं, बल्कि उन कलाकारों की अमानत हैं, जो अपने सम्मान का इंतजार कर रहे हैं। अपनी माटी की विरासत को सहेजने के लिए दिन-रात एक करके बनाए गए ये शिल्प कला प्रशासन की अनदेखी की भेंट चढ़ रहे हैं। माटी कला की इस दुर्दशा का मुख्य कारण कलाकारों को दिए जाने वाले स्टेट अवार्ड का 4 साल से लंबित होना है। ये अवार्ड वर्ष 2021-2022 में घोषित किए जाने थे, लेकिन अभी तक फाइलों से ही बाहर नहीं आ पाए हैं।

दफ्तर में धूल खा रहीं कलाकृतियां

क्या है राज्य पुरस्कार की चयन प्रक्रिया

माटी कला बोर्ड हर साल प्रदेश के शिल्पियों को प्रोत्साहित करने राज्य स्तरीय पुरस्कार देता है। इसके पीछे सरकार और बोर्ड की मंशा शिल्पियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ उन्हें स्वरोजगार से जोड़ना है। हर साल फरवरी में शिल्पियों से आवेदन बुलाए जाते हैं। शिल्पियों को जून तक सर्वश्रेष्ठ कलाकृतियां जिला स्तर पर हस्तशिल्प या संबंधित कार्यालय में जमा करनी होती हैं। कलेक्टर और सीईओ जिपं की अध्यक्षता वाली समिति इन कलाकृतियां का अवलोकन कर सर्वश्रेष्ठ कृतियों का चयन करती है। जिला स्तर से चयनित ये कलाकृतियां राजधानी स्थित राज्य स्तरीय कार्यालय भेजी जाती हैं, जहां अंतिम चयन समिति (खादी ग्रामोद्योग के एमडी, विशेषज्ञ शामिल) विजेताओं का फैसला करती है।

क्यों रुकी है पुरस्कारों की घोषणा

पिछले 4 से 5 सालों से इस पूरी प्रक्रिया पर ताला लगा हुआ है। शिल्पियों ने अपनी कलाकृतियां तो भेज दीं, लेकिन पुरस्कारों का कोई अता-पता नहीं है। निर्णय और पुरस्कारों की अंतिम घोषणा अध्यक्ष और वरिष्ठ बोर्ड सदस्यों की उपस्थिति में ही होती है। हालांकि, यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाने के कारण कुल 27 अवार्ड दफ्तर में धूल खा रहे हैं, जबकि अवार्ड के लिए ये कलाकृतियां 12 जिलों से आई हैं। योजना के तहत प्रथम पुरस्कार 1 लाख रुपए, द्वितीय 50 हजार और तृतीय 25 हजार रुपए दिया जाता है। पुरस्कार जीतने वाले शिल्पियों को मास्टर ट्रेनर बनाया जाता है। ये अनुभवी कलाकार बोर्ड के ट्रेनिंग कैंपों में नए और छोटे शिल्पियों को ट्रेनिंग देते हैं, जिसके लिए इन शिल्पियों को शासन के मानदेय (1500 प्रतिदिन) के हिसाब से महीने में लगभग 70 से 80 हजार रुपए तक की मदद होती है।

उद्देश्य से भटकता बोर्ड

माटी कला बोर्ड का मूल उद्देश्य शिल्पियों को अवॉर्ड देकर प्रोत्साहित करना था, ताकि कला जीवित रहे और कलाकारों को सम्मान मिले, लेकिन पिछले 4 साल से प्रदेश के होनहार कलाकारों की कलाकृतियां दफ्तर के अंधेरे कोनों में पड़ी धूल खा रहीं है। ऐसे में सरकार के स्वरोजगार और प्रोत्साहन के दावे खोखले साबित हो रहे हैं।

जिम्मेदार नहीं दे सके जवाब

इस मामले में खादी एवं ग्राम उद्योग के एमडी माल सिंह भायड़िया से तीन बार बात करने की कोशिश की। आखिर में उन्होंने सवाल सुनते के बाद फोन काट दिया।

बरैया के बाद पूर्व विधायक प्रजापति के बिगड़े बोल, कहा-

कथावाचकों को जूते की माला पहनाकर नंगा घुमाया जाए

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया के बयान पर सियासत अभी खत्म हुई नहीं थी कि रविवार को पूर्व विधायक आरडी प्रजापति ने अपने बयान में कथावाचकों को जूते की माला पहनाकर नंगा घुमाने की बात कह दी। उन्होंने 4 कथावाचकों के बयानों पर आपत्ति जताते हुए कहा, उनकी टिप्पणियां स्वीकार्य नहीं है। अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग संयुक्त मोर्चा के भेल दशहरा मैदान में हुए महासम्मेलन में प्रजापति ने कथावाचकों द्वारा अलग-अलग समय दिए गए बयानों का हवाला देते हुए उनकी आलोचना की। प्रजापति ने कथावाचक अनिरुद्धाचार्य, धीरेंद्र शास्त्री और प्रदीप मिश्रा द्वारा की गई टिप्पणियों पर ऐतराज जताते हुए कहा कि देश के कुछ कथावाचक और धर्मगुरु करोड़ों लोगों की भीड़ जुटाकर महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक, अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती। भाजपा ने राहुल गांधी से इंदौर प्रवास के दौरान फूलसिंह बरैया को निष्कासित करने की मांग की थी। प्रजापति भाजपा की टिकट पर विधायक छतरपुर जिले के चंदला सीट से विधायक रहे हैं।

प्रजापति को ऐतराज

जगतगुरु रामभद्राचार्य ने वाइफ और पत्नी में अंतर बताते हुए अपनी बात कही थी। उनका यह वायरल वीडियों हुआ था। इसी तरह कथावाचक अनिरुद्धाचार्य ने बहनों को लेकर अपने तरीके से टिप्पणी की थी, जिस पर प्रजापति ने एतराज जताया था।

भेल दशहरा मैदान में हुआ अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग महासम्मेलन

धर्म, चंदे के सहारे लोग खा रहे मलाई: प्रजापति

विशेष संवाददाता, भोपाल। राजधानी के भेल दशहरा मैदान में रविवार को अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के महासम्मेलन में विधायक रहे आरडी प्रजापति ने कथावाचकों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग धर्म और चंदे के सहारे प्रभावशील बनकर मलाई खा रहे हैं, जबकि देश में मेहनत करने वाला वर्ग हाशिए पर है। पूर्व विधायक प्रजापति ने कहा कि देश में कुछ कथावाचक और धर्मगुरु करोड़ों लोगों की भीड़ जुटाकर महिलाओं को लेकर आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। उन्होंने जगदगुरु रामभद्राचार्य के बयान पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि एक अंधाचार्य है, वह कहता है कि वाइफ मतलब वंडरफुल इंस्ट्रूमेंट फॉर एंजॉय। तुम भी अपनी एंजॉय वाली मां से पैदा हुए हो क्या? प्रजापति यहीं तक नहीं रुके और आगे बोले कितने लोगों ने एंजॉय किया है। तभी तुम्हारी आंखें खराब हो गई, अंधरा। उन्होंने आगे कहा कि एक बाबा लाली लगाकर कहता है, 25 साल की लड़कियां कथाओं में जाकर अपनी जवानी उतार कर आती हैं। यह बेहद असंवेदनशील ही नहीं बल्कि पूरे समाज को शर्मसार करने वाला है।

प्रजापति ने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री और अनिरुद्धाचार्य का नाम लेते हुए कहा कि वे महिलाओं को खाली प्लॉट जैसी उपमाएं देते हैं। 20-25 साल की लड़कियों को लेकर अभद्र टिप्पणियां करना किसी भी धर्म या शास्त्र में स्वीकार्य नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि कोई महिला विधावा हो जाए, तो क्या उनका सिंदूर और मंगलसूत्र हट जाना उसे खाली प्लॉट बना देता है। प्लॉट का मतलब जमीन होता, जिसे बार-बार खरीदा और बेचा जा सकता है, तो क्या समाज अपनी बहन-बेटियों को भी उसी नजर से देखेगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयान व्यास पीठ से नहीं दिए जाने चाहिए। प्रशासन को ऐसे लोगों पर कार्रवाई करनी चाहिए। मैं चाहता हूं कि संतोष वर्मा को आईएएस से हटा दिया जाए, हमको फांसी दी जाए, लेकिन पहले उन कथावाचकों को जूतों की मामला पहनाकर नंगा घुमाया जाए, जो व्यास पीठ से ऐसा बोलते हैं।

हिंदू धर्म को छोड़ने के लिए भी तैयार: यादव

दलित पिछड़ा समाज संगठन के संस्थापक दामोदर यादव ने भी धर्म को लेकर लोगों की सोच पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि यदि हिंदू धर्म की पहचान ओबीसी, एससी और एसटी समाज के अपमान, जातिगत उत्पीड़न और भेदभाव से जुड़ी मानी जाती है, तो वे ऐसे हिंदू धर्म को छोड़ने के लिए भी तैयार हैं। उन्होंने कहा कि जिस धर्म का इस्तेमाल मनुवादी सोच और जातिगत वर्चस्व कायम रखने के लिए किया जा रहा है, उससे हमारा कोई संबंध नहीं हो सकता। हम मानवतावादी धर्म को मानते हैं। सबसे बड़ी आस्था बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखे गए संविधान पर है, जो सबसे बड़ी किताब है। उन्होंने कहा कि यदि ग्वालियर हाईकोर्ट में 14 मार्च से पहले डॉ. अंबेडकर प्रतिमा स्थापित नहीं की गई, तो आजाद समाज पार्टी,भीम आर्मी, जयस और ओबीसी संगठन खुद प्रतिमा को स्थापित करेगा। यादव ने कहा कि आईएएस संतोष वर्मा को जान से मारने की धमकियां दी जा रही हैं। अगर किसी ने संतोष वर्मा को छूने की कोशिश की,तो उसका जवाब राजधानी में दिया जाएगा।

संयुक्त मोर्चा की प्रमुख मांगें

- ओबीसी की उनकी जनसंख्या के अनुसार 52 प्रतिशत आरक्षण देने
- ओबीसी के 13 प्रतिशत रोके गए पद तत्काल खोल कर पात्रों को नियुक्ति पत्र देने
- ओबीसी, एससी और एसटी के खाली और बैंकलॉग पद विशेष भर्ती अभियान चलाकर जल्द भरने
- आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ जारी नोटिस और डोप्ट को भेजा गया प्रस्ताव वापस लिया जाए
- सिविल जज भर्ती परीक्षा 2022 पर फिर से विचार करने
- सिविल जजों की भर्ती एमपीपीएससी से कराए जाने
- हाईकोर्ट जजों में ओबीसी ,एससी और एसटी को जनसंख्या के अनुसार भागेदारी देने की मांग की गई है।
- इनके अलावा प्रतिनिधित्व और सामाजिक सम्मान,संविदा और ठेका व्यवस्था,बाबा साहब अंबेडकर से जुड़ी मांगें भी महासम्मेलन के जरिए की गई।

26 अधिकारियों की बदली जिम्मेदारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने रविवार को देर रात भारतीय प्रशासनिक सेवा के 26 अधिकारियों के स्थानांतरण आदेश जारी कर दिए है। इनमें कई अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार भी सौंपे गए है। जानकारों की मानें तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पिछले दिनों विभागों की समीक्षा के दौरान प्रशासनिक कसावट के लिए फेरबदल किया गया। बताया गया है कि इस स्थानांतरण में प्रभावित हुए कुछ वरिष्ठ अधिकारी इसी साल सेवा निवृत्त होने वाले हैं। जिससे उनसे महत्वपूर्ण विभाग वापस लेकर दूसरे जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह सीएम ने कुछ अधिकारियों को दूसरे विभागों से इसलिए मुक्त किया है,कि उन्होंने मुख्यमंत्री की विशेष योजनाओं को अतिरिक्त प्रभार के तौर पर धरातल पर लाने के लिए बेहतर काम किया है। इनमें अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला,प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव जैसे अधिकारी शामिल है।

अतिरिक्त प्रभार से ये होंगे मुक्त

एम. सेल्वेन्द्रन (2002): प्रमुख सचिव (कार्मिक) के साथ प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का अतिरिक्त प्रभार । इनके कार्यभार ग्रहण करने पर संजय दुबे (1993) इस प्रभार से मुक्त होंगे ।

इलैयाराजा टी. (2009)सचिव मुख्यमंत्री एवं एमडी पर्यटन निगम के साथ सचिव पर्यटन, एमपी पर्यटन बोर्ड और आयुक्त पर्यटन का अतिरिक्त प्रभार । कुमार पुरुषोत्तम (2012) कृषि विपणन बोर्ड के साथ म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ का अतिरिक्त प्रभार । मालसिंह भयाड़िया (2006) श्रीमती मीनाक्षी सिंह के अवकाश पर रहने तक सचिव, जनजातीय प्रकोष्ठ, राजभवन का अतिरिक्त प्रभार ।

अधिकारी का नाम एवं बैच	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
शिवशेखर शुक्ला (1994)	एसीएस संस्कृति एवं पर्यटन	एसीएस गृह
उमाकांत उमराव (1996)	प्रमुख सचिव, खनिज तथा	पीएस, पशुपालन एवं डेयरी विभाग
शोभित जैन (2000)	सदस्य सचिव उपभोक्ता प्रतितोषण विवाद आयोग	प्रमुख सचिव, आयुष विभाग
जॉन किंग्सली ए. आर. (2004)	सचिव, नर्मदा घाटी विकास	सचिव, उद्यानिकी
श्रीमन शुक्ल (2007)	आयुक्त, आदिवासी विकास	आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग
स्वतंत्र कुमार सिंह (2007)	संचालक, भोपाल गैस त्रासदी राहत	सचिव, मछुआ कल्याण
विशेष गढ़पाले (2008)	सचिव, ऊर्जा विभाग	प्रबंध संचालक, म.प्र. पॉवर
आलोक कुमार सिंह (2008)	म.प्र. राज्य सहकारी विपणन संघ	सचिव, मुख्यमंत्री तथा सचिव खनिज
धनराजू एस (2009)	आयुक्त, वाणिज्यिक कर, इन्दौर	आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं, मध्य प्रदेश
अनय द्विवेदी (2010)	प्रबंध संचालक, विद्युत वितरण कंपनी	आयुक्त, वाणिज्यिक कर, इंदौर
तरूण राठी (2010)	आयुक्त, स्वास्थ्य सेवाएं, मध्य प्रदेश	आयुक्त, आदिवासी विकास
अनुराग चौधरी (2010)	अपर सचिव, पिछड़ा वर्ग	मत्स्य महासंघ
नेहा मारव्या सिंह (2011)	संचालक, विमुक्त घुमन्तु	अपर सचिव, जनजातीय कार्य विभाग
गौतम सिंह (2011)	अपर सचिव, राजस्व विभाग	आयुक्त, म.प्र. गृह निर्माण
वीरेन्द्र कुमार (2011)	अपर सचिव, नवकरणीय ऊर्जा	अपर आयुक्त (राजस्व), ग्वालियर
निधि निवेदिता (2012)	आयुक्त मत्स्य महासंघ	आयुक्त महिला एवं बाल विकास
डॉ. फटिंग राहुल हरिदास (2012)	आयुक्त, म.प्र. गृह निर्माण	संचालक, स्वास्थ्य सेवाएं
राजेश कुमार ओगरे (2012)	सचिव, राज्य सूचना आयोग भोपाल	अपर सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग
ऋषि गर्ग (2013)	सदस्य सचिव, राज्य योजना आयोग	मप मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी
मनीषा सेंतिया (2013)	अपर परियोजना संचालक	अपर सचिव, गृह विभाग
दिलीप कुमार यादव (2014)	उप सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास	प्रबंध संचालक, पर्यटन विकास
बृजेश कुमार वैद्य (2014)	उप सचिव, गृह विभाग	सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल
दिलीप कुमार कापसे (2014)	उप सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग	उप सचिव, किसान कल्याण विभाग
मलिका निगम नागर (2016)	उप सचिव, लोक स्वास्थ्य	अपर मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
दिशा पणय नागवंशी (2016)	उप सचिव, जनजातीय कार्य विभाग	सचिव, म.प्र. राज्य सूचना आयोग
वंदना शर्मा (2018)	उप सचिव, वाणिज्यिक कर विभाग	उप सचिव, मध्य प्रदेश शासन

संक्षिप्त खबरें

7 माह से कर्मचारियों को नहीं मिला महंगाई भत्ता

जागरण संवाददाता, भोपाल। प्रदेश के कर्मचारियों को पिछले सात माह से महंगाई भत्ता नहीं मिला है, इसे लेकर कर्मचारियों ने प्रदर्शन करने की तैयारी कर ली है। गत दिनों कर्मचारी संगठनों ने भोजन अवकाश में इकट्ठे होकर जिला मुख्यालयों और राज्य मंत्रालय के बाहर प्रदर्शन करते हुए 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा था। अब कर्मचारी एक बार फिर प्रदर्शन करने की तैयारी कर रहे हैं। कर्मचारियों की मांग है कि कार्यरत व रिटायर्ड कर्मचारियों को केंद्र के केंद्रीय तिथि से महंगाई भत्ता दिया जाए। कैशलेस स्वास्थ बीमा, वर्ष 2019 से नवनियुक्त कर्मचारियों को 70 से 90 फीसदी वेतन देने के आदेश पर रोक लगाकर एरियर का भुगतान, पुरानी पेंशन योजना लागू करने, लिपिकों को मंत्रालय के लिपिकों की तरह ग्रेड पे देने, स्थाई कर्मी, दैवेभो, आउटसोर्स एवं संविदा कर्मचारियों को नियमित पदों पर नियुक्ति देने, अनुकंपा नियुक्ति व चतुर्थ श्रेणी की पदोन्नति पर सीपीसीटी टेस्ट की अनिवार्यता खत्म करने सहित अन्य मांगों की मांग की गई। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने बताया कि आगे भी कर्मचारी अपनी मांगों के पूरी न होने तक प्रदर्शन करते रहेंगे।

पशु कल्याण को लेकर जागरूकता अभियान

विसं, भोपाल। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों, किसानों, छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं डेयरी से संबंधित योजनाओं एवं पशु कल्याण के बारे में जागरूक करने के लिए पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है। एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पीएस पटेल ने सभी जिलों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। डॉ.पटेल ने बताया कि यह अभियान राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर विभिन्न जागरूकता एवं हितग्राही मूलक गतिविधियों के माध्यम से संचालित होगा।अभियान के अंतर्गत पशुकल्याण, पशु चिकित्सा सेवाओं, उन्नत पशुपालन, डेयरी, बकरी एवं मुर्गी पालन से संबंधित योजनाओं के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पशुपालन से संबंधित चलाई जा रही हितग्राही मूलक योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा।

अस्थाई कर्मचारी करेंगे सत्याग्रह आंदोलन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रदेश भर के स्थाईकर्मी दैवेभो और अंशकालीन कर्मचारी पांच सूत्रीय मांगों के समर्थन में सतपुड़ा भवन के सामने सत्याग्रह आंदोलन 21 जनवरी से शुरू करेंगे। आंदोलन सुबह दस से शाम चार बजे तक रहेगा।संचालन के लिए समिति का गठन किया गया है, जिसमें प्रमोद बर्डे बैतूल, महेंद्र सारस धार, सत्येंद्र पांडे भोपाल, सुखमन धुर्वे पचमढ़ी, शिवराम जाटव नरसिंहपुर, भीमसेन ठाकुर डिंडोरी को मनोनीत किया गया है। मप्र कर्मचारी मंच के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया है कि स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ देने नियमित करने 22 दिसंबर 2025 के आदेश को निरस्त करने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों को नियमित करने, अंशकालीन कर्मचारियों को कलेक्टर दर का वेतन देने की मांग शामिल है।

नौ महीने में टिकट चैकिंग से 30 करोड़ का राजस्व वसूला

नगर संवाददाता, भोपाल। बिना टिकट यात्रा करने वालों के विरुद्ध अभियान चलाकर धरपकड़ जारी है। इस क्रम में भोपाल रेल मंडल ने बीते नौ महीने में 4 लाख से ज्यादा प्रकरण बनाए हैं। जानकारी अनुसार पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल में चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से दिसंबर 2025 तक कुल 14 लाख 65 हजार मामले पकड़े और अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 101 करोड़ 16 लाख रूपए का राजस्व अर्जित किया है। जो इसी अवधि में पिछले वर्ष वसूले गये जुर्माने (कुल 87 करोड़ 36 लाख रूपए) की तुलना में 15.80 प्रतिशत अधिक है। इसमें भोपाल मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जांच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 4 लाख 75 हजार प्रकरण से

रेलवे ने 30 करोड़ 48 लाख रुपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया है, जो गत वर्ष की तुलना में 04.45 प्रतिशत की राजस्व में वृद्धि हुई है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा ना करें। उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा ना हो। वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समनव्य से पश्चिम मध्य रेल यात्रियों को सुरक्षित यात्रा कराने के उद्येश्य से ट्रेनों में टिकट चैकिंग अभियान आगे भी चलाये जाते रहेंगे।

सीएम पहुंचे दिल्ली, 20 को दावोस के लिए भरेंगे उड़ान

आज दिल्ली में नए अध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान रहेंगे मौजूद

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को नई दिल्ली प्रवास पर पहुंचे,जहां से उन्हें 20 जनवरी को दावोस के लिए रवाना होना है। सीएम दिल्ली में सोमवार को भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल होंगे। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री 20 जनवरी को देर शाम वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भाग लेने के लिए दावोस के लिए रवाना होंगे। जहां उनके द्वारा मध्यप्रदेश अपनी आर्थिक प्राथमिकताओं, औद्योगिक क्षमताओं और दीर्घकालिक विकास दृष्टि को वैश्विक मंच पर साझा की जाएगी। दावोस में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सत्रों के माध्यम से ऊर्जा उत्पादन और ग्रीन ग्रोथ पर राज्य का संतुलित दृष्टिकोण सामने आएगा। उपयोगिता-स्तर की नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं, स्वच्छ ऊर्जा अवसंरचना और ऊर्जा परिवर्तन के मॉडल पर केंद्रित विमर्श में मध्यप्रदेश की भूमिका प्रमुख रहेगी। यह संवाद राज्य को ऊर्जा के क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश के भरोसेमंद गंतव्य के रूप में स्थापित करेगा। जानकारी के अनुसार दावोस में उद्योग और विनिर्माण से जुड़े सत्रों में रक्षा उत्पादन, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों पर फोकस रहेगा,जिसमें सीएम मध्यप्रदेश का पक्ष रखेंगे। उनके द्वारा वैश्विक उद्योग

प्रतिनिधियों के साथ होने वाले संवादों में राज3य की औद्योगिक नीति, निवेश-अनुकूल वातावरण और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन की क्षमता को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाएगा। इसी तरह दावोस में सीएम एवं उनके साथ जा रहे प्रतिनिधि मंडल में शामिल अधिकारियों द्वारा पर्यटन पर केंद्रित वैश्विक सत्रों में मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, जैव-विविधता, अनुभव-आधारित पर्यटन और कनेक्टिविटी को अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। बताया गया है कि सीएम दावोस के दौरान विषयगत सत्रों, गोलमेज बैठकों और वन टू वन उच्चस्तरीय संवादों के माध्यम से निवेश, औद्योगिक सहयोग और रणनीतिक साझेदारी से जुड़े ठोस अवसर सामने आएंगे।

इंडिया एआई मिशन देश को बना वैश्विक शक्ति

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंडिया एआई मिशन-भारत को राष्ट्रीय स्तर की एआई अवसंरचना विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। वैश्विक एआई रैंकिंग-2025 में भारत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। एआई को उत्पादकता बढ़ाने तथा देश की आईटी प्रतिभा, जनसांख्यिकीय लाभांश और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रभावी उपयोग के लिए रणनीतिक साधन के रूप में अपनाया गया है। स्वदेशी डेटासेट्स, भारतीय भाषाओं पर आधारित फाउंडेशन मॉडल्स, सब्सिडी आधारित कंप्यूटर अवसंरचना और सुरक्षित व भरोसेमंद एआई गवर्नेंस फ्रेमवर्क इंडिया एआई की प्रमुख विशेषताएं हैं। सीएम ने कहा कि अवसंरचना के रणनीतिक महत्व की दृष्टि से उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग, स्वदेशी हार्डवेयर, सुरक्षित डेटा सेंटर और मजबूत सप्लाई चेन को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप विकसित करने की आवश्यकता है। गोपनीयता, अनुपालन, जवाबदेही और जोखिम प्रबंधन को एआई के पूरे जीवनचक्र में अंतर्निहित किया जाना चाहिए। सुरक्षित एआई अवसंरचना भारत के दीर्घकालिक डिजिटल नेतृत्व की कुंजी है।

32 सदस्य भी पहुंचे दिल्ली: जानकारी के अनुसार भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मौजूद रहेंगे। इनके अलावा मध्यप्रदेश से प्रदेशाध्यक्ष और महामंत्रियों,कुछ केन्द्रीय मंत्रियों और पदाधिकारियों के अलावा राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों सहित 32 भाजपा नेता भी मौजूद रहेंगे।

मध्यप्रदेश पुलिस जल्द ही अपना नया आंतरिक क्लाउड सिस्टम करेगी तैयार

पुलिस कर्मियों और अधिकारियों को वॉट्स एप से मिल जाएगी मुक्ति

विसं, भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस जल्द ही अपना नया आतंरिक क्लाउड सिस्टम तैयार करेगी, जो गूगल ड्राइव की तरह काम करेगा। इससे पुलिस कर्मियों और अधिकारियों को वॉट्स एप से मुक्ति मिल जाएगी। जानकारी के अनुसार पुलिस विभाग ने दस्तावेजों-आदेशों-सर्कुलरों के लिए नया सिस्टम विकसित किया है जिसे पोलारिस के नाम से जाना जाएगा। विभाग का यह आतंरिक क्लाउड सिस्टम लागू हो जाने के बाद अधिकारियों और पुलिस कर्मियों को किसी भी वॉट्स एप या किसी अन्य एप पर भरोसा नहीं करना पड़ेगा। बताया गया है कि इस नए सिस्टम में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों का पूरा डाटा संरक्षित किया जाएगा। पुलिस के सभी कर्मचारियों, अधिकारियों का पूरा डाटा अब पोलारिस पर ही रखा जाएगा। फाइलों के स्थान पर सभी रिकार्ड्स क्लाउड स्टोरेज से ही एक्सेस किए जाएंगे। इतना ही नहीं, पुलिस विभाग के सभी दस्तावेज, आदेश, सर्कुलर भी यहीं रखे जाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि उनका क्लाउड गूगल से भी तेज होगा। इस सिस्टम को राज्य भर के सभी पुलिस थानों, एसपी कार्यालयों को इससे जोड़ा जाएगा।

कर्मचारियों का भत्ता बढ़ाने के लिए सरकार को भेजा प्रस्ताव

इधर पुलिस मुख्यालय ने अपने कर्मचारियों और अधिकारियों को एक और भत्ते का लाभ दिलाने के लिए राज्य सरकार के पास प्रस्ताव भेजा है। जिसमें पुलिस इंवेस्टिगेशन एलाउंस को स्वीकृत करने का आग्रह किया गया है। इसी तरह विभाग में आवश्यक पुलिस बल भरने की दिशा में भी पीएचक्यू द्वारा प्रयास किए जा रहे है। बताया गया है कि सब इंस्पेक्टर, सूबेदार, स्टेनो और एएसआई जैसे प्रमुख पद व कैडर की भर्ती 8 साल के बाद हो रही है। पुलिस विभाग एक सप्ताह में बल की स्वीकृति का प्रस्ताव भेज देगा। उन्होंने भर्ती प्रोसेस में तेजी के लिए पुलिस भर्ती बोर्ड की स्थापना की जरूरत जताई। इससे कर्मचारियों को फायदा होगा।

23 तक होंगे आयुष में पीजी-यूजी के प्रवेश

नगर संवाददाता, भोपाल। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग नई दिल्ली ने आयुष मंत्रालय की सहमति पर प्रदेश समेत देशभर के आयुर्वेद, सिद्धा, यूनानी आयुष मेडिकल कॉलेजों में सत्र 2025-26 सत्र में यूजी स्नातक व पीजी - एमडी एमएस में प्रवेश के लिए कट ऑफ डेट अब 14 जनवरी से 23 जनवरी कर दी है। इस आशय का पत्र एनसीआईएसएम के सचिव सच्चिदानंद प्रसाद ने जारी किया है। ज्ञात रहे कि यूजी की आखिरी डेट पूर्व में 20 दिसंबर 2025 थी तथा पीजी की 22 दिसंबर 2025 थी। प्रदेश समेत देशभर में आयुष की लगभग 6500 से ज्यादा सीटें खाली थीं। आयुष मेडिकल एसोसिएशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ राकेश पाण्डेय ने बताया कि एसोसिएशन ने रिक्त सीटों को भरने के लिए संचालनालय आयुष, आयुष मंत्रालय से मीडिया के माध्यम से गुहार लगाई थी । संभावना है कि राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग एनसीएच भी एनसीआईएसएम के समान शीघ्र ही सर्कुलर जारी करेगा।

बीएमएचआरसी में बजा डीजे आईसीयू में मरीज हुए परेशान

सैंकड़ों की संख्या में पहुंचे लोग, यात्रा में लगे गगनचुंबी नारे

नगर संवाददाता, भोपाल। भोपाल मेमोयिल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में रविवार को हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन से पहले एक धार्मिक यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में तेज आवाज में डीजे बजाया जा रहा था। डीजे के पीछे सैंकड़ों महिला व पुरुष डीजे की धुन पर थिरक रहे थे। बीएमएचआरसी के मुख्य द्वारा से लेकर परिसर में मौजूद खाली मैदान तक यह यात्रा डीजे के साथ पहुंची। इस दौरान तेज आवाज के शोर गुल से अस्पताल में भर्ती मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। खासकर आईसीयू वार्ड। जहां क्रिटिकल मरीज भर्ती रहते हैं। इसके अलावा पल्मोनरी और हार्ट रोगियों को भी तेज आवाज के कारण बैचेनी महसूस हुई। इस बारे में अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि हमने सम्मेलन के लिए परमिशन दी थी। लेकिन यह नहीं पता था कि कोई शोभा यात्रा भी निकाली जाएगी। हमारी संस्थान में खाली मैदान है, जिस पर सम्मेलन करने के लिए आयोजक हमारे पास आए थे। उन्होंने बताया था कि यह एक साधारण सम्मेलन है। जिसके आधार पर हमने अनुमति दे दी थी।

निर्देश एक-एक पन्ने पर चल रहा राजधानी का बरकतउल्ला विवि, रजिस्ट्रार के आदेश से मचा हंगामा

हाईकोर्ट में लंबित प्रकरणों की फाइलें चोरी, जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी का बरकतउल्ला विवि प्रदेश का एक मात्र विवि हैं, जहां एक-एक पन्ने की नोटशीट पर बड़े-बड़े आदेश जारी हो जाते हैं। उनकी मूल फाइलें बीयू से चोरी हो चुकी हैं। अदालतों में लंबित प्रकरणों की फाइलें तक बीयू से गायब हैं। यह स्थिति किसी एक विभाग की नहीं बल्कि बीयू के हर विभाग की है, इसलिए रजिस्ट्रार समर बहादुर सिंह ने आदेश जारी करते हुए सभी विभागों को तीन दिन की मौहलत देते हुए कहा कि फाइलें प्रस्तुत करें। ऐसा नहीं करने की दशा में जिम्मेदारों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

प्रशासनिक सत्य भवन में संचालित होने वाले विभागों की स्थिति ज्यादा खराब है। हर विभाग के आधा-आधा दर्जन फाइलें चोरी हो चुकी हैं। इसमें कई फाइलें ऐसी हैं, जिनके संबंध में सत्र एवं जिला न्यायालय के साथ हाईकोर्ट में प्रकरण लंबित हैं। ऐसा बताया गया है कि कई प्रकरणों में वकीलों को कार्यपरिषद में तय की गई फीस से ज्यादा का भुगतान तक किया गया है। फाइलें चोरी होने की दशा में बीयू का प्रशासनिक ढांचा

पूरी तरह से ध्वस्त होता दिखाई दे रहा है। नवनियुक्त रजिस्ट्रार सिंह के सामने आधी अधूरी फाइलें प्रस्तुत की जा रही हैं। यहां तक फाइलों में एक-एक पन्ना ही बचा है। उनकी मूल फाइलें सत्य भवन से चोरी हो चुकी हैं। इसलिए रजिस्ट्रार सिंह ने आदेश जारी करते हुए कहा कि बीयू कई कक्षों और विभागों से फाइलें आप्राप्त हैं। इसलिए उन्होंने सभी विभागाध्यक्षों और कक्ष अधिकारियों को तीन दिन की मौहलत देते हुए फाइलें प्रस्तुत करने को कहा है। विभाग और कक्ष से चोरी फाइलों की जानकारी के लिए रजिस्ट्रार सिंह ने सात कालम का एक फार्मेट दिया है, जिसमें फाइल क्रमांक, विषय, प्रभारी कर्मचारी, फाइल कब प्राप्त हुई, चोरी फाइलें किसके नाम और रिमार्क तक दर्ज करने को कहा है। रजिस्ट्रार सिंह द्वारा जारी किए गए आदेश से बीयू में हंगामा मचा हुआ है। अधिकारियों के हाथ पैर फुलना शुरु हो गए हैं। इसलिए वे चोरी हुइ फाइलों की खोजबीन में भी लग गए हैं।

नोड्यूस नहीं हुए जारी

बीयू से सेवानिवृत्त और वर्तमान में कार्यरत अधिकारी और प्रोफेसरों ने बीयू से लॉन लिया हुआ है। यहां तक अपने-अपने विभागों में कार्य करने के लिए बीयू से एडवांस के तौर पर बड़ी राशि तक ली हुई है, जिसका समायोजन तक नहीं कराया गया है। यहां तक उन्होंने नोड्यूस तक नहीं किया है। अधिकारी और प्रोफेसरों ने घालमेल करते हुए फाइलों को चोरी करा दिया है, ताकि उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की वसूली नहीं निकल सके। अपना बचाव करते हुए उन्होंने कुछ राशि जमा भी करा दी है।

आधा-आधा दर्जन फाइलें हुई चोरी

एकेडमिक विभाग से करीब आधा दर्जन फाइलें चोरी होने की सूचना दी गई। यह फाइलें कालेज की संबद्धता से संबंधित हैं, जिसमें बीएड कालेज शामिल हैं। इसी तरह स्थापना विभाग से करीब आधा दर्जन फाइलें गायब हो चुकी हैं। इसके अलावा लेखा, प्रशासन, स्टोर में तीन-चार फाइलें चोरी होने की बात कही जा रही है। कुछ कालेजों की संबद्धता समाप्त होने फाइलें तक बीयू में मौजूद नहीं हैं। मामला कई बार कुलगुरु सुरेश कुमार जैन तक पहुंच चुका है, लेकिन कोई फाइलें प्रस्तुत करने तक को तैयार नहीं हैं।

> बीयू के कई विभागों से फाइलें गायब हो चुकी हैं। उनकी तलाश जारी है। इस संबंध में विभागों को तीन दिन में फाइल प्रस्तुत करने को कहा गया है। दी गई मौहलत में फाइलें प्रस्तुत नहीं होती हैं, तो संबंधित पर एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।
>
> **समर बहादुर सिंह**, रजिस्ट्रार बीयू

नगर में आज

वैज्ञानिक आयोजन

एकीकृत सिद्धांत की खोज
- **स्थान :** आंचलिक विज्ञान केन्द्र
- **समय:** सुबह 11 बजे

सांस्कृतिक आयोजन

महाभारत समागम
- **स्थान:** भारत भवन
- **समय:** शाम 7 बजे

माह की प्रदर्शनी

- **स्थान:** इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में
- **समय:** प्रतिदिन 12 बजे से

संक्षिप्त खबरें

अग्निवीर भर्ती: आज से सुबह तीन घंटे बोट क्लब रोड बंद

जागरण संवाददाता, भोपाल। भारतीय वायुसेना की अग्निवीर योजना के चलते 19 जनवरी से 30 जनवरी तक वन विहार रोड सुबह 3 घंटे बंद रहेगा। सेना मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार आयोजित होने वाली शारीरिक परीक्षा के दौरान किसी भी तरह का व्यवधान उत्पन्न न हो और आम लोग भी अपने कार्यों को ठीक तरह से कर सकें। इसके चलते सड़क को रोजाना तीन घंटे के लिए सुबह 5.30 से 8.30 बजे तक बंद रखा जाएगा। इस दौरान लोग दादा धूनीवाले मंदिर से वन विहार तक आवागमन नहीं कर सकेंगे और यातायात पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। जिसके चलते जिला प्रशासन द्वारा सड़क को बंद रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन द्वारा इस अवधि में लोगों से वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की अपील की गई है।

13 दिन बाद सीबीएसई स्कूलों ने बदला समय

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। कलेक्टर कौलेंद्र विक्रम सिंह के आदेश के बिना कई सीबीएसई स्कूलों ने सोमवार से समय में परिवर्तन कर दिया है। यह स्कूल अब सुबह साढ़े आठ के बाद लगेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी नरेंद्र कुमार अहिरवार का कहना है कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए स्कूलों के समय का बदलाव करने के लिए कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। राजधानी में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने गत पांच जनवरी को स्कूलों के समय में परिवर्तन किया था। इसमें सभी स्कूलों को सुबह साढ़े नौ बजे के बाद संचालित करने को कहा गया है। यह आदेश राजधानी के सभी शासकीय और निजी स्कूलों पर समान रूप से लागू है। इसमें सीबीएसई, आईसीएसई, अनुदान प्राप्त और अन्य सभी मान्यता प्राप्त स्कूल शामिल हैं। आदेश का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर नियमानुसार कार्रवाई होगी। आदेश जारी होने के करीब 13 दिन बाद ही स्कूलों ने कलेक्टर के आदेश के बिना ही समय परिवर्तन करना शुरु कर दिया है। कार्मल कांवेंट स्कूल भेल की प्राचार्य ने अभिभावकों को मैसेज भेजते हुए कहा है कि सोमवार से स्कूलों का समय परिवर्तन किया जाता है। अब विद्यार्थियों को सुबह 8.50 तक स्कूल पहुंचना होगा।

सीयूईटी से बीयू देगा यूजी और पीजी कोर्स में प्रवेश

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 में कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) की मेरिट के हिसाब से यूजी और पीजी में विद्यार्थियों को प्रवेश देगा। सीयूईटी-पीजी के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 20 जनवरी और सीयूईटी-यूजी के लिए 30 जनवरी रखी गई है। यह परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा आयोजित की जाएगी। बीयू ने इस वर्ष 37 पीजी कोर्स और नौ यूजी कोर्स में सीयूईटी से प्रवेश देगा। बीयू ने सिर्फ एनटीए की वेबसाइट पर कोर्सेस की मैपिंग कराई है। विद्यार्थी अभी भी पशोपश में पड़े हुए हैं। वे कालेज और बीयू के शैक्षणिक विभागों के प्रवेश की गतिविधियों से अंजान बने हुए हैं। इसके चलते कई विद्यार्थी समय पर आवेदन की जानकारी नहीं जुटा पा रहे हैं। सत्र 2026-27 से काउंसलिंग सेंट्रलाइज्ड प्लेटफार्म से की जाएगी। कुलगुरु सुरेश कुमार जैन ने बताया कि पहले सत्र 2025-26 तक एडमिशन विभाग स्तर पर होते थे, जबकि काउंसलिंग कमेटी और हेल्प डेस्क बनाए जाएंगे। छात्रों को काउंसलिंग प्रक्रिया की जानकारी दी जाएगी और वे अपनी सुविधा अनुसार विभागों का दौरा भी कर सकेंगे।

सात को आयोजित होगी नवोदय की प्रवेश परीक्षा

भोपाल। जवाहर नवोदय स्कूल रातीबढ़ की कक्षा नौवी और ग्यारहवीं में एडमिशन के लिए प्रवेश परीक्षा सात फरवरी को होगी। 50 सीटों पर एडमिशन होंगे। दाखिले के लिए फार्म जमा हो चुके हैं। परीक्षा लैटरल एंट्री के माध्यम से होना है, जिसमें गणित, विज्ञान और भाषा से जुड़े सवाल आएंगे।

ट्रैफिक पुलिस कर रही सड़क हादसों की समीक्षा, ओवर स्पीडिंग सबसे बड़ा कारण

राजधानी में सड़क हादसों में 214 लोगों की मौत सबसे ज्यादा मिसरोद इलाके में 26 की गई जान

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। राजधानी में सड़क हादसों में वर्ष 2025 में 214 लोगों की मौत हो गई। सबसे ज्यादा थाना मिसरोद इलाके में 26 लोगों ने जान गवाई। ओवर स्पीडिंग सबसे बड़ा कारण सामने आया है। ट्रैफिक पुलिस की एक टीम एक्सीडेंट की वजह जानकर उसकी समीक्षा कर रही है। कुछ मामलों में शराब पीकर वाहन चलाना एक्सीडेंट का प्रमुख कारण है। मिसरोद के बाद थाना कोहेफिजा में 21 और कोलार में 18 लोगों की जान चली गई। सड़क हादसों के लिए जिम्मेदार ब्लैक स्पॉट पर पुलिस काम कर रही है। विकास एजेंसियों के साथ मिलकर इनको ठीक करवाने का प्रयास किया जा रहा है। राजधानी में 16 ब्लैक स्पॉट में से तीन 1250, तरुण पुष्कर और गोविंदपुरा टर्निंग के वर्क आर्डर हो चुके हैं। जल्द ही इन पर सुधार कार्य होंगे। वर्ष 2025 में राजधानी में कुल 2867 सड़क हादसों में 214 लोगों की मौत हुई। जबकि 2163 लोग घायल हुए। हालांकि पिछले वर्षों की तुलना कुल मौतों की संख्या में कमी आई है। पुलिस कमिश्नरेट के 34 थानों में थाना मिसरोद सालभर में कुल 183 सड़क हादसे हुए। इनमें सबसे ज्यादा 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 123 लोग घायल हुए। अच्छी सड़क होने के साथ यहां कट प्वाइंट ज्यादा है जो एक्सीडेंट की एक वजह है। नर्मदापुम रोड लगातार शहर की सबसे अधिक दुर्घटना संभावित सड़कों में शामिल रहा है। मिसरोद के बाद कोहेफिजा दूसरे स्थान पर रहा। जहां 199 सड़क हादसों में 21 लोगों की जान गई और 152 लोग घायल हुए। थाना कोलार तीसरे स्थान पर रहा, जहां 149 दुर्घटनाओं में 18 मौतें और 141 घायल दर्ज किए गए। इसके अलावा छोला मंदिर (105 हादसे, 15 मौतें, 72 घायल), टीटी नगर (146 हादसे, 14 मौतें, 111 घायल) और निशातपुरा (122 हादसे, 13 मौतें, 110 घायल) भी उच्च दुर्घटना वाले क्षेत्रों में शामिल रहे। खजूरी में 11 और गांधी नगर में 10 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई है।

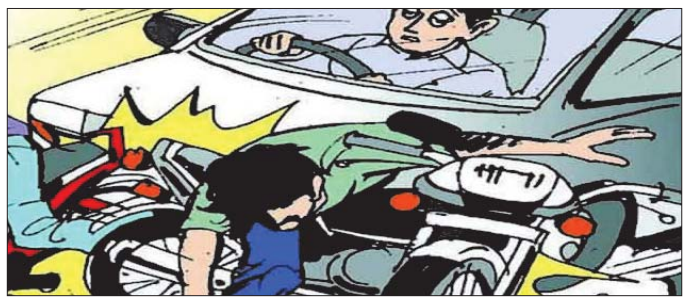

रात में ड्राइविंग और पार्टियां बढ़ा रहीं खतरा

एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक बसंत कौल का कहना है कि शहर के बाहरी इलाकों में तेज रफ्तार वाहन चलाना बड़ी चिंता है। युवा वर्ग अक्सर रात के समय जन्मदिन या पार्टियों के लिए आउटर इलाकों की ओर जाता है। इस दौरान हेलमेट न पहनना, सीट बेल्ट न लगाना, ओवर स्पीडिंग और नशे में वाहन चलाने जैसे नियमों का उल्लंघन आम है। रात में कम ट्रैफिक और तेज रफ्तार के कारण गंभीर हादसे होते हैं। लोगों की जान चली जाती है। आईएसबीटी से समरधा तक नर्मदापुरम रोड के कई हिस्सों को दुर्घटना संभावित क्षेत्र के रूप में चिन्हित किया गया है। यह क्षेत्र गोविंदपुरा, बागसेवनिया और मिसरोद थाना क्षेत्रों में आता है। अच्छी सड़क होने पर स्पीड बढ़ जाती है और एक्सीडेंट की संभावना बढ़ जाती है।

सड़कें चौड़ी होने से स्पीड बढ़ी

एडिशनल डीसीपी का कहना है कि सड़क पर जितना अधिक ट्रैफिक होता है, एक्सीडेंट की संभावना कम हो जाती है। इसलिए पुराने शहर में नए शहर की तुलना में एक्सीडेंट कम होते हैं और यदि होते हैं सामान्य चोटें आती हैं। चूंकि यहां ट्रैफिक का दबाव ज्यादा रहता है। ओवर स्पीड जैसी चीजों पर लगाम लग जाती है। मिसरोद क्षेत्र में बीआरटीएस कोरीडोर हटने के बाद सड़कें चौड़ी हो गईं। रात में लगभग खाली रहती हैं। कई वाहन चालक सर्विस लेन से भी बिना देखे मुख्य सड़क पर आ जाते हैं। ऐसे में एक्सीडेंट की संभावना बढ़ जाती है। 11 मील अब भी ब्लैक स्पॉट बना हुआ है। जहां अधिकांश हादसों में लापरवाही मुख्य कारण सामने आया है।

पिछले 5 वर्षों में सड़क हादसों का तुलनात्मक आंकड़ा

वर्ष	कुल हादसे	घायल	मौतें
2025	2867	2163	214
2024	2900	2323	235
2023	2906	2186	196
2022	2788	2151	205
2021	2186	1758	145

वर्ष 2025 में थाना क्षेत्रवार सड़क हादसे

थाना	हादसे	मौतें	घायल
मिसरोद	183	26	123
कोहेफिजा	199	21	152
कोलार	149	18	141
छोला	105	15	72
टीटी नगर	146	14	111

निरीक्षक के नेतृत्व में जा रही टीम

ट्रैफिक निरीक्षक इरशाद अली के नेतृत्व में टीम शहर में होने वाले गंभीर सड़क हादसों का निरीक्षण कर रही है। टीम यह पता लगाती है कि एक्सीडेंट की वजह क्या है, उसे जानकर समस्या को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। खासकर जहां बार-बार एक्सीडेंट हो रहे हैं वहां टीम विजिट कर समस्या का निदान खोज रही है। इसमें भौतिक व व्यावहारिक दोनों कारण जाने जा रहे हैं। इधर, कटारा हिल्स निवासी इंजीनियर मनीष बादल का कहना है कि मिसरोद से समरधा तक सर्विस रोड और मुख्य सड़क को अलग करने के लिए लगाई गई रेलिंग कई जगह दुकानदारों और स्थानीय लोगों द्वारा हटा दी गई है, जिससे दुर्घटनाएं बढ़ रही हैं।

अंधेरा होने के कारण भ्रम की स्थिति

एसीपी ट्रैफिक विजय दुबे ने बताया कि वीआईपी रोड स्थित कोहेफिजा चौराहे में डिजाइन की खामियां हैं। यहां रात में रोशनी कम रहती है और ट्रैफिक सिग्नल भी नहीं लगे हैं। ऐसे में एक्सीडेंट की संभावना बनी रहती है। इस चौराहे पर वीआईपी रोड बाईं ओर मुड़ती है, जबकि कोहेफिजा जाने वाले वाहन दाईं ओर मुड़ते हैं, जिससे खासकर रात में भ्रम की स्थिति बनती है और हादसे होते हैं। वहीं कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी का कहना है कि कोलार में सिक्स लेन के विस्तार के बाद ओवर स्पीडिंग की समस्या बढ़ गई है। मुख्य रोड पर व्यावसायिक गतिविधियां ज्यादा हैं। भीड़भाड़ वाले इलाके होने से सड़क हादसों का आशंका बढ़ जाती है।

प्रेमिका से मिलने गए युवक को बंधक बनाकर पीटा, पेशाब पिलाने का आरोप

वीडियो वायरल होते ही कोलार पुलिस ने दिखाई तत्परता, रेस्क्यू कर युवक को छुड़ाया

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। कोलार इलाके में एक युवक को बंधक बनाकर पीटने और पेशाब पिलाने का वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो देख कोलार पुलिस सक्रिय हो गई। बाद में पता लगा कि घटना राजस्थान की है, लेकिन युवक कोलार के कलजीखेड़ा में रहता है। पुलिस ने तत्परता दिखाई और राजस्थान के झालावाड़ जिले की दांगीपुरा पुलिस से संपर्क किया। उन्हें घटना के बारे में बताया। स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, युवक को रेस्क्यू कर आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। इधर, पीड़ित के परिजन राजस्थान के लिए रवाना हो गए। कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी ने बताया कि 18 वर्षीय सोनू कजलीखेड़ा स्थित एक गांव में रहता है। वह निजी काम करता है। उसकी दोस्ती झालावाड़ के पास एक शादीशुदा युवती से हो गई। दोनों के बीच प्रेम प्रसंग हो गया। सोनू के प्रेम के चलते युवती 15 दिन पहले भोपाल आ गई। यहां सोनू के साथ रहने लगी। कुछ दिन बाद उसके परिजन भोपाल पहुंचे। वह युवती को समझा-बुझाकर अपने साथ ले गए। तीन दिन पहले युवती ने सोनू को फोन कर गांव बुलाया और अपने साथ ले जाने की बात कही। प्रेमिका के कहने पर सोनू राजस्थान पहुंचा। जहां युवती के परिजनों व गांव वालों ने उसे पकड़ कर बंधक बना लिया। इसके बाद जमकर पिटाई की।

पुलिस ने युवक को छुड़ाया

आरोपियों ने युवक को पीटते हुए वीडियो बनाया। एक बीयर की बॉटल में जबरन तरल पदार्थ पिलाने का वीडियो बनाकर परिजनों को भेजा। परिजनों का आरोप है कि उसे पेशाब पिलाई गई। वीडियो मिलने के बाद परिवार दहशत में आ गया। रविवार दोपहर वे कोलार थाने पहुंचे। इसके बाद कोलार पुलिस सक्रिय हुई। पुलिस ने राजगढ़ की कालीपीठ पुलिस से संपर्क किया। वहां की पुलिस ने बताया कि यह घटना हमारे यहां कि नहीं बल्कि राजस्थान के झालावाड़ की है। इसके बाद झालावाड़ पुलिस से संपर्क किया गया। झालावाड़ पुलिस ने दांगीपुरा थाना पुलिस से संपर्क कर युवक को रेस्क्यू कर आरोपियों के चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद युवक के परिजन राजस्थान के लिए रवाना हो गए।

दो बैटरी रिक्शा चोरी करने वाला गिरफ्तार

जागरण, भोपाल। मंगलवारा पुलिस ने वाहन चोरी की दो घटनाओं का खुलासा कर करीब चार लाख रुपए की कीमत के दो बैटरी रिक्शा बरामद किए हैं। इस मामले में विधि का उल्लंघन करने वाले एक नाबालिग बालक को पकड़ा है। पुलिस के अनुसार दो अलग-अलग मामलों में चोरी की रिपोर्ट दर्ज हुई थी। शुक्रवार को अनिकेत लोधी (24) निवासी गोविंदपुरा ने अपनी बैटरी ऑटो रिक्शा चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। जबकि दूसरी घटना शनिवार मारूफ अंसारी (22) निवासी छावनी मंगलवारा ने बैटरी सवारी ऑटो चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई। लगातार दो बैटरी रिक्शा चोरी होने पर किसी गिरोह की सक्रिय होने की आशंका पर पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर सूचना पर कार्रवाई कर नाबालिग के कब्जे से चोरी किए गए दोनों बैटरी रिक्शा बरामद कर लिए। पुलिस ने नाबालिग को कोर्ट में पेश कर बाल संरक्षण गृह भेज दिया है।

बाल विवाह और शोषण पर रोक लगाने एआई टूल 'रक्षा' तैयार

जागरण संवाददाता, भोपाल। पूरे देश में साल 2023 में बाल विवाह और इंटरनेट पर बाल यौन शोषण जैसे 1 लाख 77 हजार 335 मामले देश भर में दर्ज किए गए थे। इनमें से अकेले 22 हजार 393 मामले मप्र में दर्ज किए गए। अब ऐसे बाल अपराधों पर रोक लगाने और इनके निवारण के लिए एआई टूल 'रक्षा' को तैयार किया गया है। ताकि इस तरह के अपराधों को होने से रोका जा सके। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन द्वारा विकसित इस टूल को बाल अपराधों को रोकने में प्रभावी बताया जा रहा है। संस्था के अनुसार देशभर में सबसे ज्यादा बाल अपराध मध्य प्रदेश में ही दर्ज किए गए थे। बता दें कि 2021 के बाद से ही मध्य प्रदेश में बाल अपराधों में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। साल 2021 में बाल अपराध के 19 हजार 173 मामले दर्ज किए गए, जबकि 2022 में यह संख्या बढ़कर 20 हजार 415 हो गई। अब साल दर साल इसमें बढ़त देखने को मिल रही है।

इस कारण आवश्यकता पड़ेगी एआई की

बाल अपराध को रोकने काम कर रहे जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के संस्थापक भुवन ऋभु बताते हैं कि उन्नत एआई क्षमताओं का उपयोग कर देशभर के आंकड़ों के विश्लेषण से वास्तविक समय में बच्चों की ट्रैफिकिंग और बाल विवाह के लिहाज से संवेदनशील क्षेत्रों का पता लगाने में मदद मिलती है। इससे संवेदनशील बच्चों और समुदायों की पहचान करना आसान होती है। ट्रैफिकिंग में शामिल गिरोहों की निगरानी, स्रोत व उनके संभावित ठिकानों की पहचान करने में मदद मिलती है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन के 250 से भी ज्यादा सहयोगी संगठन 451 जिलों में काम कर रहे हैं। मप्र में ही नेटवर्क के 13 सहयोगी संगठन राज्य के 39 जिलों में काम कर रहे हैं।

बिजली कर्मचारियों को किसानों ने डंडों से पीटा

जागरण, भोपाल। छोलामंदिर थाना क्षेत्र में बिजली कर्मचारियों को किसानों ने दौड़ा-दौड़ाकर लाठी-डंडो से पीटने का मामला सामने आया है। उनकी 6 सदस्यीय टीम बिजली की लाइन ठीक करने गई थी। जहां कुछ किसानों ने टीम कर हमला कर दिया। पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने, मारपीट,जान से मारने की धमकी समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार रवि महावर एमपीईबी कर्मचारी हैं। शनिवार को वह अपनी टीम के साथ खेजड़ा बरामद गांव गए थे। जहां उनकी टीम जैसे ही खेत में बिजली की लाइन ठीक करने पहुंची, तो कुछ किसानों ने खेत में घुसने का विरोध करते हुए गाली गलौज शुरू कर दी। इस दौरान उन्होंने लाठी-डंडो से टीम पर हमला कर दिया और फिर उनको दौड़ा-दौड़ा कर पीटने लगे। यह देखकर टीम कुछ लोग जान बचाकर भागने लगे। जबकि टीम के तीन लोगों के हाथ, पैर और कंधे पर चोटें आई है। बदमाशों ने गाड़ी का कांच भी तोड़ दिया है। घटना की शिकायत पर पुलिस ने घायलों का मेडिकल करवा कर आरोपी अभिषेक पाल, छोटू पाल,वीर सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

भोपाल में शाम से बादलों का डेरा, बढ़ा रात का पारा

उत्तर भारत में हुए दो सिस्टम सक्रिय, एमपी में बदल रहा मौसम

नगर संवाददाता, भोपाल। उत्तर भारत में सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ का असर दिल्ली, राजस्थान व मध्य प्रदेश में दिखने लगा है। रविवार शाम भोपाल में आसमान में बादल छाए। इसका अनुमान मौसम विभाग द्वारा पहले ही लगा लिया गया था। भोपाल में रविवार की रात तापमान में वृद्धि देखी गई। रविवार को न्यूनतम तापमान 11 डिग्री रहा। जबकि दिन का अधिकतम तापमान 27.7 डिग्री रहा। मध्यप्रदेश में उत्तर से आ रही ठंडी हवाओं के चलते सर्दी का असर लगातार बना हुआ है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया है, जबकि कुछ शहरों में दिन का तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहा। प्रदेश का सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.7 डिग्री सेल्सियस कल्याणपुर (खंडवा) में दर्ज किया गया, वहीं उज्जैन में अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार, खजुराहो में न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री, उमरिया में 6.0 डिग्री, रीवा में 6.4 डिग्री और भोपाल में 6.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठंडी हवाओं के कारण सुबह और रात के समय ठिठुरन बनी हुई है। वहीं अधिकतम तापमान की बात करें तो विक्रम (सतना) में 23.7 डिग्री, पचमढ़ी में 23.8 डिग्री, मलाजखंड में 24.0 डिग्री, बैतूल में 24.6 डिग्री और रीवा में 25.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उज्जैन, बैरसिया, इंदौर और खंडवा जैसे शहरों में दिन के समय हल्की गर्मी महसूस की गई। सर्द हवा मैदानी इलाकों की ओर बढ़ रही। मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के चलते वहां की सर्द हवा मैदानी इलाकों की ओर बढ़ रही है।

कोहरे ने बढ़ाई परेशानी

रविवार सुबह ग्वालियर, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरा छाया रहा। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, रायसेन, सीहोर और विदिशा सहित कई जिलों में हल्का कोहरा देखने को मिला। कोहरे के कारण दिल्ली से मध्यप्रदेश आने वाली कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं, जिनमें मालवा, झेलम और सचखंड एक्सप्रेस ज्यादा प्रभावित हैं।

प्रदेश में अभी आगे और बढ़ सकती है ठंड

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 19 और 21 जनवरी की रात से दो पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकते हैं। इसके अलावा राजस्थान के ऊपर सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर भी मध्यप्रदेश में देखने को मिल सकता है। ऐसे में 22-23 जनवरी के बाद प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

सख्ती के साथ 27 से शुरू होंगी भोज विवि की परीक्षाएं

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। भोज विवि ने जनवरी-दिसंबर सत्र की परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षाएं 27 जनवरी से 16 फरवरी तक चलेंगी। परीक्षा में चालीस हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। भोज ने परीक्षाओं को नकल से मुक्त कराने सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र भेजकर परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षाकर्मी तैनात करने के लिए कहा है । भोज ने प्रदेश स्तर पर होने वाली परीक्षा के लिए 540 स्टडी सेंटरों को केंद्र बनाया है, जिसमें 40 हजार विद्यार्थी परीक्षा देंगे। भोज विवि परीक्षा में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थियों के प्रवेश पत्र अगले सप्ताह जारी करेगा। बैचलर ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफोमेशन साइंस (बीएलआईएस) की परीक्षाएं 27 जनवरी से 16 फरवरी तक होंगी, जिनका समय दोपहर दो से शाम पांच बजे तक रहेगा। बीए प्रथम वर्ष की परीक्षाएं 10 फरवरी से 16 मार्च तक होंगी, जबकि बीएससी और बीकॉम की परीक्षाएं 10 फरवरी से 23 फरवरी तक आयोजित की जाएंगी। बीएससी डेटा साइंस की परीक्षाएं 18 फरवरी से 5 मार्च तक होंगी। इन सभी परीक्षाओं का समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षाओं को नकल से मुक्त कराने निदेशक सतीश पाटिल ने परीक्षा केंद्र अध्यक्षों को विशेष निर्देश जारी किए हैं। इसमें परीक्षा केंद्रों में प्रवेश के पहले वीक्षक विद्यार्थियों से नकल जब्त करने के लिए तलाशी तक ले सकते हैं।

> परीक्षाओं को नकल से मुक्त रखने के लिए सख्ती से निर्देशों का पालन कराया जाएगा। परीक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी।
> **डॉ. सुशील मंडेरिया,** रजिस्ट्रार भोज मुक्त विवि

निर्णय | प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति 1200 कालेजों की आगामी तीन सत्र की फीस करेगी तय

प्रोफेसरों के वेतन से तय होगी कालेजों की फीस, भेजेंगे प्रस्ताव

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। प्रवेश एवं फीस विनियामक समिति को सूबे के 1200 कालेजों की आगामी तीन सत्र 2026-27, 2027-28 और 2028-29 की फीस निर्धारित करना है। कालेजों के लिए इसके आवेदन चंद दिनों में खोल दिए जाएंगे। फीस कमेटी आवेदन जमा करने की प्रक्रिया में परिवर्तन करने जा रही है। इसमें कालेजों को अपनी हर फैकल्टी का पूरा ब्यौरा देना होगा। यहां तक फैकल्टी का पेन कार्ड नंबर तक देना होगा, जिससे फीस कमेटी यह पता लगा सकेगी कि कालेज बैलेंस शीट में जो प्रोफेसरों को वेतन देना बता रहे हैं वह दिया जा रहा है या नहीं। यह भुगतान उन्हें एआईसीटीई, बीसीआई, एनसीटीई और एनएमसी द्वारा दिए मापदंडों के तहत ही किया जा रहा है। फीस कमेटी द्वारा तैयार साफ्टवेयर में प्रोफेसर का ब्यौरा दिया जाएगा। इससे उनके वेतन के हिसाब से फीस का कैल्कुलेट भी आसानी से सकेगा। बताया जा रहा है कि कालेजों द्वारा जो बैलेंस शीट में प्रोफेसरों का वेतन बताया जा रहा है वह उन्हें दिया ही नहीं जा रहा। इससे कालेजों में विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा नहीं दी जा रही है। फीस निर्धारित करने कालेज अगले सप्ताह से कमेटी में आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद सुनवाई होगी।

कालेजों की आडिट बैलेंस शीट पर तय होगी फीस

फीस कमेटी को वर्तमान में सूबे के प्रोफेशनल कोर्स में इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, फार्मेसी, विधि, आर्किटेक्चर, होटल मैनेजमेंट और मेडिकल के साथ एनसीटीई कोर्स संचालित करने वाले कालेजों की फीस निर्धारित करना है। फीस तय कराने के लिए कालेज अगले सप्ताह से फीस कमेटी में आवेदन कर सकेंगे। कालेजों को अपनी वर्तमान सत्र की सीए से आडिट की गई बैलेंस शीट प्रस्तुत करनी होगी। विवि से संबद्धता और सेंट्रल बॉडी से मान्यता लेकर प्रस्ताव बनाकर फीस कमेटी में देना होगा। संबद्धता और मान्यता के अभाव में कालेजों की फीस निर्धारित नहीं की जाएगी। वर्तमान सत्र की बैलेंस शीट नहीं होने की दशा में कालेज गत वर्ष की बैलेंस शीट प्रस्तुत जरूर कर सकेंगे। फीस तय होने के बाद ही कालेज अपनी सीटों पर प्रवेश देने के लिए काउंसलिंग में भागीदारी कर पाएंगे।

> आगामी तीन सत्रों की फीस तय करने के लिए फीस कमेटी द्वारा आगामी सप्ताह से प्रस्ताव जमा कराए जाएंगे। मान्यता और संबद्धता के अभाव में फीस निर्धारित नहीं होगी।
> **रविंद्र रामचंद्र कान्हेरे,** अध्यक्ष फीस कमेटी

विवि कराएंगे पीजी में विषय बलदने के लिए पात्रता परीक्षा

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) प्रवेश प्रक्रिया की तैयारियां अभी से शुरु कर दी हैं। आगामी सत्र 2026-27 प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को यूजी में पढ़े गए मेजर और माइनर विषय को छोड़कर किसी अन्य विषय से पीजी में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की प्रवेश पात्रता परीक्षा लेकना अनिवार्य होगा। यह परीक्षा सिर्फ वही विद्यार्थी देंगे, जिन्हें स्नातक स्तर पर पढे विषय से अलग विषय में पीजी करना चाहते हैं। इसी माह सभी विश्वविद्यालयों को परीक्षा की अधिसूचना जारी करने के बाद फरवरी में ऑनलाइन आवेदन जमा कराना है। मार्च में परीक्षा कराने के बाद 30 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से रिजल्ट घोषित करना है। एक मई को विभाग पीजी प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एनईपी के प्रावधानों के अनुसार वही विद्यार्थी सीधे पीजी में प्रवेश के पात्र होंगे, जिन्होंने स्नातक में संबंधित विषय को मेजर या माइनर के रूप में पढ़ा हो। अन्य विषय से पीजी में प्रवेश के लिए छात्रों को या तो सीयूईटी-पीजी उत्तीर्ण करना होगा अथवा विवि स्तर पर प्रवेश पात्रता परीक्षा पास करनी होगी।

संक्षिप्त खबरें

पाटिल समाज का परिवार मिलन समारोह 25 जनवरी को

जागरण, भोपाल। महाराष्ट्रीय कुणबी पाटिल समाज सेवा समिति द्वारा रविवार को परिवार मिलन एवं हल्दी-कुमकुम समारोह का आयोजन 25 जनवरी को होने वाला है। समिति के अध्यक्ष केबी पाटिल ने जानकारी देते हुए बताया कि मंत्री विश्वास कैलाश सारंग को समिति की संपूर्ण कार्यकारिणी द्वारा औपचारिक रूप से निमंत्रण पत्र भेंट किया गया। मंत्री सारंग कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे। अध्यक्ष पाटिल ने बताया कि इसी अवसर पर समाज द्वारा पहली बार प्रकाशित परिवार संग्रह पुस्तक-2026 का विमोचन माननीय मंत्री के कर-कमलों से किया जाएगा। उपाध्यक्ष एवं प्रवक्ता प्रकाश सुरेश पाटिल ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर समाज में व्यापक उत्साह है तथा समिति के कार्यकर्ता घर-घर जाकर समाज के प्रत्येक सदस्य एवं परिवार को व्यक्तिगत रूप से निमंत्रण पत्र वितरित कर रहे हैं। आयोजन का उद्देश्य समाज में आपसी परिचय, पारिवारिक एकता, सामाजिक जुड़ाव एवं संस्कारों के संवर्धन को सुदृढ़ करना है। समारोह में महाराष्ट्रीयन कुणबी पाटिल समाज के सभी सदस्य सपरिवार आमंत्रित हैं।

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की पुण्यतिथि पर विश्व शांति का दिया संदेश

जागरण, भोपाल। ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने 18 जनवरी के दिन को अपने संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा की पुण्यतिथि के साथ-साथ वर्षों से विश्व शांति दिवस के रूप में मनाता आ रहा है। यह दिन मानव को यह स्मरण कराता है कि जब संसार में अशांति, तनाव, हिंसा और नैतिक पतन बढ़ता है, तब परमात्मा ज्ञान और चेतना के रूप में मानवता का मार्गदर्शन करता है। आध्यात्मिक दृष्टि से माना जाता है कि परमात्मा का अवतरण किसी शारीरिक जन्म की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि वह दिव्य ज्ञान, प्रकाश और चेतना के रूप में होता है। ब्रह्मा बाबा के वन में आया अलौकिक परिवर्तन इस सत्य का प्रमाण माना जाता है कि परमात्मा साधारण मनुष्य को भी विश्व परिवर्तन का माध्यम बना सकते हैं। इसी कारण 18 जनवरी को केवल स्मृति दिवस नहीं, बल्कि आत्मा और परमात्मा के मिलन तथा विश्व शांति के संकल्प का दिन माना जाता है। निदेशिका नीता दीदी ने कहा कि विश्व की हर समस्या का समाधान बाहरी सुधारों में नहीं, बल्कि आत्म-परिवर्तन में निहित है। जब मनुष्य स्वयं को आत्मा समझकर परमात्मा से जोड़ता है, तब उसके विचार, शब्द और कर्म स्वतः ही शांति और कल्याणकारी बन जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि आज का युग भले ही भौतिक प्रगति में आगे बढ़ रहा हो, लेकिन आध्यात्मिक शून्यता के कारण तनाव, अवसाद और अशांति बढ़ रही है। ऐसे समय में राजयोग ध्यान मनुष्य को भीतर से सशक्त बनाकर वन में संतुलन, स्थिरता और सकारात्मकता प्रदान करता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने विश्व शांति, सामाजिक सौहार्द, नारी सम्मान और सकारात्मक वन मूल्यों को अपनाने का संकल्प लिया।

जीआईएफएलआईएफ इंडिएस्तान म्यूजिकल एक्सपीरियंस आयोजित

जागरण, भोपाल। द ग्रेट इंडियन फिल्म एंड लिटरेचर फेस्टिवल (जीआईएफएलआईएफ) ने अपनी 10वीं वर्षगांठ के अवसर पर भोपाल में जीआईएफएलआईएफ इंडिएस्तान म्यूजिकल एक्सपीरियंस का आयोजन किया। एमपीटी डीडीएक्स ड्राइव-इन सिनेमा में हुए इस संगीत महोत्सव ने शहर के संगीत प्रेमियों को स्वतंत्र संगीत की विविध रंगत से रूबरू कराया। व्हाइट वॉल्स मीडिया द्वारा आयोजित और करण कुकरेजा द्वारा क्यूरेटेड इस आयोजन का मुख्य आकर्षण पंजाबी मेटल बैंड ब्लडीवुड रहा, जिसने मध्य भारत में पहली बार प्रस्तुति देकर इतिहास रचा। लोक संगीत और समकालीन मेटल के अनूठे मिश्रण के लिए पहचाने जाने वाले ब्लडीवुड को दर्शकों का जबरदस्त उत्साह मिला। कार्यक्रम में सुतेज सिंह एंड द लीडिंग ड्रॉप्स सहित इंडिएस्तानी बैंड हंट के उभरते कलाकारों ने भी मंच साझा किया। करण कुकरेजा ने कहा कि यह 10वीं वर्षगांठ मध्य भारत तक विश्वस्तरीय स्वतंत्र संगीत पहुंचाने की एक दशक लंबी यात्रा का प्रतीक है।

क्रूरता के इस दौर में कला से ही जिंदा है उम्मीद: प्रो. गोहिल

जागरण, भोपाल। आशा पारस फॉर पीस एंड हार्मनी फाउंडेशन द्वारा रविवार शाम विचारोत्तेजक सिने संवाद सिनेमा नजर से नजर तक का आयोजन किया गया। संवाद में फिल्म निर्देशक, सिनेमेटोग्राफर एवं पटकथा लेखक प्रो. राजीव गोहिल ने कहा कि व्यावसायिक सिनेमा चाहे जितनी तरक्की कर ले, समाज की वास्तविक उम्मीद आज भी कला और यथार्थवादी सिनेमा से ही जुड़ी हुई है। कार्यक्रम से पहले दो समकालीन विषयों पर आधारित लघु फिल्मों 'प्यास' और 'ग्वावा - ए मॉब लिंचिंग' का प्रदर्शन किया गया। 'प्यास' (निर्देशक- सूर्यान्शु सक्सेना) एक युवक के आस्था और कर्म के द्वंद्व की संवेदनशील कथा है। वहीं राहुल शर्मा निर्देशित मूक फिल्म 'ग्वावा-ए मॉब लिंचिंग' भीड़ हिंसा की भयावह सच्चाई को गहराई से उजागर करती है। यह फिल्म खजुराहो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव 2025 में आधिकारिक स्क्रीनिंग के लिए चयनित है। कार्यक्रम का आयोजन को प्रो. आशा शुक्ला, प्रो. आर.के. शुक्ला और डॉ. वीणा सिन्हा ने किया।

एमएलबी कालेज में साइकोलॉजिकल फर्स्ट ऐड का आयोजन

भोपाल। एमएलबी कालेज के मनोविज्ञान विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य एवं आत्महत्या रोकथाम, नेशनल टास्क फोर्स गतिविधि के तहत शैक्षणिक स्टाफ के प्रशिक्षण का द्वितीय सत्र आयोजित किया गया। इसमें डॉ अनिता पुरी सिंह ने साइकॉलॉजिकल फर्स्ट ऐड, आइडेंटिफिकेशन ऑफ वार्निंग साइंस तथा रिस्पॉन्स मेकेनिज्म पर कालेज के शैक्षणिक स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान किया एवं एनटीएफ गाईड लाइन के संबंध में बताया गया। अन्य फैसिलिटेटर डॉ रजी फराज ने सर्वे फॉर्म भरने और मानसिक स्वास्थ्य, माइंडफल्नेस, आनंद सर्किल कालेज परिवार की विभिन्न कार्यक्रमों में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित करने के संबंध में भी जानकारी साझा की गई।

हिंदू सम्मेलन में भेदभाव मिटाने व परिवार को मजबूत करने की शपथ

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छत्रपति शिवाजी महाराज, सुभाष चंद्र बोस, रानी लक्ष्मी बाई देश भक्तों की वेशभूषा में दिखे छोटे बच्चे

जागरण संवाददाता, भोपाल। भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर स्थित भगत सिंह नगर बस्ती में सकल हिंदू समाज द्वारा हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का आयोजन मुख्य रूप से समाज के लोगों को एकजुट कर भेदभाव मिटाने को लेकर था। कार्यक्रम की शुरुआत से पहले करोंद से बीएमएचआरसी खेल मैदान तक विशाल कलश यात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में गौ पूजन और यज्ञ अनुष्ठान कर देश और हिंदू समाज के उत्थान की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर 5 हजार से ज्यादा लोगों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बताए गए पांच संकल्पों को समाज में बदलाव लाने के लिए जीवन में अपनाने के लिए शपथ ली गई।

ये लिए गए पांच संकल्प

- सामाजिक समरसता (जाति-भेद मिटाना)।
- कुटुंब प्रबोधन (परिवार व्यवस्था को मजबूत करना)। -पर्यावरण संरक्षण (प्रकृति से जुड़ाव)।
- स्वदेशी आचरण (आत्मनिर्भरता और स्थानीयता)
- नागरिक कर्तव्य (अनुशासन और राष्ट्रभक्ति)

बच्चों द्वारा कई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी गईं। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य वक्ता पंडित शैलेंद्र कृष्ण शास्त्री और अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विवि के कुलपति प्रकाश बरतूनिया ने लोगों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम में बीएमएचआरसी के स्टाफ सहित कई अन्य लोग भी उपस्थित थे।

आदर्श नगर बस्ती में रविवार को सकल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। अग्रवाल नगर मैदान में आदर्श नगर बस्ती में रविवार को सकल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें करीब चार हजार लोगों ने भागीदारी की है, जिसमें दो हजार मातृ शक्ति, डेढ हजार पुरुष और करीब 500 बच्चे शामिल हैं। कार्यक्रम के पूर्व कलश यात्रा का आयोजन किया। कार्यक्रम में छोटे बच्चों द्वारा ड्राइंग पेंटिंग की प्रतियोगिता आयोजित की गई। बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में छत्रपति शिवाजी महाराज, सुभाष चंद्र बोस, भगत सिंह, रानी लक्ष्मी बाई, आदि देश भक्तों की वेशभूषा में उपस्थित हुए। उन्हें पुरस्कृत किया साथ ही बस्ती के सफाईकर्मियों का भी सम्मान किया गया। अंत में भारत माता की आरती के बाद भोजन प्रसादी भंडारी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से मध्यभारत प्रांत के कार्यालय प्रमुख विजय विश्वकर्मा उपस्थित हुए। कार्यक्रम का प्रारंभ भारत माता के चित्र पर माल्यार्पण करके एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर मुख्य वक्ता विजय विश्वकर्मा ने कहा कि आज समाज में जात पात भाषा को भूलकर सभी हिन्दू समाज आज एक मंच पर आ रहा है और यही राष्ट्र को संगठित करने की पद्धति संघ द्वारा की गई है। उन्होंने कहा हिन्दवः सोदराः सर्वे, न हिन्दू पतितो भवेत्। मम दीक्षा धर्म रक्षा, मम मंत्र लाभकारी। यह मंत्र का पालन करना ज़रूरी है। विश्वकर्मा ने कहा कि जाती हूं और धर्म भाषा के आधार पर सम्मेलन होने के स्थान पर भारतराष्ट्र को सशक्त करने के लिए सकल हिन्दू सम्मेलन होना चाहिए और इस मंत्र का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हिंदू संगठित रहेगा तो राष्ट्र सशक्त बनेगा। संयोजक हर्ष काजवे ने भी हिन्दू एकता बनाए रखने के लिए अपने विचार रखे। इस अवसर पर पंडित दिनेश शास्त्री गणेश मंदिर, दिव्या प्रसाद सहित बस्ती के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए।

राष्ट्रहित के लिए सकल हिंदू सम्मेलन आवश्यक

9 माह में की पिछले साल से 7 गुना अधिक अवैध शराब जब्त

तस्करों और अवैध पीने-पिलाने वालों पर 5273 केस दर्ज

मुख्य संवाददाता, भोपाल। राजधानी में आबकारी की टीम ने इस वित्त वर्ष (2025-26) के शुरूआती 9 माह में ही पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले सात गुना अधिक शराब जब्त की है। इसके साथ ही इसी अवधि में आबकारी टीमों ने 10 हजार से अधिक विभागीय और अदालती केस दर्ज किए हैं जो पिछले साल की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक हैं। भोपाल के आबकारी विभाग की रिपोर्ट के अनुसार विभाग की टीम ने पिछले वित्त वर्ष (1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025) के दौरान करीब 1026 प्रूफ लीटर शराब पकड़ी थी, जिसमें 349.9 लीटर विदेशी और 676.8 लीटर देशी मदिरा शामिल थी। इस दौरान तस्करी के कुल 14 मामले दर्ज हुए थे। इस वित्त वर्ष में 1 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 के शुरूआती 9 माह में ही भोपाल की टीम 7321.6 लीटर अवैध शराब जब्त कर चुकी है। इसमें 3736.8 लीटर विदेशी, 3534.3 लीटर देशी और 50.5 लीटर बीयर शामिल है। इस दौरान तस्करों के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामले भी बढ़कर 32 हो गए। इस बार आबकारी की टीम ने भोपाल जिले की शराब दुकानो की जांच के बाद ठेकेदारों के खिलाफ 5044 प्रकरण 9 माह में दर्ज किए हैं, जबकि पिछले वित्त वर्ष में इसकी संख्या केवल 4494 थी। इन विभागीय मामलों के तहत प्रकरणों का निपटारा कलेक्टर कोर्ट में होता है। इसके अलावा इस वित्त वर्ष के पहले 9 माह में ही कुल 5273 अदालती मामले दर्ज किए हैं। यह पिछले पूरे साल में दर्ज 4830 केस से 10 फीसदी अधिक हैं। अदालती मामलों के तहत आबकारी के वे प्रकरण आते हैं जो शराब तस्करी, अवैध शराब बिक्री, अवैध तौर पर मदिरापान करने और कराने वालों के खिलाफ दर्ज किए जाते हैं। अदालती मामलों में आबकारी विभाग शराब तस्करों के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2) के तहत कार्रवाई करती है, जिसमें तस्करों को सीधे जेल भेजा जाता है और दोषी पाए जाने पर उनकी संपत्ति भी राजसात हो सकती है। इस साल 9 माह में ही जिले की आबकारी टीम ने अवैध तस्करी में शामिल चार कार समेत 11 वाहन जब्त किए हैं।

ये है तुलनात्मक कार्रवाई का लेखा-जोखा

वर्ष	2024-25	2025-26 (1 अप्रैल से 31 दिसंबर)
विभागीय केस	4094	5044
अदालती केस	4830	5273
जब्ती देशी मदिरा	676.8	3534.3
जब्त विदेशी मदिरा	349.89	3736.8
बीयर	00.00	50.5

पिछले पूरे साल में दर्ज 4830 केस से 10 फीसदी अधिक

जिले की टीम ने तस्करी में 4 कार समेत 11 वाहन जब्त

केस 1- पिछले साल 26 अगस्त को छोला का नवजीवन कॉलोनी में आबकारी महकमे ने दबिश दी। यहां से अमृतलाल पांथी को हिरासत में लेकर 95 पेटी(855 बल्क लीटर) देशी शराब जब्त की गई। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) एवं 34(2) के तहत कार्रवाई कर 4 लाख 49 हजार की शराब जब्त की। ये अवैध देशी शराब के लिहाज से साल की सबसे बड़ी कार्रवाई थी।

केस 2 - पिछले साल ही 21नवंबर को आबकारी की टीम ने साल की सबसे बड़ी रेड की। यहां मां-बेटे की जोड़ी अवैध शराब का धंधा कर रही थी। टीम ने यहां से हाई ब्रांड की विदेशी मदिरा की 97 पेटी (858.06 बल्क लीटर) विदेशी शराब जब्त की गई। इसकी कीमत 20 लाख 60 हजार थी। ये शराब पड़ोसी राच्यों यूपी और हरियाणा से स्मगलिंग कर भोपाल लाई गई थी। इस मामले में फरार राहुल यादव को तीन दिन पहले ही आबकारी टीम ने हिरासत में लिया है।

केस 3 - आकृति रिट्रीट के परिसर में अवैध शराब बेचने की सूचना लंबे समय से मिल रही थी। टीम ने 19 नवंबर को छापा मारा तो आरोपी कार छोड़कर भाग निकला। कार और फ्लैट की तलाशी में 3 लाख 56 हजार की 306 बल्क लीटर विदेशी शराब मिली।

इस साल अपनी रणनीति बदली और कच्ची बस्तियों के साथ ही हाई-प्रोफाइल मल्टी और पॉश इलाकों में भी छापेमारी की। इस दौरान बंद मकानों और सोसायटियों के भीतर छिपाई गई शराब को भी ढूंढ निकाला।

● **वीरेंद्र धाकड़,** सहायक आबकारी आयुक्त, भोपा

जनरेटिव टूल्स और उद्यमिता कौशल पर मिलेगी ट्रेनिंग

विज्ञान भवन में 28 जनवरी से 11 मार्च तक आयोजन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा एआई आधारित प्रौद्योगिकी उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन 28 जनवरी से 11 मार्च तक विज्ञान भवन में किया जाएगा। इस छह सप्ताह के कार्यक्रम के लिए पात्रता विज्ञान, इंजीनियरिंग में स्नातक, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा या पीजीडीसीए धारक विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं। आयु सीमा 18 से 35 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि महिला एवं एससी, एसटी, ओबीसी वर्ग के विद्यार्थियों को नियमानुसार आयु में छूट दी जाएगी। कुल 30 प्रतिभागियों का चयन ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवश्यक होने पर साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। प्रवेश 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर होगा। कार्यक्रम पूर्णतः निःशुल्क है। विद्यार्थी टीईडीपी के लिए ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि 24 जनवरी रखी गई है। संरक्षक के तौर पर मैपकास्ट महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी हैं। समन्वय टीम में डॉ. प्रवीण दिघर्रा, अवनीश के शर्मा, नव्या चतुर्वेदी एवं रविंद्र कौरव शामिल हैं।

कार्यक्रम प्रदेश में एआई आधारित स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने, स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने और डिजिटल नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रतिभागियों को एआई की मौलिक एवं उन्नत अवधारणाओं, आधुनिक टूल्स और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों का गहन प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे वे सामाजिक एवं औद्योगिक समस्याओं के समाधान के लिए नवाचारी, स्केलेबल और सतत स्टार्टअप विकसित कर सकें।

क्या-क्या रहेगा कार्यक्रम में शामिल

कार्यक्रम में उद्यमिता की समझ, एमएसएमई सहायता योजनाएं, वित्तीय संस्थान, परियोजना चयन एवं पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन, बाजार सर्वेक्षण, प्रारंभिक परियोजना रिपोर्ट निर्माण, संचार एवं सॉफ्ट स्किल्स विकास, प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, जनरेटिव एआई, उत्पादन योजना, कार्यशील पूंजी प्रबंधन, विपणन, वित्त, मानव संसाधन, कानूनी औपचारिकताएं, कराधान और नेतृत्व कौशल जैसे महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं। साथ ही प्रतिभागियों को इंटरएक्टिव टूल्स, ग्राफिक्स और ऑगमेंटेड रियलिटी के माध्यम से तकनीकी प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में देश के विभिन्न संगठनों और संस्थानों से जुड़े अनुभवी विशेषज्ञ, शासकीय विभागों के अधिकारी, सफल उद्यमी, बैंकर्स, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, विपणन एवं प्रेरणात्मक विशेषज्ञ और उद्यमिता विकास संस्थानों के प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करेंगे। प्रशिक्षण की कार्यप्रणाली में व्याख्यान, केस स्टडी, समूह अभ्यास, प्रस्तुतिकरण, हैंड्स-ऑन सत्र और उद्यमियों के साथ संवाद शामिल रहेगा।

ठंडी सड़क पर कार ने बाइक को मारी टक्कर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। एमपी नगर स्थित ठंडी सड़क पर तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को आमने से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक 25 फीट दूर फिक गया। उसके सिर, हाथ-पैर में गंभीर चोट आई। जबकि उसने हेलमेट पहन रखा था। हादसा इतना भयानक था कि बाइक की रिम के 10 टुकड़े हो गए। पुलिस ने कार जब्त कर ली है। सोमवार को शव का पीएम होगा। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, 45 वर्षीय सतीश मेहरा पिता कुंजीलाल मेहरा नाथू बरखेड़ा रातीबड़ में रहता था। वह प्रायवेट ड्रायवरी करता था। रविवार सुबह करीब साढ़े 12 बजे वह वल्लभ नगर चौराहे से बाइक से ठंडी सड़क पर जा रहा था। वह अभी शौर्य स्मारक के गेट नंबर एक पर पहुंचा था, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में उसके हाथ-पैर, सिर में गंभीर चोट आई थी। दो राहगीरों ने एंबूलेंस की मदद से उसे तुरंत उसे जेपी अस्पताल पहुंचाया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए भिजवाया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

गैस कटर से एटीएम काटकर चोरी करने वाला अंतरराज्यीय मेवाती गिरोह का मामला

यू-ट्यूब से ली कोचिंग, 5 मिनट में एटीएम काटकर पैसे लेकर हो जाते थे रफू-चक्कर

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। अंतरराज्यीय मेवाती गैंग गैस कटर से पांच मिनट में एटीएम काटकर पैसे लेकर रफू-चक्कर हो जाते थे। सरगना और मास्टरमाइंड शाहबुद्दीन उर्फ सुबदीन ने यू-ट्यूब से एटीएम काटना सीखा था। उसका कहना है कि आजतक वह विफल नहीं हुआ। पुलिस विवेचना के दौरान रविवार को उसे एमपी नगर इलाके में लेकर आई। उसे करीब 15 एटीएम में घुमाकर पूछा कि कौन सा एटीएम तुम काट लेते और कौन सा एटीएम नहीं काट पाते। आरोपी सुबदीन ने बताया कि वह लोहे के बने सभी एटीएम काट सकता है। लेकिन बूरी मेटल (एक तरह से लोहे की ब्रीड) के एटीएम नहीं काट पाता। गैस कटर उस पर काम नहीं करता है। वह ज्यादातर आउटर के एटीएम को चुनते थे। एटीएम काटने और पैसा निकालने में उन्हें पांच मिनट लगते है, इससे पहले पुलिस आए वह भाग जाते थे। सारा सामान वह कार में रखते थे। सिर्फ पाइप और गैस कटर लेकर एटीएम के अंदर दाखिल होते थे। एटीएम काटने के बाद कैश ट्रे को सब्बल से उखाड़ देते थे। इसके बाद पैसा लेकर रफू-चक्कर हो जाते थे। कोहेफिजा पुलिस ने हरियाणा और राजस्थान के 'मेवाती' गैंग के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर पांच दिन की रिमांड पर लिया है। लालघाटी स्थित एचडीएफसी बैंक का एटीएम काटकर डकैती डालने वाले थे। इससे पहले वह वारदात को अंजाम दे पाते सुबह पांच बजे पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। यह गिरोह दस साल से सक्रिय है। अब तक दो करोड़ की चोरी कर चुकी है। तीन महीने पहले गिरोह के सदस्यों ने बैंगलोर में एटीएम काटकर चोरी की थी। यहां से 14 लाख रुपए उड़ाए थे। बैंगलोर पुलिस भोपाल पहुंच रही है। आरोपियों की क्रेटा कार में भोपाल समेत चार राज्यों तेलंगाना, महाराष्ट्र और हरियाणा की नंबर प्लेट मिली है। पुलिस ने गैस सिलेंडर, आक्सीजन सिलेंडर, कटर, 4 तलवार, पैचकस जब्त किए थे। आरोपियों की पहचान शाहबुद्दीन उर्फ सुबदीन निवासी ग्राम बादौली तहसील कुन्हाना थाना कुन्हाना जिला मेवात, शौकुल निवासी ग्राम सांवलेर थाना पहाड़ी जिला भरतपुर, वकील निवासी बांधोली थाना कुन्हाना जिला मेवात हरियाणा, मौसम निवासी ग्राम सांवलेर तहसील पहाड़ी थाना पहाड़ी जिला भरतपुर राजस्थान, नसीम निवासी ग्राम दाड़ौनी थाना कुन्हाना जिला नूह हरियाणा के रूप में हुई।

वर्चस्व की लड़ाई में सरपंच और पूर्व सरपंच भिड़े

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। बैरसिया इलाके में स्थित हबीबगंज सरखंडी में सरपंच और पूर्व सरपंच के बीच आज भी वर्चस्व की लड़ाई जारी है। इसी के चलते शनिवार दो दोनों पक्ष लाठी-डंडे लेकर आमने-सामने आ गए। दोनों ओर से चार बाइकों में तोड़फोड़ की गई। कई घर के दरवाजे तोड़ दिए गए। हालांकि पुलिस का कहना है कि किसी को गंभीर चोट नहीं आई है। पुलिस ने पूर्व सरपंच की रिपोर्ट पर सरपंच के बेटे समेत अन्य के खिलाफ मारपीट, गाली-गलौच, तोड़फोड़ और बलवा का केस दर्ज किया है। दूसरे पक्ष की ओर से भी शिकायत की गई है। 25 वर्षीय लखपत सिंह ग्राम हबीबगंज सरखंडी में रहता है और खेती किसानी करता है। उसके चाचा प्रताप सिंह गांव के पूर्व सरपंच हैं। प्रताप सिंह और वर्तमान सरपंच धूर सिंह के बीच पिछले चार सालों से विवाद चला आ रहा है। चार महीने पहले भी दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। इस मामले में पुलिस ने काउंटर केस दर्ज किया था।

पहल हाइब्रिड नींबू सहित अन्य फलों की खेती, पिता व पति के नाम जमीन होने पर भी लाभ

तकनीक से महिलाएं कर रहीं फलों की खेती

जागरण संवाददाता, भोपाल। तकनीक और ज्ञान के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने शुरू की गई एक बगिया मां के नाम योजना को महिलाओं का जमकर समर्थन मिल रहा है। वर्तमान में इस योजना के तहत कई महिलाओं ने अपने पिता, पति, सुसर और बेटे की जमीन पर खेती कर लाभ अर्जित करना शुरू किया है। इस योजना के तहत बैरसिया में हाइब्रिड नींबू और अमरूद की खेती शुरू की गई है। इस योजना में स्व-सहायता समूह की महिलाओं की निजी भूमि पर फलों की बगिया लगाई जा रही है। योजना में भाग लेने के लिए महिलाओं को एक एप के जरिए रजिस्ट्रेशन करना होता है। रजिस्ट्रेशन के बाद शासन से हितग्राही को पौधे, खाद, गड्ढे खोदने केसाथ ही पौधों की सुरक्षा के लिए कटीले तार की फेंसिंग और सिंचाई के लिए 50 हजार लीटर का जल कुंड बनाने के लिए राशि प्रदान की जाती है। जिसके तहत अब तक कई महिलाओं ने हाइब्रिड नींबू, हाइब्रिड अमरूद और ड्रेगन फ्रूट की खेती करना शुरू कर दी है।

एप के जरिए हो रहा चयन: योजना के लिए एमपीएसईडीसी द्वारा एक बगिया मां के नाम एप का निर्माण किया गया है। इस एप पर रजिस्ट्रेशन करना होता है, जिसके बाद महिला का चयन किया जाता है। यदि महिला के नाम पर जमीन नहीं है, तो उस महिला के पति, पिता, ससुर और बेटे की सहमति के बाद पौधरोपण किया जा सकता है। जिसके बाद खेती के लिए आधुनिक तकनीक व सॉफ्टवेयर की मदद भी उपलब्ध कराई जा रही है। बता दें कि खेती के लिए ली बार तकनीक से पौधरोपण किया जा रहा है। इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर की मदद ली जा रही है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से पौधरोपण के लिए जमीन का चयन वैज्ञानिक पद्धति से किया जाता है।

गीता बाई ने लगाए हाइब्रिड अमरूद के पौधे

बैरसिया रोड स्थित बीनापुर की गीताबाई ने 1 एकड़ भूमि में 100 हाईब्रिड अमरूद पौधे लगाए हैं। इनकी जैविक खेती की जा रही है और 1.5 से 2 वर्ष में फल उत्पादन की संभावना है। इससे आसपास के क्षेत्र में पर्यावरण भी स्वच्छ रहेगा।

विजयमाला ने लगाए हाइब्रिड नींबू

बीनापुर की ही विजयमाला ने 1 एकड़ भूमि में 150 हाईब्रिड नींबू पौधे लगाए हैं। विजयमाला के खेत में भी 1.5 से 2 साल में फल उत्पादन की संभावना है। अन्य इलाकों में भी इसी तरह से फल लगाने की तैयारी की जा रही है।

मानस भवन में साहू समाज का 'सेवा रत्न सम्मान समारोह' संपन्न

भोपाल। राजधानी स्थित मानस भवन में साहू समाज द्वारा 'सेवा रत्न सम्मान समारोह' का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेशभर से समाज के गणमान्य नागरिक, वरिष्ठजन, प्रबुद्ध वर्ग एवं युवा बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह का उद्देश्य समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियों को सम्मानित करना तथा सामाजिक एकता और समरसता का संदेश प्रसारित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ साहू समाज की आराध्य देवी माँ कर्मा देवी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर आयोजक आरसी साहू एवं दिलीप साहू द्वारा पधारे अतिथियों एवं समाजबंधुओं का केसरिया (भगवा) दुपट्टा पहनाकर एवं चंदन तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। समारोह में समाज के विकास, सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को सम्मानित किया गया। प्रथम सम्मान के अंतर्गत साहू समाज के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू जी का भव्य अभिनंदन किया गया। द्वितीय सम्मान के रूप में संजय साहू को साहू समाज सेवा रत्न सम्मान प्रदान किया गया।

आईपीएस मीट में दिखा पुलिस परिवारों का ग्लैमरस अंदाज

वर्दी का अनुशासन और रैंप का जलवा

जागरण, भोपाल। राजधानी के पुलिस ऑफिसर्स मेस में आयोजित दो दिवसीय भारतीय पुलिस सेवा संघ समागम (आईपीएस मीट 2026) का समापन किसी फिल्मी उत्सव की तरह हुआ। अनुशासन की सख्त वर्दी में नजर आने वाले पुलिस अधिकारियों का एक बेहद कलात्मक पक्ष दर्शकों के सामने था। समागम के अंतिम दिन आयोजित फैमिली फैशन शो ने न केवल शाम की रौनक बढ़ाई, बल्कि यह संदेश भी दिया कि खाकी के पीछे एक संवेदनशील और कलाप्रेमी दिल भी धड़कता है।

अनिल कुमार,स्पेशल डीजी महिला सुरक्षा

रैंप पर दिखा खाकी का नया अवतार

समापन समारोह का मुख्य आकर्षण वह पल रहा, जब प्रदेश के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अपनी धर्मपत्नियों और बच्चों के साथ रैंप पर उतरे। कड़क वर्दी की जगह रंग-बिरंगे पारंपरिक और आधुनिक परिधानों में सजे अधिकारियों का आत्मविश्वास देखते ही बन रहा था। तालियों की गड़गड़ाहट के बीच पुलिस परिवारों ने जिस शालीनता और ऊर्जा के साथ रैंप वॉक किया, उसने पूरे आयोजन को यादगार बना दिया। छोटे बच्चों ने भी अपनी मनमोहक अदाओं और वेशभूषा से सबका दिल जीत लिया।

हरिनारायण चारी मिश्र, पुलिस कमिश्नर, भोपाल

डीजीपी ने गाए फिल्मी गीत

सांस्कृतिक शाम की शुरुआत सुप्रसिद्ध गायिका प्रतिभा सिंह बघेल के सदाबहार फिल्मी गीतों से हुई। उनकी मखमली आवाज पर पुलिस परिवार की महिलाएं खुद को थिरकने से नहीं रोक पाईं। कार्यक्रम का सबसे चौंकाने वाला और सुखद पल तब आया, जब पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना खुद मंच पर पहुंचे। उन्होंने न केवल कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई, बल्कि अपनी सुरीली आवाज में लोकप्रिय फिल्मी गीत गाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दो दिवसीय समागम में पुलिस महानिदेशक के साथ प्रमुख सचिव अनुराग जैन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) वी एन अंबडे और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। डीजीपी मकवाना ने इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार भी वितरित किए। जिसके बाद फैशन शो की चकाचौंध और संगीत की मधुर धुनों के साथ इस दो दिवसीय आईपीएस मीट का समापन हुआ।

उमेश जोगा एडीजी ,उज्जैन रेंज

पोंगल उत्सव में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की दिखी झलक

तमिलनाडु और मप्र के बीच बना सांस्कृतिक सेतु

जागरण, भोपाल। राजधानी के कैरियर कॉलेज ऑडिटोरियम में रविवार को भोपाल तमिल संगम (बीटीएस) द्वारा पोंगल 2026 का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े तमिल सांस्कृतिक महोत्सव के रूप में उभरे इस उत्सव ने तमिलनाडु की समृद्ध विरासत और मध्य प्रदेश की समावेशी संस्कृति के बीच एक मजबूत सेतु का काम किया। आयोजन का मुख्य आकर्षण तमिलनाडु सरकार के कला एवं संस्कृति विभाग से आए कलाकारों का दल रहा। भरतनाट्यम, करगट्टम और जीवंत लोक नृत्यों की

प्रस्तुतियों ने ऑडिटोरियम में प्रामाणिक तमिल परंपराओं को सजीव कर दिया। स्थानीय बच्चों और कलाकारों ने भी अपनी कला से पीढ़ियों के बीच सांस्कृतिक निरंतरता का सुंदर उदाहरण पेश किया। समारोह में वीआईटी विश्वविद्यालय के उपाध्यक्ष शंकर विश्वनाथन और नई दिल्ली में तमिलनाडु सरकार के विशेष प्रतिनिधि थिरु ए.के.एस. विजयन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। बीटीएस अध्यक्ष पी. राजू ने कहा कि यह उत्सव केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सौहार्द का जीवंत प्रमाण है। महासचिव ए. स्वामी दुरै ने इसे एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त करने वाला मंच बताया। परंपरा और स्वाद का संगम फसल उत्सव की भावना के अनुरूप सभी अतिथियों के लिए पारंपरिक पोंगल व्यंजनों का भव्य भोज आयोजित किया गया। इस अवसर पर पोंगल स्मृति-पुस्तिका 2026 का विमोचन भी हुआ। मध्य प्रदेश में रहने वाले करीब डेढ़ लाख तमिल नागरिकों के लिए यह आयोजन अपनी जड़ों से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण माध्यम बना। आईटीसी, एसबीआई, एलआईसी और एमपी टूरिज्म जैसे संस्थानों के सहयोग ने इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ा दिया।

वर्ल्ड पॉपकॉर्न डे

पॉपकॉर्न: एक हल्का स्नैक, जो है सबका फेवरेट.....

जागरण, भोपाल। हल्का, कुरकुरा और हर उम्र के लोगों की पसंद पॉपकॉर्न आज सिर्फ मूवी टाइम का हिस्सा नहीं रहा, बल्कि यह एक ऐसा स्नैक बन चुका है जो सेहत और स्वाद दोनों का संतुलन पेश करता है। पॉपकॉर्न डे के मौके पर शहर में इसकी लोकप्रियता एक बार फिर चर्चा में है। कम कैलोरी, ज्यादा फाइबर और आसानी से मिलने वाला यह स्नैक अब भोपाल के पिकनिक स्पॉट्स और मार्केट एरिया में भी खूब बिक रहा है।

क्यों मनाया जाता है पॉपकॉर्न डे

हर साल 19 जनवरी को नेशनल पॉपकॉर्न डे मनाया जाता है। माना जाता है कि पॉपकॉर्न की खोज हजारों साल पहले अमेरिका में हुई थी। धीरे-धीरे यह पूरी दुनिया में सबसे लोकप्रिय स्नैक बन गया। इस दिन का उद्देश्य पॉपकॉर्न के इतिहास, इसके अलग-अलग फ्लेवर और इसकी बढ़ती लोकप्रियता को सेलिब्रेट करना है।

पॉपकॉर्न के पॉपुलर फ्लेवर

आज पॉपकॉर्न सिर्फ नमक और मक्खन तक सीमित नहीं है। बाजार में इसके कई फ्लेवर युवाओं को खासा आकर्षित कर रहे हैं

- बटर पॉपकॉर्न
- चीज़ पॉपकॉर्न
- कैरामेल पॉपकॉर्न
- चॉकलेट पॉपकॉर्न
- पेरी-पेरी और मसाला पॉपकॉर्न

शहर के पिकनिक स्पॉट्स पर भी छाया पॉपकॉर्न

भोपाल में अब पॉपकॉर्न सिर्फ मूवी हॉल तक सीमित नहीं रहा। बोट क्लब, 10 नंबर मार्केट, न्यू मार्केट जैसे पॉपुलर पिकनिक और ईटिंग स्पॉट्स पर भी यह आसानी से मिल रहा है। शाम होते ही यहां घूमने आए लोग हाथ में पॉपकॉर्न लिए नजर आ जाते हैं।

बोट क्लब पर सबसे ज्यादा बिकते हैं पॉपकॉर्न

बोट क्लब पर पिछले 10 सालों से पॉपकॉर्न बेच रहे एक विक्रेता बताते हैं कि वे रोजाना करीब 20 से 25 पैकेट पॉपकॉर्न बेच लेते हैं। जिसके एक पैकेट की कीमत 10 रूपए है। वे बताते है कि लोग पॉपकॉर्न इस लिए भी खरीदते है क्योंकि इसे मछलीयों को भी खिला सकें।

स्ट्रीट और मूवी हॉल की कीमतों में बड़ा फर्क

स्ट्रीट पर पॉपकॉर्न 10 रूपए प्रति पैकेट मिलते है। जबकि मूवी हॉल में वही पॉपकॉर्न 250 से 300 रूपए में मिलती है। यानी कीमत में 25 से 30 गुना का अंतर, जबकि बेसिक पॉपकॉर्न लगभग एक जैसा ही होता है। यही वजह है कि लोग अब बाहर घूमते समय स्ट्रीट पॉपकॉर्न को च्यादा पसंद कर रहे हैं। पॉपकॉर्न आज सिर्फ मनोरंजन से नहीं, बल्कि आम लोगों की जेब और स्वाद से भी जुड़ा हुआ स्नैक बन चुका है। पॉपकॉर्न डे पर यह कहना गलत नहीं होगा कि अब भोपालियों की लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है।

हल्का और किफायती विकल्प

शाम के समय दोस्तों के साथ बाहर निकलने पर हम अक्सर भारी जंक फूड खाते थे। लेकिन अब पॉपकॉर्न एक अच्छा विकल्प बन गया है। यह अन्य स्ट्रीट फूड की तुलना में काफी हल्का है और पेरी-पेरी फ्लेवर मेरा पसंदीदा है।

माही गुप्ता, स्टूडेंट

लोग मूवी हॉल जाते हैं तो अकसर पॉपकॉर्न चॉकलेट या फ्रूट ड्रिंक खाना पसंद करते है। जब भी मैं मूवी देखना जाती हूं, तो पॉपकॉर्न खाना च्यादा पसंद करती हूं और मेरा फेवरेट फ्लेवर पिच्जा पॉपकॉर्न है।

पल्लवी रघुवंशी, स्टूडेंट

ड्रीम ऑन रैम्प

मेरा नाम प्रिया सूर्यवंशी है। मैंने सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी से बीएससी नर्सिंग में ग्रेजुएशन किया है। मैं मॉडलिंग करती हूं। मैंने 2022 में रैंप वॉक इमरान इवेंट में हिस्सा लिया और मिस आइकॉनिक-2022 का टाइटल जीता। इसके अलावा मौका-ए-वारदान और सावधान इंडिया सीरियल में भी काम कर चुकी हूं। स्टेज एक्टिविटीज, परफॉर्मेंस और पर्सनालिटी डेवलपमेंट जैसी एक्टिविटी मुझे हमेशा आकृषित करती हैं। मेरा लक्ष्य एक्टिंग के क्षेत्र में करियर बनाना है, जहां मैं अपनी मेहनत और क्षमता के दम पर एक मजबूत पहचान स्थापित कर सकूं।

नाम-	प्रिया सूर्यवंशी
जन्मतिथि-	06 जुलाई 2003
आयु-	23 वर्ष
ऊँचाई-	5 फीट 5 इंच
वज़न-	53 किलोग्राम
रंगत-	गोरा
आँखों का रंग-	डार्क ब्राउन

कहानियों का बीज सही मन की जमीन पर फलता है...

कहानियों के साथ भावनाओं की यात्रा, बीआईएसएफ का समापन

जागरण, भोपाल। जगरण लेकसिटी यूनिवर्सिटी में आयोजित तीन दिवसीय भोपाल इंटरनेशनल स्टोरीटेलिंग फेस्टिवल का रविवार को भावनाओं, विचारों और अनुभवों से भरे माहौल में समापन हुआ। आखिरी दिन कहानियां सिर्फ सुनी नहीं गई, बल्कि महसूस की गईं। मंच पर आए हर वक्ता ने अपने-अपने अंदाज में यह साबित किया कि कहानी केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि मन के बदलाव की ताकत रखती है।

स्टोरी फेस्ट बना भाव, साहस और रंगमंच

वरिष्ठ कथावाचक राजीव अग्रवाल ने 'द आर्ट ऑफ टेलिंग ग्रेट स्टोरीज' सत्र में कहा कि कहानी शब्दों से नहीं, भावनाओं से सुनी जाती है। उन्होंने बताया कि कहानी एक बीज है, जो सही मन की जमीन में पड़कर ही फलती है। लेखक और शिल्पकार जयंत गौर ने भोपाली हास्य की बारीकियों पर बात की। रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े किस्सों के जरिए उन्होंने बताया कि भोपाल का हास्य शोर नहीं करता, बल्कि मुस्कान के साथ असर छोड़ता है। बाल सत्र में शिल्पा मेहता ने बच्चों को गीत, हाव-भाव और संवाद के साथ कहानी से जोड़ा। साहस और आत्मविश्वास का संदेश बच्चों के चेहरों पर साफ झलका। चौपाल सत्र में ग्रामीण अंचलों से आए कथाकारों ने जीवन संघर्ष, अनुभव और लोक स्मृतियों की कहानियां साझा कीं। लाइव ड्रॉइंग ने इन कहानियों को दृश्य रूप भी दिया। कवि निधि कौशिक की प्रस्तुति 'बेटे भी विदा होते हैं' ने श्रोताओं को भावुक कर दिया, वहीं पर्वतारोही मेघा परमार की संघर्षगाथा प्रेरणा बन गई। स्कूली बच्चों का नाटक और 'सुनो द्रौपदी' कथक प्रस्तुति के साथ उत्सव का समापन हुआ।

संभावना गतिविधि में नृत्य एवं गायन प्रस्तुति हुई

नौ दिनों के गणगौर उत्सव का हर कार्य गीतों के बिना अधूरा है...

जागरण, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय परिसर में प्रत्येक रविवार दोपहर 02 बजे से नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित संभावना गतिविधि का आयोजन किया गया। सुरेंद्र सिंह एवं साथी, अनूपपुर द्वारा गोण्ड जनजातीय करमा नृत्य, संजय महाजन एवं साथी, बड़वाहा द्वारा गणगौर नृत्य, शीतल अत्रे एवं साथी, इंदौर द्वारा निमाड़ी गायन, शीतल अत्रे एवं साथी, इंदौर द्वारा गणेश वंदना.., गणगौर गीत एवं अन्य पारंपरिक गीतों की प्रस्तुति दी।

करमा नृत्य

करमा नृत्य गोण्ड जनजाति का प्रमुख लोकनृत्य है, जो कर्म और श्रम की महत्ता को दर्शाता है। यह नृत्य युवक-युवतियों द्वारा सामूहिक रूप से किया जाता है, जिसमें गीतों के माध्यम से जीवन, प्रेम और रोजमर्रा की गतिविधियों की अभिव्यक्ति होती है। करमा नृत्य वर्षा ऋतु को छोड़कर लगभग सभी ऋतुओं में किया जाता है और इसका प्रसार छत्तीसगढ़ से लेकर मंडला क्षेत्र तक मिलता है।

गणगौर नृत्य

गणगौर नृत्य निमाड़ी जनजीवन से जुड़ा गीति-काव्यात्मक लोकनृत्य है, जो चैत्र मास में नौ दिनों तक चलने वाले गणगौर उत्सव के दौरान प्रस्तुत किया जाता है। इस उत्सव में गीतों के बिना कोई भी कार्य अधूरा माना जाता है। ढोल और थाली वाद्य के साथ महिला-पुरुष रुनुबाई और धणियर सूर्यदेव के रथों को सिर पर रखकर नृत्य करते हैं। गणगौर नृत्य निमाड़ के साथ राजस्थान, गुजरात और मालवा में भी लोकप्रिय है।

डॉग शो में दिखा देशभर के डॉग्स का जलवा

जागरण, भोपाल। राजधानी के द ग्रांड शुभारंभ वेन्यू में कैनल क्लब ऑफ भोपाल द्वारा आयोजित 14वीं एवं 15वीं चैंपियनशिप डॉग शो- 2026 का समापन हुआ। ऑल इंडिया लेवल पर आयोजित इस शो में देश के विभिन्न राज्यों से आए बेहतरीन ब्रीड्स के डॉग्स ने अपनी प्रतिभा और अनुशासन का प्रदर्शन किया। अंतरराष्ट्रीय मानकों पर हुआ जजमेंट कैनल क्लब ऑफ इंडिया के नियमों के तहत आयोजित इस प्रतियोगिता का मुख्य आकर्षण अंतरराष्ट्रीय जजों की उपस्थिति रही। इंटरनेशनल जजेज टी. प्रीतम और सी.एम. मार्टिन ने डॉग्स की ब्रीड स्टैंडर्ड, फिजिकल फिटनेस और व्यवहार का बारीकी से परीक्षण किया। आयोजन के सफल संचालन में क्लब के प्रेसिडेंट चंद्रप्रकाश त्रिपाठी और सेक्रेटरी विष्णु

त्रिपाठी की अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया कि इस शो का मुख्य उद्देश्य केनाइन कल्चर को बढ़ावा देना और डॉग ब्रीडिंग व ट्रेनिंग के क्षेत्र में नई संभावनाओं को तलाशना था। समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। इस डॉग शो ने न केवल डॉग लवर्स को एक मंच प्रदान किया, बल्कि भोपाल में पेट ओनरशिप और प्रोफेशनल ट्रेनिंग के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई।

महाभारत समागम | नृत्य-नाटिका नेत्रपट ने दर्शकों को झकझोरा

सचेत अंधत्व बना महायुद्ध का मूल कारण

जागरण, भोपाल। वीर भारत न्यास द्वारा आयोजित महाभारत समागम के तीसरे दिन कला और दर्शन का अद्भुत संगम देखने को मिला। आयोजन के मुख्य आकर्षण के रूप में नई दिल्ली की लोकछंदा संस्था द्वारा प्रस्तुत नृत्य-नाटिका 'नेत्रपट' का मंचन हुआ। मैत्रेयी पहाड़ी के निर्देशन में इस प्रस्तुति ने महाभारत की दार्शनिक चेतना को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। सचेत अंधत्व और विवेक की दृष्टि नेत्रपट में यह वैचारिक पक्ष रखा गया कि महाभारत के युद्ध का असली कारण आंखों की शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि सचेत अंधत्व था। नाटिका में दर्शाया गया कि जब मनुष्य सत्य को देखने में सक्षम होकर भी अहंकार और हठ के कारण अपनी आंखें मूंद लेता है, तो विनाश अनिवार्य हो जाता है। प्रस्तुति के शिखर पर कृष्ण के विराट रूप और गीता के उपदेश के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि वास्तविक दृष्टि नेत्रों से नहीं, बल्कि विवेक से उत्पन्न होती है।

सांस्कृतिक और भावनात्मक प्रस्तुतियां सभागार में मुंबई के रंगपीठ थियेटर द्वारा वामन केंद्रे के निर्देशन में 'मोहे पिया' (मध्यम व्यायोग) का मंचन हुआ। इसमें भीम, हिडिम्बा और घटोत्कच के मानवीय और भावनात्मक संबंधों को बेहद संवेदनशीलता के साथ दिखाया गया। वहीं, पद्मश्री राजातेंदू रथ के निर्देशन में सराईकेला छाऊ शैली पर आधारित 'उरुभंगम्' ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। इसमें कुरुक्षेत्र के अंतिम दिन दुर्योधन की पीड़ा और उसके आत्मचिंतनशील नायक के रूप को प्रभावी ढंग से उभारा गया। फिल्मी भाषा में महाभारत फिल्म समारोह के तहत नाग अन्ना की फिल्म 'कुरुक्षेत्र' का प्रदर्शन किया गया, जिसमें युद्ध के दृश्यों और पात्रों के आंतरिक द्वंद्व को भव्य रूप में दिखाया गया। कार्यक्रम में वीर भारत न्यास के परामर्शी राहुल रस्तोगी ने सभी कलाकारों का अभिनंदन किया। कला प्रेमियों के लिए यह दिन महाभारत के पात्रों को नए मानवीय और दार्शनिक आयामों में समझने वाला रहा।

75वीं पोएट्स वॉक में तीन घंटे तक गूंजी कविताओं की जुगलबंदी

जागरण, भोपाल। छतनारा समूह द्वारा रविवार सुबह वन विहार क्षेत्र में 75वीं पोएट्स वॉक का आयोजन किया गया, जिसमें शहर के तीस से अधिक कवियों और कविता प्रेमियों ने भाग लिया। झील किनारे प्रकृति के बीच आयोजित इस काव्य-सत्र में कविता, गीत, गजल, व्यंग्य और अनुवाद सहित विभिन्न विधाओं की रचनाएं सुनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत शायर अभय शुक्ला की गजल से हुई। इसके बाद अनुराग भरत, विवेक तिवारी, सीता, राघव, अनवर मोहम्मद, आदित्य, समंदर, फौजिया खान, शुभम, च्योति जाटव सहित कई रचनाकारों ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को तीन घंटे तक बांधे रखा। साथ ही पोलिश लेखिका मोनिका जुमोस्का ने द्वितीय विश्वयुद्ध से जुड़ी एक मानवीय कथा साझा की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों से लेकर सेवानिवृत्त साहित्यप्रेमी तक मौजूद रहे। छतनारा की निदेशिका मोहिनी शर्मा ने गीत चतुर्वेदी की कविताएं पढ़ते हुए युवाओं को पुस्तकों से जुड़ने का संदेश दिया।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

बीएमसी के नतीजे महाराष्ट्र में बड़े बदलाव के संकेत

महाराष्ट्र में हाल ही में संपन्न स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा के नेतृत्व में महायुति गठबंधन की महत्वपूर्ण सफलता ने राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत दे दिया है, जो आने वाले दशकों में राज्य की भगवा राजनीति की विरासत पर वर्चस्व की दिशा भी तय करेगा। राज्य के विधानसभा चुनावों में भाजपा नीत महायुति गठबंधन द्वारा विपक्ष को करारी शिकस्त देने के एक साल से कुछ अधिक समय के बाद अब सत्तारूढ़ गठबंधन ने राज्यव्यापी स्थानीय निकाय चुनावों में अपना दबदबा कायम कर लिया है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दशकों तक शिवसेना के वर्चस्व वाले बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी के चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। निश्चित रूप से इस हालिया परिणाम से आने वाले सालों में मुंबई की सत्ता में निर्णायक बदलाव आएगा। अविभाजित पार्टी के रूप में, बाल ठाकरे द्वारा स्थापित शिवसेना ने दशकों तक भारत की वित्तीय राजधानी पर शासन किया। लेकिन अब भाजपा की अगुवाई में शिवसेना से अलग हुए एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाला गुट बीएमसी में अहम भूमिका निभाएगा। जैसे महाराष्ट्र सरकार में एकनाथ शिंदे उप मुख्यमंत्री की भूमिका निभा रहे हैं, वैसी बीएमसी में पार्टी की भूमिका रहेगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि दो दशक बाद ठाकरे भाइयों की पार्टियों के एकजुट होकर लड़ने के बावजूद राज्य में महायुति की लहर रुकी नहीं। यही वजह है कि पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की हाल ही में सामने आई प्रतीकात्मक एकता चुनावी सफलता में बदलने में कामयाब नहीं हो सकी। वहीं दूसरी ओर शरद पवार और उनके भतीजे अजीत पवार के नेतृत्व वाले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के गुटों के बीच गठबंधन पूणे में बुरी तरह विफल हो गया। उल्लेखनीय है कि महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी चुनाव परिणामों के गहरे निहितार्थ रहे हैं। बहुचर्चित बृहन्मुंबई नगर निगम यानी बीएमसी को देश का सबसे धनी नगर निगम होने का गौरव हासिल है। जिसके चलते इसका राजनीतिक महत्व बहुत अधिक है।

महाराष्ट्र की राजनीति में बीएमसी के महत्व का अंदाजा इसके बजट से लगाया जा सकता है। इसका बजट वर्ष 2025-26 के लिये 74,427 करोड़ रुपये का है, जो हिमाचल प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में हालिया स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन के वर्चस्व के बाद स्थानीय निकाय की नई संरचना का मुंबई के शासन, नीतिगत प्राथमिकताओं और महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। यहां सकारात्मक पहलू यह भी है कि जनता ने विकास की आकांक्षा को तरजीह दी और क्षेत्रीय संकीर्णता के नारे को खारिज किया। चुनाव परिणाम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास के वादे का समर्थन करते हैं। हालांकि, ठाकरे परिवार का 'मराठी मानुष' कार्ड ज्यादा मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर पाया। एक बार फिर महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों में कांग्रेस हाशिये पर नजर आई। राजनीतिक पंडित कह रहे हैं कि महाराष्ट्र की राजनीति में बरसों तक वर्चस्व रखने वाले ठाकरे और पवार के राजनीतिक परिवार को राज्य में अपनी प्रासंगिकता बनाये रखने के लिये नये सिरे से प्रयास करने होंगे। वहीं दूसरी ओर इन चुनाव परिणामों का एक निष्कर्ष यह भी है कि भाजपा चुनावों में जीतने का गणित सीख गई है। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट के साथ संघ का संबल उसकी विजय की राह प्रशस्त करता है। यही वजह है कि स्थानीय निकाय चुनावों में भाजपा न केवल अपने प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ती नजर आई, बल्कि अपने सहयोगियों पर भी भारी पड़ी ।

अप्रवासी समस्या

भारतीय समुदाय को बता रहे आर्थिक खतरे और सांस्कृतिक आक्रांता का पर्याय

ट्रंप समर्थकों ने छेड़ा भारतवंशियों के खिलाफ अभियान

फ्रैंक एफ इस्लाम

पिछले तीन दशकों में भारतवंशियों ने अमेरिका के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षितिज पर अपना अलग मुकाम बनाया है। भारतवंशी समुदाय आज यहां के स्वास्थ्य, सेवा, वित्त, अकादमिक और इन सबसे बढ़कर सूचना-प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में प्रभावकारी भूमिका अदा कर रहा है।

अमेरिका में बाहर से आकर बसे समुदायों में भारतीय सबसे ज्यादा पढ़ा-लिखा समुदाय है। इस समुदाय के 75 प्रतिशत से अधिक लोगों के पास स्नातक व उससे ऊंची की डिग्री है। फॉर्च्यून-500 कंपनियों के सीईओ से लेकर सिलिकॉन वैली के एक अरब डॉलर से ज्यादा वाले यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप के संस्थापकों तक, डॉक्टरों-प्रोफेसरों से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक इतने बड़े पैमाने पर इस समुदाय की उपस्थिति है कि अब इसको सामान्य बात मान लिया गया है।

अब जब डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल में 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' की राजनीति को अपने प्रशासन का मूल-मंत्र बनाया है, तो बहुत कुछ यहां बदला-बदला सा नजर आने लगा है। ट्रंप समर्थक न सिर्फ अवैध रूप से रहने वालों को निशाना बना रहे, बल्कि उन्होंने अति-कुशल अप्रवासियों के खिलाफ भी अभियान छेड़ दिया है। इसका दुष्प्रभाव भारतवंशियों पर सर्वाधिक पड़ा है। भारतीयों के लिए दशकों से अमेरिका आने का सबसे सुगम रास्ता एच1बी वीजा कार्यक्रम रहा है। कुल एच1बी वीजा का लगभग 70 प्रतिशत भारतीयों को ही मिलता रहा है। यहां भारतवंशियों की ठीक-ठाक आबादी हो गई है। अमेरिका में 1990 में 8,15,000 भारतीय थे, जो अब 50 लाख से ज्यादा हो गए हैं।

'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' अभियान में ट्रंप-भक्तों के साथ वामपंथियों का एक गुट भी शामिल है। इस समूह का तर्क है कि एच1बी वीजा प्रणाली अमेरिकी नौकरियां चुराती है, भारतीय कंसल्टिंग फर्म 'सिस्टम में हेरफेर करते हैं' और कई कर्मचारी 'निम्न स्तर के' हैं। हालांकि, 'नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी' और 'ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन' समेत लगभग हरेक बड़े संस्थानों के अध्ययन में इन आरोपों का खंडन किया गया है। जिन भारतवंशी पेशेवरों को यहां एक समय 'मॉडल अल्पसंख्यक' के रूप में पेश किया जाता था, उसी समुदाय को अब आर्थिक खतरे और सांस्कृतिक आक्रांता का पर्याय बनाया जा रहा है। पिछले एक साल में दक्षिणपंथी मीडिया व सोशल मीडिया में 'टेक कॉरिडोर' में घर की कीमतों में बढ़ोतरी से लेकर समावेशीकरण में आई कमी तक, हर बात के लिए भारतवंशियों को दोषी ठहराए जाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। ट्रंप-समर्थकों द्वारा वायरल किए जा रहे मीम में भारतीय किराना स्टोर से लेकर हिंदू त्योहारों तक, हर चीज का मजाक उड़ाया जा रहा है। कॉस्टको में खरीदारी जैसी उपभोक्ता आदत को 'नस्लवाद' या 'संकीर्ण सामुदायिक आर्थिक व्यवहार' के सुबूत के तौर पर पेश कर उनका उपहास उड़ाया जाने लगा है। 'रेमिटेंस' को अब 'पूंजी पलायन' कहकर इस पर सवाल उठाया जा रहा है। बड़े पैमाने पर जारी आउटसोर्सिंग विरोधी बयानबाजी में भारतीय कॉल सेंटरों को उदाहरण के तौर पर रखा जा रहा है और इन सबसे बुरा यह है कि भारतवंशियों को अब बुजुर्ग अमेरिकियों को धोखा देने वाला बताया जा रहा है।

ऐसे में, सवाल यही है कि एक ऐसा समुदाय, जो कभी अजेय-सा महसूस करता था, अपनी स्थिति को वापस कैसे पाए? इसका सबसे अच्छा तरीका तो यही है कि भारतवंशियों को धीरज रखना चाहिए। यह एक कठिन राजनीतिक दौर है, जो आज नहीं तो कल बीत जाएगा। आप्रवासी विरोधी भावना अमेरिका तक सीमित नहीं है। पूरे यूरोप, दक्षिण अमेरिका और एशिया के कुछ हिस्सों में राष्ट्रवादी आंदोलन बढ़े हैं, जो आर्थिक विस्थापन, जनसांख्यिकीय परिवर्तन और सांस्कृतिक चिंता के डर से प्रेरित हैं। ऐसे चक्र स्थायी नहीं होते, वे चरम पर पहुंचते हैं और फिर कम हो जाते हैं। इसलिए भारतवंशियों को अमेरिकियों के मौजूदा व्यवहार को दुश्मनी के तौर पर नहीं देखना चाहिए।

दूसरा, भारतवंशी समुदाय को अपनी सफलता की कहानियां तथ्यात्मक रूप से बतानी चाहिए। अमेरिका में डॉक्टरी के पेशे जुड़े लोगों में भारतवंशियों का हिस्सा लगभग आठ प्रतिशत है। किसी भी आप्रवासी समूह के मुकाबले सबसे ज्यादा तेजी से स्टार्टअप शुरू करने वाले भारतवंशी ही हैं। वे हर साल टैक्स, अनुसंधान और नवाचार में अरबों डॉलर का योगदान देते हैं।

तीसरा, भारतवंशियों को अपना राजनीतिक जुड़ाव गहरा करना चाहिए। साल 2024 के विरोधाभासों में से एक यह भी रहा कि एक-तिहाई से ज्यादा भारतवंशियों ने ट्रंप को, उनके खुले तौर पर आप्रवासी विरोधी बयानबाजी के बावजूद वोट दिया। असल में, इनमें से कई यह गलत धारणा पाले बैठे थे कि दौलत उन्हें 'नस्लीय विद्वेष' से बचा लेगी, लेकिन जो परिस्थितियां बन रही हैं, उनमें सियासी फिजा तेजी से बदल सकती है। आज के उद्यमी कल 'बलि का बकरा' बन सकते हैं। इसलिए, भारतवंशी इससे सबक लें और अपने दीर्घकालिक हितों को ध्यान में रखकर वोट दें। भारतीय अमेरिकियों के पास अब कांग्रेस, राज्य विधानसभाओं से लेकर नगर परिषदों और स्कूल बोर्ड के नेताओं तक में रिकॉर्ड संख्या में निर्वाचित जन-प्रतिनिधि हैं। यह प्रतिनिधित्व लगातार बढ़ना चाहिए।

आखिर में, हमें सिर्फ पेशेवर जीवन में नहीं, बल्कि नागरिक जीवन में भी फिर से अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। भारतवंशी आर्थिक क्षेत्रों में तो बहुत अच्छे हैं, लेकिन नागरिक क्षेत्र में वे पीछे हैं। वे स्थानीय आयोजनों, स्कूल बोर्डों, सामुदायिक सेवाओं और अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान में बहुत कम भाग लेते हैं। यह प्रवृत्ति बदलनी चाहिए। नागरिक स्तर पर जुड़ाव से विश्वास बनता है और रूढ़िवादिता खत्म होती है। ये वे क्षेत्र भी है, जहां आप्रवासी समूह ऐतिहासिक रूप से अमेरिकी ताने-बाने में अपनी जगह बनाते रहे हैं। यह समुदाय कितना भी प्रभावी क्यों न हो जाए, खामोशी उसकी हिफाजत नहीं कर सकती।

भारतवंशी आज अमेरिका में ऐसी परिस्थिति से जूझ रहे हैं, जिसका उन्होंने पहले कभी सामना नहीं किया था। यह परिस्थिति है- राजनीतिक सत्ता द्वारा बढ़ाया गया सांस्कृतिक संदेह। भारतवंशियों के मन में आज यह बात उठ सकती है कि पीछे हट जाएं, शांत रहकर समय का इंतजार करें या उम्मीद करें कि यह पल गुजर जाएगा, लेकिन इसके उल्टा करने की जरूरत है। यही वह समय है, जब हमें अधिक मजबूती से खड़ा होना चाहिए, अपनी आवाज उठानी चाहिए और ज्यादा भागीदारी करनी चाहिए।

खुला मंच

तो नोबल पुरस्कार दिला देते न भाई!

सहीराम

देखो भाई, बिना नोबल शांति पुरस्कार के तो शांति हो नहीं सकती थी। अगर दुनियावालों को शांति चाहिए थी, तो नोबल दिला देते। वरना तो यही होना था, जो ट्रंप ताऊ ने किया। वे दुनियाभर में युद्ध रुकवाते घूम रहे थे। कभी इस्राइल और फलस्तीन का युद्ध रुकवा रहे थे, तो कभी रूस-यूक्रेन का युद्ध रुकवा रहे थे। कभी गाजा को रिवेरा बना देने का प्लान दे रहे थे, तो कभी जेलेंस्की को व्हाइट हाउस में बुलाकर वैसे ही डांट रहे थे जैसे, किसी जमाने में जागीरदार अपनी हवेली पर बुलाकर किसानों को डांटा करते थे।

भारत-पाकिस्तान का युद्ध रुकवाने का श्रेय तो वे हर हफ्ते ही लेने की कोशिश करते थे। खुद को ही लगता था कि उन्होंने तो श्रेय दिया नहीं, चलो मैं ही एक बार फिर ले लेता हूं। इंडियावालों ने गिनना बंद कर दिया। यार दुनिया में और भी काम होते हैं कि नहीं।

एक तरफ तो शांति का नोबल पुरस्कार लेने की इतनी तलब थी कि खुद को पीस प्रेजिडेंट ही कहलाना शुरू कर दिया था। लेकिन फिर नोबल से मोहभंग हुआ तो ऐसा हुआ कि खुद ही वेनेजुएला पर चढ़ दौड़े और राष्ट्रपति को पकड़वाकर अमेरिकी अदालत में खड़ा कर दिया।

यह मोहभंग इतना गहरा था कि जिस मारिया मचाडो को इस बार का नोबल पुरस्कार मिला, उसे भी उन्होंने माफ नहीं किया। हालांकि बेचारी मचाडो उन्हीं की भक्त हैं और अब तो उन्होंने अपना नोबल पुरस्कार भी ट्रंप ताऊ को ही समर्पित कर दिया है, लेकिन ताऊ की नाराजगी ऐसी कि मेरे रहते तुमने पुरस्कार ले कैसे लिया। कह देती मेरे ताऊ को दो। अरे यार, नोबल सारे अमेरिकी राष्ट्रपतियों को मिलता है, देखो ओबामा को भी मिल गया, तो मुझे क्यों नहीं मिला। इसी नाराजगी में मादुरो को अगुवा करने के बाद भी उन्होंने मचाडो के हाथ में सत्ता देने से इंकार कर दिया। कहां तो वे रोज ताऊ को न्योता दे रही थीं कि आओ मेरे देश पर चढ़ाई कर दो और इन वामपंथियों को निकाल बाहर करो। हमारे यहां ऐसे लोगों को गद्दार कहा जाता है, लेकिन मचाडो क्योंकि वामपंथियों की विरोधी हैं तो उन्हें नोबल पुरस्कार से नवाजा गया था।

लेकिन क्या काम आया यह पुरस्कार? सत्ता तो मिली नहीं। ताऊ ने दी ही नहीं। वे मचाडो को पूछ ही नहीं रहे। इंतजार में बैठी हैं, ताऊ लुकमा फेंक ही नहीं रहे। कह रहे हैं कि हम वेनेजुएला को चलाएंगे। पता नहीं जी, वह कैसे चलेगा। इराक की तरह चलेगा या अफगानिस्तान की तरह से चलेगा या फिर लीबिया की तरह से चलेगा। जो भी हो, ट्रप ताऊ ने अपनी तो चला ली!

प्रसंगवश

बेरोजगारी के आंकड़े आर्थिक विकास के लिए चिंताजनक

देश में पिछले कुछ वर्षों से बेरोजगारी एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। इससे बड़े स्तर पर युवा श्रम शक्ति का इस्तेमाल नहीं हो पा रहा है और यह राष्ट्र के संपूर्ण विकास में भी अवरोध पैदा कर रहा है। किसी भी अर्थव्यवस्था को तभी संतुलित माना जाता है, जब उसमें आर्थिक विकास के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हों। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में कुल कार्यबल तथा जनसंख्या के लिहाज से भारत दुनिया का सबसे बड़ा देश है। यहां युवाओं की आबादी अन्य देशों की तुलना में अधिक है। मगर इस कार्यबल को व्यापक रूप से राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी के समान अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

इसका आकलन केंद्रीय सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी रपट से किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि देश में पंद्रह वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों के बीच बेरोजगारी दर पिछले वर्ष दिसंबर में बढ़कर 4.8 फीसद पर पहुंच गई, जबकि नवंबर में यह आंकड़ा 4.7 फीसद था। शहरी क्षेत्र में बेरोजगारी का असर ज्यादा रहा, जहां इसकी दर नवंबर में 6.5 फीसद से बढ़कर 6.7 फीसद हो गई। इससे स्पष्ट है कि सरकारी और निजी संगठित एवं असंगठित क्षेत्रों में रोजगार के अवसर घट रहे हैं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार की ओर से 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्किल इंडिया' जैसी योजनाओं की शुरुआत की गई है, लेकिन इनका असर विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग रहा है। कई युवा और श्रमिक वर्ग अपने कौशल को विकसित करने के लिए प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, इसके बावजूद उन्हें रोजगार के पर्याप्त अवसर नहीं मिल पा रहे हैं।

कृत्रिम मेधा और डिजिटलीकरण के कारण भी रोजगार में कमी आई है। हालांकि, डिजिटल क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं, लेकिन इनमें भी विशेष कौशल की आवश्यकता होती है, जो हर किसी के पास नहीं है। इसमें दोराय नहीं कि रोजगार की मांग के अनुपात में सरकारी नौकरियों की संख्या में वृद्धि नहीं हो पा रही है।

इसके अलावा, सरकारी भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और परीक्षा प्रणाली के मुद्दे भी रोजगार हासिल करने के समान अवसरों को प्रभावित करते हैं। हालांकि आंकड़ों के हिसाब से देखें तो शहरों के मुकाबले ग्रामीण क्षेत्रों में राहत की बात यह है कि वहां पिछले वर्ष नवंबर से दिसंबर के बीच बेरोजगारी दर 3.9 फीसद पर स्थिर है।

दरअसल, किसी भी देश में संपूर्ण आर्थिक विकास तभी संभव हो पाता है, जब सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो, प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी तथा गरीबी, भुखमरी और सामाजिक असमानता में कमी आए तथा रोजगार की उपलब्धता और प्रति व्यक्ति खुशहाली हो। विकास का माडल ऐसा होना चाहिए, जिसमें रोजगार के अवसर, गरीबों का उत्थान और किसानों की समृद्धि सुनिश्चित हो सके तथा महंगाई की दर कम रहे।

सवाल है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2047 तक विकसित भारत का जो लक्ष्य रखा है, क्या मौजूदा परिस्थितियों की लिहाज से उसे तय समय में हासिल किया जा सकेगा! यह सच है कि बेरोजगारी दर में उतार-चढ़ाव से देश के विकास पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है।

ऐसे में सरकार को चाहिए कि बेरोजगारी दर में कमी लाने के लिए शिक्षा को कौशल विकास से जोड़ने को प्राथमिकता दी जाए और सरकारी एवं निजी क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर सृजित किए जाएं। तभी भारत सही मायने में एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ पाएगा।

वृद्धजन सुरक्षा

बुजुर्गों के लिए एक ऐसी नीति बने जो सामाजिक सुरक्षा और आय सुनिश्चित करें

जन्म के साथ पेंशन योजना से सुरक्षित होगा बुढ़ापा

जी.एन. बाजपेयी

लोगों की सेहत दुरुस्त रखने के लिए स्वास्थ्य देखभाल, पोषणयुक्त भोजन और जीवन-स्तर में सुधार हो रहा है और इससे बड़ा बदलाव भी आ रहा है। बढ़ती जीवन प्रत्याशा, घटती जन्म दर और बड़ी होती बुजुर्ग आबादी के माहौल में बुजुर्गों के लिए सन् 1999 में लागू की गई 'सामाजिक सुरक्षा और आय (ओल्ड एज सोशल ऐंड इनकम सिक्योरिटी या ओएसिस)' योजना जरूरी हो जाती है। भारत में 60 और उससे ज्यादा उम्र के लोगों की आबादी 2023 में लगभग 15 करोड़ थी। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की 'इंडिया एजिंग रिपोर्ट-2023' में अनुमान लगाया गया है कि यह आबादी 2050 तक 35 करोड़ (आबादी का 25 प्रतिशत) हो जाएगी। इसी तरह, युवा लोगों पर निर्भर रहने का अनुपात 2020 के 16 से बढ़कर 2050 तक 34 प्रतिशत हो जाएगा।

बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए सरकार की ओर से पिछले दो दशकों में कई नीतिगत कदम उठाए गए हैं। इनमें सरकारी कर्मचारियों के लिए बिना फंड वाली निश्चित-लाभ पेंशन योजनाओं को निश्चित-योगदान योजनाओं में बदला गया है और आम नागरिकों के लिए राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) शुरू की गई है। हालांकि, एनपीएस के दायरे में आने वाले लोगों में वित्तीय समझ की कमी के कारण इस योजना में मामूली प्रगति हो पाई है। इसमें आर्थिक सुरक्षा की हीला-हवाली को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता है, इसलिए इस नीति में बदलाव जरूरी हो गया है।

असल में, बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा देने के लिए एक ऐसी नीति बननी चाहिए, जो उनकी सामाजिक सुरक्षा और आय, दोनों सुनिश्चित करे। इसके लिए सेवानिवृत्ति या साठ साल के बाद पेंशन योजना लागू करने के बजाय जन्म से ही इस पर ध्यान देना चाहिए।

बच्चों के लिए हाल ही में शुरू की गई 'एनपीएस-वात्सल्य योजना' इसी तरह की एक पहल है। इस योजना में 1,000 रुपये वार्षिक योगदान देने वाले 18 साल से कम उम्र के बच्चे को शामिल किया जाता है। अब बच्चों के पैसे पिग्गी बैंक में रखने की जरूरत नहीं , बच्चे भी भविष्य के लिए दीर्घकालिक निवेश कर सकते हैं। इस योजना के तहत माता-पिता नाबालिग बच्चों के नाम पर पेंशन अकाउंट खोल सकते हैं ताकि लंबी अवधि में बच्चों के लिए एक बड़ा कॉर्पस तैयार होगा।

अब सवाल ये हैं कि ज्यादातर लोगों को यह नहीं पता कि आखिर एनपीएस वात्सल्य योजना का लाभ ले कौन सकता है, इसका लाभ लेने के लिए क्या करना होगा?

सरकार द्वारा शुरू की गई एनपीएस वात्सल्य योजना दीर्घकालिक निवेश और पेंशन योजना है। इसका उद्देश्य बच्चों का भविष्य सुरक्षित करने और माता-पिता अभिभावक में बच्चों के लिए बचत की आदत डालना है। इस योजना में माता-पिता और अभिभावक अपने बच्चों के भविष्य के लिए निवेश कर सकेंगे। एनपीएस वात्सल्य योजना का प्रबंधन भी पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) करेगा। इस योजना का लाभ देश की करीब 35 प्रतिशत आबादी यानी 18 साल से कम उम्र वालों को इसका फायदा होगा। एनपीएस वात्सल्य स्कीम में निवेश फ्लेक्सिबल ऑप्शन दिया गया है। यानी कि माता-पिता सालाना कम से कम 1000 रुपये निवेश कर सकते हैं। निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। माता-पिता चाहें तो कम राशि से शुरुआत कर अपनी सुविधानुसार निवेश राशि बढ़ा सकते हैं। यानी आप जितना चाहें उतना सालाना निवेश कर सकते हैं।

इसके अतिरिक्त एक सुझाव यह है कि देश के हरेक बच्चे को जन्म के समय ही 'परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर (प्रान)' दिया जाए और केंद्र सरकार की तरफ से 1,000 रुपये के शुरुआती योगदान के साथ प्रान-डान कार्ड (डान का मतलब डिफेंडिंग अ न्यूबोर्न या नवजात की सुरक्षा) जारी किया जाए। अगर, 2026 से इस योजना को लागू किया जाता है, तो इसमें शामिल होने वाले बच्चे 2047 में 21 साल के होंगे। तब तक उनके प्रान खाते में इतनी रकम जमा हो जाएगी कि वे आर्थिक रूप से निश्चिंत हो सकेंगे। हिसाब लगाकर देखें, तो इस योजना में 25 साल की उम्र तक सालाना 1,200 रुपये, 26-30 साल की उम्र तक 1.2 लाख रुपये, 31-40 साल की उम्र तक 1.8 लाख रुपये, 41-50 साल की उम्र तक 2.4 लाख रुपये और 51-60 साल की उम्र तक सालाना 3 लाख रुपये जमा करने होंगे। इन्हें नौ प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से गणना की जाए, तो 60 साल की उम्र तक यह रकम 4.2 करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगी। यह दर एनपीएस फंड पर मौजूदा रिटर्न रेट के लगभग बराबर है। इससे हर महीने 2.1 लाख रुपये से ज्यादा (छह प्रतिशत दर) की पेंशन मिल सकती है और मूलधन भी सुरक्षित रहेगा। दूसरी ओर, बिना कोष वाली पेंशन पा रही ज्यादातर बुजुर्ग आबादी 2047 तक गुजर चुकी होगी। तब, भारत बड़े पैमाने पर ओएसिस योजना को लागू करने की स्थिति में आ जाएगा।

दानदाताओं को ज्यादा प्रोत्साहित करने के लिए सरकार को हरेक बच्चे पर सालाना 1,000 रुपये निवेश की जरूरत है। पूरी रकम को 60 साल तक लॉक करने से भारत को लंबे समय तक चलने वाली परियोजनाओं में भी मदद मिलेगी। दशकों में जमा हुआ पेंशन फंड का यह बड़ा पूल (एनपीएस में 150 अरब रुपये से ज्यादा) आर्थिक विकास में मदद करेगा। अलग-अलग देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां बड़ी आबादी को पेंशन दी जा रही है, वहां बुजुर्गों में गरीबी दर बहुत कम है।

कहा भी गया है कि आप खाई को पार करने के लिए दो बार छलांग नहीं लगा सकते। इसलिए देश की पेंशन की खाई को पार करने के लिए एक ही लंबी नीतिगत छलांग लगाने का समय आ गया है।

पूर्व अध्यक्ष, सेबी

जीवन दर्शन

इमोशनल नंबनेस में दुःख महसूस नहीं होता, अध्यात्म से है जुड़ाव

भावनाएं हमें सजीवता का एहसास कराती हैं और अगर ये ना हों, तो हम केवल एक चलता-फिरता पुतला रह जाएंगे। लोगों से जुड़ने के लिए, खुद को अभिव्यक्त करने के लिए या फिर खुद के होने का एहसास करने के लिए हमें यह भावनाएं चाहिए लेकिन कई बार ये भावनाएं हम पर बोझ बन जाती हैं और इससे पीछा छुड़ाने के चक्कर में हम सबकुछ महसूस करना बंद करने का प्रयास करने लगते हैं। हम भावनाओं को परे धकेलने लगते हैं जिससे दुखी करने वाली भावनाओं के साथ-साथ अच्छी भावनाओं के लिए हम अपना दरवाजा बंद कर लेते हैं लेकिन यह खतरनाक तब हो जाता है जब हम एक विकट मानसिक परेशानी या कहें मानसिक बीमारी का शिकार हो जाते हैं।

इमोशनल नंबनेस एक ऐसी ही अवस्था है, जिसमें आप भावनाओं को महसूस नहीं कर रहे होते हैं और उन्हें व्यक्त भी नहीं कर रहे हैं, चाहे वह दुःख ही क्यों न हो। भावनाओं के बोझ से बचने के लिए आप एक ऐसी रणनीति बना लेते हैं कि आप अधिक भावनात्मक या शारीरिक दर्द से बच सकें। यह भले ही आपको तात्कालिक राहत प्रदान कर देता है, लेकिन इस तरीके से कठिन भावनाओं का

विरोध करना आपके मानसिक स्वास्थ्य पर स्थायी प्रभाव डाल सकता है।

अध्यात्म में भी कई लोग भावनाओं अथवा ट्रामा से बचने के लिए या हील होने लिए आते हैं। उन्हें लगता है कि अध्यात्म उन्हें भावनात्मक रूप से इतना कठोर या संसार के प्रति उदासीन बना देगा कि उन्हें कभी परेशान नहीं करेगी। अध्यात्म में इसे स्पिरिचुअल बाईपास कहते हैं, जिसमें लोग आध्यात्मिक टूल का सहारा लेते हैं अपने मानसिक अथवा भावनात्मक आघात को ठीक करने का लेकिन ऐसा करने से वह इश्यू हमेशा के लिए ठीक होने के बजाय बस कुछ समय के लिए दब जाता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि लोग अपनी तकलीफ की जड़ ढूंढने के बजाय, उसका सामना करने के बजाय उससे बचना चाहते हैं। वो बस तकलीफ को अपने सीने के एक अंधेरी कोठरी में फेंककर, उसे भूल जाना चाहते हैं।

इमोशनल नंबनेस के कारण

1.चिंता- अत्यधिक तनाव, भय या चिंता के कारण लोग इमोशनल नंबनेस का अनुभव कर सकते हैं।

2.अलेक्जिथिमिया- यह वह अवस्था है जिसमें भावनाओं को नाम देने में कठिनाई होती है यानि लोग क्या महसूस कर रहे हैं, वो बता नहीं पाते।

3.डिप्रेशन- डिप्रेशन के दौरान भी लोग अपनी भावनाओं को कम महसूस कर सकते हैं।

आध्यात्मिक रूप से इमोशनल नंबनेस को दूर करने के तरीके-

ध्यान और मेडिटेशन- ध्यान और मेडिटेशन करने से आप अपने भावनाओं के प्रति न केवल सचेत होते हैं बल्कि उन्हें संतुलित और शांत भी रखते हैं।

स्वाध्याय और सत्संग- आध्यात्मिक ग्रंथों का अध्ययन करें और सत्संग में भाग लें। यह आपको आत्मा के प्रति जागरूक करेगा और इमोशनल नंबनेस को दूर करेगा।

आध्यात्मिक टूल- अध्यात्म में कई ऐसे टूल बताये गए हैं जो आपको इमोशनल नंबनेस को दूर करने में सहायता प्रदान करेंगे।

- चंदा कुमारी

गीता ज्ञान

श्लोक

किं कर्म किमकर्मेति कवयोऽप्यत्र मोहिताः।
तत्ते कर्म प्रवक्ष्यामि यज्ज्ञात्वा मोक्ष्यसेऽशुभात्।।

भावार्थ

कर्म क्या है? और अकर्म क्या है? इस प्रकार इसका निर्णय करने में बुद्धिमान पुरुष भी मोहित हो जाते हैं। इसलिए वह कर्मतत्त्व मैं तुझे भली भाँति समझाकर कहूँगा, जिसे जानकर तू अशुभ से अर्थात् कर्मबन्धन से मुक्त हो जाएगा।

मौसम अपडेट

प्रदेश के चार महानगरों का तापमान

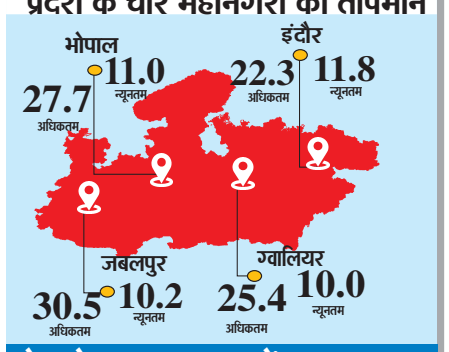

देश के चार महानगरों का तापमान

	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	24.6	5.3
मुंबई	27.5	18.4
चेन्नई	32.6	15.2
कोलकाता	25.2	13.0

सूर्यास्त 5:57 PM
सूर्योदय 7:04 AM
चन्द्रोदय 6:30 AM
चन्द्रास्त 5:30 PM

कोयले से भरे ट्रक में आग ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

जागरण शहडोल। जिले में एक बड़ा हादसा उस समय टल गया, जब कोयले से लदे एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई। यह घटना सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 पर हुई। जहां बुढार से कटनी की ओर जा रहा कोयला लदा ट्रक देखते ही देखते आग का गोला बन गया। ट्रक में आग लगने का कारण फिलहाल अज्ञात है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चलते ट्रक के अगले हिस्से से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया और कुछ ही पलों में आग की लपटें तेज हो गईं। हालात भांपते हुए ट्रक चालक और खलासी ने चलते ट्रक से कूदकर अपनी जान बचाई। इस घटना में दोनों बाल-बाल बच गए, हालांकि ट्रक पूरी तरह आग की चपेट में आ गया। हाईवे के बीचो बीच ट्रक में आग लगने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई। आग की भयावहता और सड़क पर खड़े जलते ट्रक के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही सोहागपुर पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल यातायात को नियंत्रित करने में जुट गई। फायर ब्रिगेड को भी मौके पर बुलाया गया, फायर कर्मियों ने पुलिस के सहयोग से घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब जाकर हाइवे पर फंसे वाहनों की आवाजाही धीरे-धीरे बहाल हो सकी। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन ट्रक और उसमें लदा कोयला पूरी तरह जलकर खाक हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आग लगने के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट या तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है।

ड्रग कांड का मास्टरमाइंड भाजपा नेता राहुल आंजना गिरफ्तार

जागरण, आगर मालवा। चार महीने पहले पकड़े गए 5 करोड़ रुपए के केटामाइन ड्रग की तस्करी मामले के मुख्य आरोपी और भाजपा नेता राहुल आंजना को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर लिया है। राहुल सितंबर से फरार चल रहा था। पुलिस ने 9 किलो से अधिक केटामाइन ड्रग जब्त की थी। रविवार को पुलिस को सूचना मिली कि राहुल हेलीपेड के आसपास है, पुलिस ने घेराबंदी कर बैजनाथ मार्ग स्थित हेलीपैड के पास घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पिछले साल 12 सितंबर को कोतवाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो गाड़ियों से 9.250 किलो केटामाइन ड्रग, 6 ग्राम एमडी ड्रग, अमोनियम क्लोराइड, 35 लीटर आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, ड्रग बनाने की मशीनें और अन्य उपकरण बरामद किए थे। इस मामले में पहले ही तीन आरोपी ईश्वर मालवीय, दौलत सिंह आंजना और सुरेश आंजना को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। राहुल की चार महीने तक गिरफ्तारी न होने के कारण कोतवाली पुलिस की कार्यप्रणाली पर लगातार सवाल उठ रहे थे। सीएसपी मोतीलाल कुशवाह ने बताया कि आरोपी राहुल आंजना को सोमवार को न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी।

चित्रकूट में 2 दर्जन से अधिक बंदरों की मौत, करंट लगने की आशंका

जागरण, चित्रकूट/सतना। जिले के चित्रकूट में बड़ी संख्या में बंदरों के मारे जाने की खबर है। दरअसल भगवान हनुमान का स्वरूप माने जाने वाले बंदरों की मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना पर पुलिस और वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची है। स्थानीय लोगों की मानें तो आधा सैकड़ा बंदरों की मौत हुई है, वहीं पुलिस का दावा है कि मृत बंदरों की संख्या 2 दर्जन के आसपास है। लोगों ने कुछ फोटो लेकर सोशल मीडिया पर वायरल किए हैं। वन विभाग की टीम सभी मृत बंदरों के शव लेकर पोस्टमार्टम के लिए गई है और बंदरों के मृत्यु के कारण जानने में जुटी गई है।

पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी फुटेज : दरअसल घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के सीतापुर चौकी अंतर्गत कुशवाहा बस्ती की है, जहां बंदर मृत अवस्था में पड़े मिले। सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। आशंका जताई जा रही है कि करंट के चलते बंदर मारे गए है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर मामले की जांच में जुट गई है।

नगर परिषद मधुसूदनगढ़ की लापरवाही से विधवा महिला दर-दर की खा रही ठोकरें

मैं जिंदा हूं...वेबसाइट पर पति की जगह पत्नी को घोषित किया मृत

जागरण, मधूसूदनगढ़। सरकारी कर्मचारियों की लापरवाही किसी के लिए क्या सजा हो सकती है। इसका उदाहरण हे नगर परिषद मधुसूदनगढ़ के वार्ड क्रमांक 10 की एक विधवा औरत राधा बाई कुशवाह जिसको नगर परिषद के कर्मचारियों ने उसे जीते जी मृत घोषित कर दिया जबकि मृत घोषित उसके पति मोतीलाल कुशवाह को होना चाहिए था, पर जीवित रहते विधवा राधा बाई को कर दिया। महिला अब दर दर की ठोकरें खा रही है, जबकि परिजनों ने मृत्यु की सूचना ओर मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए एक आवेदन नगर परिषद को दिया, परिषद कर्मचारियों ने मृत्यु प्रमाण पत्र उसके पति नाम से ही बनाया हे पर कर्मचारियों के रूखे व्यवहार ओर उनकी मनमर्जी के आगे सीएमओ भी बे उत्तर है। जानकारी के अनुसार राधा बाई के पति की मृत्यु 16 सितंबर 2025 को हो गई थी

महिला राधा बाई

उसके आवेदन पर मृत्यु प्रमाण पत्र भी बन गया पर समग्र पोर्टल से लापरवाह कर्मचारी ने स्वर्गीय मोतीलाल का नाम ना हटाते उसके बेवा पत्नी राधावाई को पोर्टल से हटा दिया अब वह जुड़ नहीं पा रहा है। इस लापरवाही से एक विधवा को विधवा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास ओर सबसे ज्यादा आवश्यक उसको शासन की योजना अनुसार सोसायटी से राशन नहीं मिल पा रहा है वह 4 महीने से बाजार से गेहूं खरीद कर खुद का ओर अपने दो बच्चे शंकर कुशवाह और विनोद कुशवाह का किसी तरह पेट भर रही हे वह विधवा परेशान हे ओर शासन के कारींदो की करतूत की सजा भुगत रही है, पर उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही हेकर्मचारी शुरुआत से ही क्रमबद्ध नियमानुसार कार्य करे तो इस तरीके की बेमतलब समस्या से आमजनमानस को परेशान नहीं होना पड़े किसी एक की गलती से हितग्राही सहित पूरा परिवार ओर सरकारी तंत्र परेशान हो जाता है। जबकि रोचक तथ्य ये की समग्र आईडी पोर्टल पर मृत मोतीलाल कुशवाह अभी भी जिंदा हे ओर नगर परिषद ने मृत्यु प्रमाण पत्र भी जारी किया हुआ है ओर पत्नी राधावाई मृत है।

इस मामले में सीएमओ वीरेन्द्र चक्रवर्ती से बात हुई तो उन्होंने कहा कि हमारे पास ये शिकायत आई थी पर हमने यहां से तो ठीक कर दिया हे अब जिले से ही अपडेट होना है।

बच्चों को गाड़ियां देने का दर्द, खुद झेल रहे माता-पिता

कोचिंग से लौट रहे तीन छात्रों की स्कूटी खड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुसी, तीनों की मौत

जागरण सोहागपुर। समीपस्थ ग्राम आमदेही निवासी तीन नाबालिकों की मौत सोहागपुर करनपुर के बीच स्थित चौधरी पेट्रोल पंप माय सिटी के पास हुए एक सड़क हादसे में हो गई। घटना शनिवार रात्रि करीब 8 बजे की है। कक्षा 9 वी में अध्यनरत तीनों नाबालिकग कोचिंग पढ़कर दो पहिया वाहन क्र. एमपी 05 जेड जे 3240 से अपने घर लौट रहे थे। तभी सड़क पर धान के बोरों से लदी ट्रैक्टर ट्राली अंधेरे में दिखाई नहीं दी और इलेक्ट्रिक स्कूटी ट्राली के पिछले हिस्से से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों नाबालिगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों की पहचान आमदेही निवासी शिव पिता रामेश्वर रघुवंशी उम्र 14 वर्ष, अश्विन पिता ललित रघुवंशी उम्र 15 वर्ष एवं मनुराज रघुवंशी पिता प्रवीण रघुवंशी उम्र 15 वर्ष सभी निवासी ग्राम आमदेही के रूप में हुई है। तीनों छात्रों के सिर में गहरी चोट आने से हुआ तेज रक्त स्राव मौत की वजह बना। थाना प्रभारी उषा मरावी ने चर्चा में बताया कि ट्रैक्टर ट्राली के पीछे न तो इंडिकेटर लगे हुए थे ना ही ब्रेक बत्ती थी और न ही रेडियम की लाल पट्टी। जिसके कारण सड़क पर खड़ी ट्रैक्टर ट्राली छात्रों को दिखाई नहीं दी और वे उससे टकरा गए। रविवार को सुबह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोहागपुर में ड्यूटी चिकित्सक द्वारा पोस्टमार्टम कर मृतकों के शव परिजनों के सुपुर्द किए गए। इधर तीन नाबालिगों की एक साथ अर्थी उठने के कारण ग्राम आमदेही में मातम पसरा हुआ है। पुलिस द्वारा ट्रैक्टर क्र एमपी 05 जेडजी 3634 के चालक के विरुद्ध धारा 106 (1) बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक विवेचना दौरान ट्रैक्टर चालक के अलावा ट्रैक्टर ट्रॉली मालिक की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी और विधि अनुसार कार्यवाही की जाएगी। धान से भरी ट्रैक्टर ट्राली को पुलिस थाने में खड़ा कराया गया है।

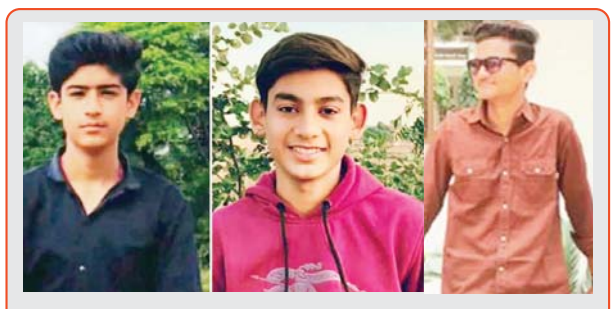

पूरे स्कूल में छाया मातम

दुर्घटना में जान गंवाने वाले छात्र अश्विन पिता ललित रघुवंशी, शिव पिता रामेश्वर रघुवंशी और मनुराज पिता प्रवीण रघुवंशी तीनों सोहागपुर के सेंट पेट्रिक स्कूल के स्टूडेंट थे। रोजाना वे आमदेही से 5 किमी दूर सोहागपुर आते थे। तीनों विद्यार्थियों के निधन पर विद्यालय परिवार में शोक की लहर है। विद्यालय के प्राचार्य दिलीप मिंज द्वारा तीनों विद्यार्थियों के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए सोमवार को एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है।

नाबालिग बेखौफ दौड़ा रहे वाहन

यातायात सुरक्षा नियमों का पालन करने के लिए पुलिस लगातार जागरूकता अभियान चला रही है। वैसे तो 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों द्वारा सड़क पर दो पहिया वाहन दौड़ाया जाना कानूनन अपराध है फिर भी स्कूल एवं कोचिंग समय पर पहुंचने के लिए अभिभावकों की मूक सहमति पर नाबालिग बच्चे सड़क पर अपने वाहन दौड़ा रहे हैं लेकिन जिस प्रकार से अभिभावको ने अपने बच्चों को वाहन पकड़ाए हैं उसी प्रकार से बच्चों की सुरक्षा के लिए हेलमेट की अनिवार्यता एवं तेज रफ्तार पर नियंत्रण दोनों की ही जवाबदेही अभिभावकों को निभाना चाहिए।

अभिभावकों की लापरवाही और पुलिस की सुस्ती से बढ़ा खतरा

जागरण, इटारसी। क्या आप जानते हैं कि जब आप अपने नाबालिग बच्चे के हाथ में बाइक या कार की चाबी थमाते हैं, तो आप उसे सुविधा नहीं बल्कि सफेद कफन की ओर धकेल रहे होते हैं? सोहागपुर में बीते दिनों हुई हृदय विदारक दुर्घटना, जिसमें नौवीं कक्षा के तीन छात्रों की जान चली गई, हमारे समाज के लिए एक गंभीर चेतावनी है। लेकिन अफसोस! इटारसी की सड़कों पर आज भी दर्जनों नन्हे यमदूत फर्राटा भरते देखे जा सकते हैं, जिन्हें न नियमों का ज्ञान है और न ही अपनी जान की परवाह।

सावधानी ही सुरक्षा है: वर्तमान में पड़ रही ठंड और कोहरे के कारण दृश्यता कम है। ऐसे में बिना रिफ्लेक्टर टेप, ओवरस्पीडिंग और गलत तरीके से ओवरटेक करना जानलेवा साबित हो रहा है। प्रशासन ने हिदायत दी है कि अभिभावक अपने बच्चों को तब तक चाबी न दें, जब तक उनके पास 18 वर्ष की आयु और वैध ड्राइविंग लाइसेंस न हो।

> पुलिस समय-समय पर कार्रवाई करती है। बल की कमी होने से सभी जगह पाइंट नहीं लगा सकते, जल्द ही स्कूल और कोचिंग सेंटर्स के आसपास चैकिंग की जाएगी। अभिभावकों को भी समझना होगा अन्यथा मोटर व्हीकल एक्ट में उन पर ही एफआईआर हो सकती है।
> ■ **गौरव बुंदेला**, नगर निरीक्षक

संतान पाने श्मशान की राख से नहाया

चप्पलों की माला पहनाकर घुमाया, किया बहिष्कार

जागरण, दतिया। सभ्य और आधुनिक समाज में एक शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है। जो न केवल आज भी तंत्र-मंत्र और अंधविश्वास की गहरी जड़ों को दिखाती है, बल्कि सभ्यता के सारे मापदंडों को तोड़ते हुए सामाजिक क्रूरता व भीड़ तंत्र हावी होने की ओर संकेत करती है। जब प्रदेश की धार्मिक नगरी दतिया के झिर का बाग इलाके में पहले तो एक व्यक्ति ने श्मशान घाट में चिता की राख से स्नान किया और मृतक की खोपड़ी व अस्थियां पॉलिथीन में भरकर घर ले गया। उसका अजीबोगरीब कृत्य उजागर हुआ तो मोहल्ले के सारे लोग इकट्ठा हो गए। नाराज गुस्साए लोगों ने उस युवक को सरे राह मारापीटा, फिर चप्पलों की माला पहनाकर मोहल्ले में घुमाया और पूरे परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया। फरमान सुनाया गया कि यदि समाज का कोई भी व्यक्ति या परिवार आरोपी युवक व उसके परिवार से संबंध रखता है, अपने किसी कार्यक्रम में बुलाता है तो 5,100 रुपए जुर्माना देना होगा। असल में झिरका बाग निवासी मूलचंद्र कुशवाहा (72) का 14 जनवरी को बीमारी के चलते निधन हो गया था। शाम को विधि-विधान से उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान मृतक का पड़ोसी बल्ली कुशवाह (40) भी श्मशान घाट में था। मगर विवाद तब शुरू हुआ, जब लोगों को मालूम पड़ा कि बल्ली रात 11 बजे दोबारा श्मशान घाट पहुंचा। लोगों का कहना है कि बल्ली ने जलती चिता की लकड़ियां फैलाईं, राख बिखेरी और उसी राख से स्नान किया। इसके बाद उसने मृतक मूलचंद्र की खोपड़ी और कुछ अस्थियां उठाकर पॉलीथिन में रखीं और घर ले गया।

प्रेमी की बाहों में बेटे ने देख लिया... दूसरी मंजिल से फेंकने वाली मां को उम्र कैद

सपने में परेशान करने लगा था बेटा, घबराकर पति के सामने कबूल कर लिया जुर्म

जागरण, ग्वालियर। तीन साल के मासूम जतिन के लिए मां के पीछे-पीछे छत पर जाना ही उसकी जान का दुश्मन बन गया। छत पर प्रेमी की बाहों में झूलती मां को जतिन ने देख लिया था। मां को लगा कि बच्चा अब पति को बता देगा तो उसने अपने ही बेटे को उठाया और दूसरी मंजिल से फेंक दिया। अगले दिन इलाज के दौरान मासूम ने दम तोड़ दिया, लेकिन उसके बाद कुछ ऐसा हुआ कि... मां ने खुद ही अपना जुर्म कबूल लिया। पति भी अपनी पत्नी के बदल रहे भाव और रह-रहकर बदली जा रहीं बातों को लगातार रिकॉर्ड कर रहा था। पति द्वारा छुपकर की गई ये रिकॉर्डिंग ही पत्नी को सीखचों को भेजने के सबूत बने और अदालत ने अपने बेटे की हत्यारी मां को उम्रकैद की सजा सुनाई। अपर सत्र न्यायालय ने तीन वर्षीय मासूम जतिन की हत्या के लिए मां ज्योति राठौर को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। हालांकि पर्याप्त सबूत न होने पर उसके प्रेमी उदय इंदौलिया को बरी कर दिया गया। मन को झकझोर देने वाली यह घटना 28 अप्रैल 2023 को ग्वालियर के थाटीपुर थाना क्षेत्र में हुई थी। अगले दिन जयारोग्य अस्पताल में बच्चे की इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्चे का कांस्टेबल पिता ध्यान सिंह सहित थाने की पुलिस भी इसे हादसा मानते रहे। मगर दो महीने बाद कांस्टेबल पति ही सबूतों के साथ थाने पहुंच गया। यही सबूत अदालत में पत्नी को सजा दिलाने के आधार बने।

रिकॉर्डिंग बनी सबूत

सपनों में आए बेटे ने खुलवा दिया मुंह

बेटे जतिन की मौत के बाद ज्योति डरी-सहमी और घबराई हुई रहने लगी थी। वह रात में अचानक घबराकर जाग जाती थी। पति ध्यान सिंह को लगा कि पत्नी बेटे की मौत के गहरे सदमे में है। असल में उसका मरा हुआ बेटा जतिन उसे बार-बार सपनों में दिखाई देता था। ज्योति को लगा कि जतिन की आत्मा घर में भटक रही है। इसी डर के चलते एक दिन उसने पति के सामने जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि गुस्से में उसने बेटे को छत से धक्का दे दिया था। यह कबूलनामा सुनकर पुलिसकर्मी पति ध्यान सिंह खुद को रोक नहीं सका और उसने तय कर लिया कि वह अपनी पत्नी को सजा जरूर दिलाएगा। वह इन बातचीतों को मोबाइल में रिकॉर्ड करने लगा। हालांकि सबूत जुटाना इतना आसान नहीं था, ज्योति घटना के समय को लेकर अलग-अलग जवाब देने लगी। पति ने उसे छत पर ले जाकर पूरा सीन दोबारा क्रिएट करने को कहा तो वह अपनी जगह भी बदलते रही।

कोर्ट की नाराजगी के बाद अब नगर निगम खुद तोड़ेगा बीआरटीएस

फायदा न होता देख ठेकेदार ने बीच में छोड़ा काम

जागरण, इंदौर। ठेकेदार की लेटलाली के कारण शहर का अधूरा टूटा बीआरटीएस अब नगर निगम के लिए परेशानी की वजह बन गया है। ठेकेदार ने फायदा न होने के चक्कर में काम बीच में ही छोड़ दिया और नए ठेकेदार इसके लिए राजी नहीं हैं। इस कारण अब नगर निगम ने खुद बीआरटीएस तोड़ने का फैसला लिया है। दरअसल प्रदेश सरकार के फैसले के बाद दस माह पहले नगर निगम ने ही हाईकोर्ट से बीआरटीएस तोड़ने की अनुमति मांगी थी और यह कहा था कि बीआरटीएस के चौराहों पर आठ ब्रिज बनाए जाना हैं। कोर्ट ने अनुमति दे दी, लेकिन दस माह बाद भी बीआरटीएस की रेलिंग और बस स्टेशन नहीं टूट पाए हैं।

काम छोड़कर चल गया ठेकेदार : नगर निगम ने बीआरटीएस में लगे सामान की कीमत तीन करोड़ रुपए आंकी थी और इसके टेंडर जारी किए थे, लेकिन किसी एजेंसी ने इस काम में हाथ नहीं डाला। इसके बाद कीमत कम कर

टेंडर आंके गए और बीआरटीएस तोड़ने से निगम को होने वाली ढाई करोड़ की आय को देखते हुए एक ठेकेदार के टेंडर को मंजूरी दी गई, लेकिन ठेकेदार को उसमें भी फायदा नहीं हुआ और वह काम छोड़कर चला गया।

रैलिंग भी एक तरफ की हटाई गई

वर्षभर में बीआरटीएस को लेकर हुई सुनवाई में बीआरटीएस नहीं तोड़े जाने का मामला उठता रहा। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अफसरों को यह तक कह दिया कि कोर्ट के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। उससे पहले भी कोर्ट कह चुका है कि मकानों के निर्माण तोड़ने में निगम को दो-तीन दिन भी नहीं लगते, बीआरटीएस तोड़ने में इतना समय क्यों लग रहा है। कोर्ट ने इसके लिए एक कमेटी गठित की है। कमेटी ने भी अपनी रिपोर्ट कोर्ट के सौंप दी। जिसमें कहा गया है कि एक स्टेशन तोड़ने में दस माह का समय लग गया। रैलिगं भी एक तरफ के हटाए गए।

पिछले साल हुई थी तोड़ने की घोषणा

आपको बता दें कि ढाई सौ करोड़ की लागत से इंदौर में निरंजनपुर से राजीव गांधी प्रतिमा तक साढ़े 11 किमी लंबा बीआरटीएस तैयार किया गया था। इसके लिए 300 से ज्यादा निर्माण और दो हजार से ज्यादा पेड़ काटे गए थे, लेकिन पिछले साल मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बीआरटीएस तोड़ने की घोषणा की थी।

रेल सुविधा खिलचीपुर-राजगढ़ के बीच 12 किमी तक ट्रेक तैयार, तीन दिन से चल रही मालगाड़ी

प्रदेश को मिलेगी एक और रेलवे स्टेशन की सौगात, जल्द दौड़ेंगी ट्रेन

जागरण, ब्यावरा। भोपाल-रामगंज मंडी नई रेल लाइन परियोजना का काम तेजी से चल रहा है और कई हिस्सों में पूरा हो चुका है, जिस पर मार्च 2026 तक ट्रायल रन शुरू होने होने के साथ 2026 में लाइन पूरी होने की उ मीद है। परियोजना अपने अंतिम चरणों में है और भारतीय रेलवे द्वारा इसे तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। जिस पर जल्द ही ट्रेनें दौड़ने लगेगी। राजस्थान सीमा में यह कार्य काफी पहले पूरा हो चुका है।

खिलचीपुर में ट्रेनों का ट्रायल पूरा हो चुका है। वहीं अब खिलचीपुर से राजगढ़ के बीच में 12 किमी रेल लाइन का पूरा हो गया है। यहां फूलखेड़ी तक दो-तीन दिन से निर्माण सामग्री के लिए मालगाड़ी की आवाजाही चल रही है। जबकि राजगढ़ का रेलवे स्टेशन बनकर तैयार है। अब जल्द राजगढ़ तक ट्रेनें दौड़ने की उ मीद लोगों में जाग उठी है। वहीं ब्यावरा जंक्शन पर तैयारियां लगभग पूर्ण हैं। यहां तीसरा प्लेटफार्म भी बन चुका है, उस पर ट्रेनों का ट्रायल हो चुका है। रेलवे के सूत्रों के मुताबिक जनवरी के अंतिम सप्ताह या फरवरी के पहले सप्ताह में रेलवे सुरक्षा अधिकारी का फाइनल निरीक्षण प्रस्तावित है। 276 किमी की भोपाल-रामगंज मंडी रेल लाइन पूरी होने से मध्य प्रदेश और राजस्थान के बीच रेल

कनेक्टिविटी सुधरेगी और यात्रा समय में कमी आएगी, खासकर भोपाल से कोटा के बीच लोगों का सफर सुगम और सस्ता होगा।

अब तक 168 किमी का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसमें ब्रिज और छोटे पुल-पुलियाओं का निर्माण भी शामिल है। विभागीय अधिकारियों के मुताबिक कई सेक्शन में मार्च 2026 तक ट्रैक बिछाने और ट्रायल रन शुरू करने की समय-सीमा तय की गई है, जिसमें खिलचीपुर से सोनकच्छ तक का हिस्सा शामिल है। वहीं सोनकच्छ-नरसिंहगढ़-कुरावर वाला हिस्सा सितंबर-अक्टूबर 2026 तक पूरा करने की योजना तैयार है।

राजगढ़ जिले में ये रहेंगे स्टेशन

रेल लाइन पर जिले में ब्यावरा जंक्शन सहित छह स्टेशन रहेंगे। राजस्थान तरफ से खिलचीपुर के भोजपुर से एंट्री करने वाले ट्रैक पर पहला स्टेशन भोजपुर ही है। इसके बाद खिलचीपुर, राजगढ़, ब्यावरा जंक्शन, नरसिंहगढ़ और कुरावर शामिल है। इसके आगे श्यामपुर होते हुए हिरदाराम और भोपाल लाइन जुड़ेगी। कोटा मंडल के ट्रैक इंजीनियर गौरव मिश्रा का कहना है लगभग 90 फीसदी काम हमारा पूरा हो चुका है। अब केवल राजगढ़ ब्यावरा के बीच ट्रैक और कुछ हिस्सा खिलचीपुर से राजगढ़ के बीच बाकी है। जिसे भी मार्च तक पूरा कराने की डेडलाइन तय है।

90 फीसदी काम पूरा, इसी साल दौड़ेगी रेल

कोटा मंडल में की रामगंज मंडी से ब्यावरा का काम मार्च तक पूरा करने का लक्ष्य है। यहां 90 फीसदी काम पूरा हो चुका है। खिलचीपुर से करीब 12 किमी आगे तक पटरियां बिछाई जा चुकी है। इसके साथ ही ब्यावरा-राजगढ़ सेक्शन में भी ट्रैक बिछाने का काम शुरू कर दिया गया है। ब्यावरा से करीब चार किमी आगे तक पटरियां बिछाई जा चुकी है। उधर श्यामपुर से आगे अब कुरावर तक भी ट्रैक तैयार होने वाला है। ब्यावरा से सोनकच्छ तक ट्रैक तैयार होने के बाद करीब 80 फीसदी काम भोपाल मंडल का भी पूरा हो जाएगा। केवल नरसिंहगढ़ के बीच का करीब 22.25 किमी सेक्शन में ही काम अधिक बाकी है।

उम्र के नए दौर में

मेनोपॉज रीमिक्स

मुझे हमेशा लगता था कि पचास साल की होने का मतलब है, अपने असली रूप को खोजना। अब पता चला कि असल में यह हॉर्मोन को खोने का दौर है। ऐसा लगता है कि मेरे हॉर्मोन्स ने अपना बैग पैक किया है और किसी अनजान कॉन्टिनेंट के लिए निकल पड़े हैं, और मैं पीछे रह गई हूं।

■ ट्विंकल खन्ना ■

कुछ रातों में जब चांद पानी पर चांदी की जरी की बॉर्डर बनाता है, तो मैं तय नहीं कर पाती कि मैं नाव से दूर जाना चाहती हूं, डूब जाना चाहती हूँ, या बस बीच पर टहलना चाहती हूं और किसी को पता चलने से पहले वापस आ जाना चाहती हूँ। मैं थकी भी हूं और एनर्जेटिक भी हूं, अलर्ट और धुंधली, ओवरहीट और चिपचिपी हूं। एक बदलते हुए शरीर में कई विरोधाभासी अहसास...।

मेनोपॉज एक चोर की तरह है जो न सिर्फ आपकी सेफ खोलकर आपका कीमती सामान लेकर भाग जाता है, बल्कि जाने से पहले फर्नीचर को अपनी पसंद के हिसाब से फिर से जमा देता है। हॉट फ्लश, रात में पसीना आना, हड्डियों का घिसना, स्किन का पतला होना और ठुड्डी पर नए बाल आने के साथ-साथ, मुझे आवाजों से भी सेंसिटिविटी हो गई है। तेज आवाजें और लहरों की गड़गड़ाहट भी नहीं भाती अब। मैं किसी ओशनोग्राफर की तरह टाइड टेबल चेक करती हूँ। टकराती लहरों की आवाज को दबाने के लिए, मैं संगीत के ट्रैक ऐसे चलाती हूं जैसे मैं नींद की कमी वाली औरतों के लिए किसी नाइट क्लब में डीजे हूं।

इधर मेरे पति बिल्डिंग गिराए जाने, कुत्तों के भौंकने और यहाँ तक कि छठ पूजा के दौरान बीच पर पूरी रात चलने वाले पटाखों के बीच भी सोते रहते हैं। पहली बार, मुझे मर्दों से जलन हो रही है। उनके हॉर्मोन कभी उनका साथ नहीं छोड़ते, जबकि हमारे हॉर्मोन ऐसे बिखर जाते हैं जैसे आईआईटी ग्रेजुएट सिलिकॉन वैली चले जाते हैं।

अब वो बात नहीं रही...

मैं और मेरा शरीर एक टीम थे। अब यह फालतू काम करने में बिजी है और बेसिक काम करने से मना कर रहा है। अपने पति और कुत्ते के साथ अपने गार्डन का चक्कर लगाते हुए, एक बार मैं रोने लगी, बस इतना कह सकी, मुझे नहीं पता। बस। अब मुझे पसीना बहाने के लिए कार्डियो करने की जरूरत नहीं है। मुझे गुस्सा महसूस करने के लिए उकसावे की जरूरत नहीं है। मुझे हमदर्दी महसूस करने के लिए किसी दूसरे इंसान की जरूरत नहीं है। एक सुपरमार्केट के एयरकंडीशन्ड आइल में, मुझे दही के टब के साथ एक अपनापन महसूस हुआ। मेरी तरह, यह भी जमने लगा था। हम दोनों की एक्सपायरी डेट थी। दही की तो कम से कम लेबल पर छपी होती है, जबकि मैं अभी भी अपनी ढूंढ रही हूँ।

इन सबके बीच, मुझे अभी भी दिखना है — पेज पर, ऑफिस में, टॉक शो के सेट पर और अपने परिवार और दोस्तों के लिए।

फिर, शांति होती है। मेनोपॉज के बारे में अभी भी धीमी आवाज में बात होती है, जैसे हम मिसाइल बेस पर बात कर रहे हों, न कि अपनी बदलती बेसलाइन पर। डॉक्टर प्यार से मुस्कुराते हैं और प्रिमरोज आइल और पॉजटिव सोच की सलाह देते हैं। मैं उन्हें बताना चाहती हूँ कि किसी भी औरत ने उम्मीद की ताकत से ठुड्डी के बाल नहीं रोके हैं।

बढ़ती उम्र का सम्मान : हमारा कल्चर एक अनचाही रहम देता है। उम्र इज़्जत देती है। हम अपनी दादी-नानी के पैरों में बैठते थे जब वे हमारे सिर पर तेल लगाती थीं और कभी-कभी जूँ भी निकालती थीं। जब उनकी उंगलियाँ हमारे सिर पर फिरती थीं, तो ज्ञान आगे बढ़ता था। एक ऐसा सम्मान है जो फर्टिलिटी से नहीं बल्कि जिंदा रहने और अनुभव से जुड़ा है। उम्र बढ़ना अधिकार की जगह है। जैसे-जैसे मेरे अंदर हॉट फ्लश के ज्वालामुखी फटते रहते हैं, मैं एक और सबक सीख रही हूं- सरेंडर नहीं, बल्कि एक्सेप्टेंस। टूटी हुई नींद, थकी हुई नसों, मेरे शरीर के बदलते नजारे को स्वीकार करते हुए। लावा नई जमीन बनाता है — द्वीप और पहाड़। मैं खड़े होने के लिए नई जमीन बना रहा हूँ।

नयी शुरूआत का समय

औरतें अजीब जीव होती हैं। ज़्यादातर मादा जानवर अपनी जिंदगी के आखिर तक बच्चे पैदा कर सकती हैं। एक मुर्गी जिसने अंडे देना बंद कर दिया है, उसका सिर्फ़ एक ही इस्तेमाल होता है – रोस्ट चिकन में बदल जाना। लेकिन मुझे अभी भी काम करना है। ज्ञान और मजेदार बातें शेयर करने के लिए। मैं स्वभाव से ही ठीक करने वाली हूँ। अब मुझे सिर्फ़ अपनी ही बॉडी ठीक करनी है।

तो, मैंने शुरू किया। लगभग 20 साल बाद मैं फिर से वजन उठाती हूँ। मैं स्केट करती हूं, लंज करती हूँ, अपनी किताब पर काम करते हुए पेल्विक फ्लोर एक्सरसाइज करती हूँ। मैं मैग्नीशियम ग्लाइसीनेट, अश्वगंधा, लायन्स मेन, ब्राह्मी और हां, प्रिमरोज ऑयल लेती हूँ। बोलने में आसानी बनाए रखने के लिए मैं हर सुबह जोर से पढ़ती हूँ। मैं भ्रामरी करते हुए मधुमक्खी की तरह भिनभिनाती हूँ। मैं रॉकी बाल्बोआ हूँ, जिसमें सारा पसीना है और खून बिल्कुल नहीं। हार्लोकि, कुछ छोटे-मोटे तोहफे भी हैं। मैंने ब्रेड से डरना बंद कर दिया है। मैं लंच और डिनर में टोस्टेड सैंडविच खाती हूँ। जब आपका शरीर पहले से ही शोले की हेमा मालिनी की तरह कांच के टुकड़ों पर नाच रहा हो, तो आप उसे कार्ब्स की मेहरबानी से दूर नहीं रख सकते। मेरा शरीर बीस साल के वजन पर वापस आ जाता है, बस मुझे कम्प्यूज करने के लिए। मुझे अपनी पुरानी पसंदीदा चीजों- केले के चिप्स, सोया की क्रेविंग कम हो गई है। चकली, मूंगफली की चिक्की। इसके बजाय, मैं हर दो हफ़्ते में एक बार ताड़गोला आइसक्रीम खाती हूँ। अपनी बेटी के साथ रिवॉर्ड प्लान किए। मेरी 13 साल की बेटी और मुझे अब एक साथ डेजर्ट खाने का आराम चाहिए। वह उसी पूल में जा रही है, जहाँ से मैं निकल रही हूँ। जिस दिन मैंने अपने बाथरूम कैबिनेट से सैनिटरी पैड के पैकेट उसके कैबिनेट में रखे, वह एक छोटी सी रस्म जैसा लगा।

खुद के फोन से भी लीक हो सकता है प्राइवेट कंटेंट

सोशल मीडिया पर फेमस यूट्यूबर पूजा गेमिंग के पर्सनल वीडियो लीक की अफवाह उड़ी। यूजर्स इसे एआई जनरेटेड बता रहे हैं, लेकिन इसके बाद भी वीडियो लगातार शेयर किया जा रहा है।

लगातार हर दूसरे दिन सोशल मीडिया पर प्राइवेट कंटेंट लीक होने की खबरें पढ़ने को मिल रही हैं। 19 मिनट के बाद 40 मिनट और अब पूजा गेमिंग के पर्सनल वीडियो लीक ने यूजर्स की चिंता बढ़ा दी है। लोगों को समझ नहीं आ रहा है कि आखिर सोशल मीडिया पर लगातार अवेयरनेस फैलाए जाने के बाद भी, लोगों की पर्सनल वीडियो कैसे लीक हो जा रही है। ऐसे में लोग यह जानना चाह रहे हैं कि क्या खुद के फोन से भी पर्सनल वीडियो लीक हो सकती है?

फोन से हो सकती है पर्सनल वीडियो वायरल

जी हां, अपने फोन से भी आपकी पर्सनल वीडियो लीक हो सकती है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि कोई आपके फोन से पहले वीडियो शेयर करे। लोगों को लगता है कि वीडियो तभी लीक होती है, जब कोई फोन में से वीडियो चुरा लेता है या छिप कर किसी की वीडियो बनाकर शेयर कर देता है। अगर आप भी ऐसा सोचती हैं तो आप गलत हैं। अपने फोन से वीडियो लीक होने के कई कारण हो सकते हैं।

अनसेफ ऐप को डाउनलोड करना और परमिशन

जब आप किसी ऐप को फोन में डाउनलोड करती हैं, तो वह ऐप गैलरी का एक्सेस मांगता है। अगर आप इसे अप्रूव कर देंगी, तो ऐप के पास कैमरा गैलरी और स्टोरेज की परमिशन चली जाती है। कुछ फर्जी या अनट्रस्टेड ऐप्स बैकग्राउंड में आपकी फाइल्स एक्सेस कर लेते हैं और वह इसे अपने पास रखकर लीक कर सकते हैं।

क्लाउड बैकअप

जब आप अपने फोन में इस तरह का कंटेंट रिकॉर्ड करने के बाद डिलीट भी करते हैं, तो भी अपने आप वीडियो क्लाउड में बैकअप कर देता है। इससे अगर अकाउंट हैक हो जाए या फोन का पासवर्ड कमजोर हो तो वीडियो लीक हो सकता है।

पब्लिक वाई फाई का इस्तेमाल

वीडियो आपके फोन में कनेक्ट वाईफाई के जरिए भी लीक हो सकती है। फ्री वाईफाई कनेक्ट करने या पब्लिक वाईफाई से आपके फोन का एक्सेस हैकर्स के पास जा सकता है। इससे वह आपके फोन का डेटा इंटरसेप्ट कर सकते हैं।

लिंक पर क्लिक करने से

आपके फोन से वीडियो आपकी खुद की गलती से भी लीक हो सकती है। अगर आपने गलती से किसी अनजान ऐप पर क्लिक कर दिया, तो फोन का एक्सेस हैकर्स के पास जा सकता है। जिससे वह आपके फोन में मौजूद किसी भी वीडियो या फोटो को लीक कर सकता है। इसी तरह ओटीपी शेयर करने से भी ऐसा हो सकता है।

अच्छा खाना बनाती हैं? तो शुरू करें अपना क्लाउड किचन

अगर आप अच्छा खाना बना लेती हैं तो अपना खुद का क्लाउड किचन खोल सकती हैं।

■ शालिनी मेहता ■

क्लाउड किचन संचालक, भोपाल

अगर आपको खाना बनाने का शौक है और आप अपनी पाक कला से दूसरों को खुश कर सकती हैं। इसके लिए आपको कोई बड़ा रेस्टोरेंट को खोलने की जरूरत नहीं है। बस एक क्लाउड किचन खोलने का विचार आपके लिए बेहतरीन हो सकता है। क्लाउड किचन एक ऐसा बिजनेस मॉडल है, जहां ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से खाने का ऑर्डर लिया जा सकता है, बिना किसी पारंपरिक रेस्टोरेंट के सेटअप के। इससे आपको न केवल कम निवेश में बिजनेस शुरू करने का मौका मिलता है, बल्कि आप अपनी किचन से ही अपना ब्रांड बना सकती हैं। आजकल ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स ने क्लाउड किचन के मॉडल को और भी लोकप्रिय बना दिया है। इस बिजनेस को शुरू करने के लिए आपको सिर्फ एक अच्छी किचन और कुछ जरूरी लाइसेंस की जरूरत होती है। इन्हें पूरा करके आप अपने पाक कला के हुनर से लोगों का पेट भरकर बंपर कमाई कर सकती हैं।

इन बातों का ध्यान रखें

अब सबसे आखिर में जान लें कि क्लाउड किचन को खोलने के बाद आपको अच्छी पैकिंग और डिलीवरी सर्विस की भी आवश्यकता होगी ताकि ग्राहकों को संतुष्टि मिल सके। पैकिंग का खास ध्यान रखें। लीक प्रूफ पैकिंग ज्यादा बेहतर रहती है, क्योंकि इसमें आपका खाना सुरक्षित तरीके से ग्राहक के पास पहुंचेगा।

स्थान का चयन

क्लाउड किचन खोलने के लिए आपको एक स्थान की आवश्यकता होगी। ये स्थान आपका घर भी हो सकता है। अगर आपका क्लाउड किचन शहर से थोड़ा दूर हो , जहां कोई रेस्टोरेंट न हो, लेकिन काफी लोग रहते हों तो ज्यादा अच्छा रहेगा। शहर से दूर आपको बेहद सस्ते में भी जगह भी मिल सकती है।

लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन

क्लाउड किचन चलाने के लिए आपको कुछ जरूरी लाइसेंस की आवश्यकता होती है, जोकि निम्न हैं- - एफएसएसएआई (फूड सेफ्टी एंड स्टेंडर्ड अथारिटी ऑफ इंडिया) लाइसेंस

- जीएसटी रजिस्ट्रेशन
- ट्रेड लाइसेंस
- हेल्थ और फायर डिपार्टमेंट से जरूरी प्रमाणपत्र

कितनी आएगी लागत : क्लाउड किचन शुरू करने के लिए आपको कम से कम रु 50,000 से 1,00,000 तक का निवेश करना पड़ सकता है। इसमें किचन सेटअप, उपकरण, लाइसेंस, पैकिंग, और शुरुआती सामग्री की खरीद शामिल होगी। इसके अलावा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर लिस्टिंग फीस और डिलीवरी चार्जेज का खर्च भी होगा।

सर्द मौसम के 'सेहत-ए-जाम'

इस मौसम में सब्जियां प्रचुर मात्रा में बाजार में आती हैं। जिनसे गाजर-अदरक सूप, पालक सूप, टमाटर सूप, मशरूम सूप के अलावा स्वीट कॉर्न का टेस्टी सूप बना सकते हैं। वहीं सबको मिलाकर बनने वाला मिक्स वेज सूप भी एक हेल्दी विकल्प है। स्वाद बढ़ाने के लिए आप इसमें रागी या बाजरे का आटा भी मिला सकते हैं। सर्दियों में शरीर को गर्म रखने और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए वेज सूप बेहतरीन विकल्प है। गर्म सूप ना केवल स्वाद और सुकून देता है, बल्कि पाचन सुधारता है और थकान दूर करता है। यह इम्यूनिटी बढ़ाने में भी बेहद मददगार है, क्योंकि इसमें विटामिन, मिनरल्स, फाइबर भरपूर और कैलोरी कम होती है। यह ठंड से बचाने, कमजोरी दूर करने और मौसमी बीमारियों से बचाने में सहायक है, साथ ही यह हाइड्रेशन भी देता है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाता है।

इस मौसम में विविध तरीके के फल-सब्जियां प्रचुर मात्रा में बाजार में आते हैं। इनसे बनने वाले सूप शरीर को तुरंत ऊर्जा देते हैं और दिनभर ताजगी बनाए रखते हैं। सूप में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखता है और विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। रात के खाने से पहले सूप पीने से भूख कंट्रोल रहती है। यह वजन घटाने के लिए एक अच्छा विकल्प है। आइए गाजर, पालक, टमाटर और मशरूम जैसी सब्जियों से बने स्वादिष्ट और सेहतमंद सूप की आसान रेसिपी जानते हैं...

स्वादिष्ट वेज सूप

गाजर-अदरक सूप

क्या चाहिए- चार मध्यम आकार की गाजर छीलकर छोटे टुकड़ों में कटी हुई, एक इंच अदरक कद्दूकस किया हुआ, एक छोटा प्याज बारीक कटा हुआ, दो लहसुन की कलियां, एक चम्मच मक्खन या ऑलिव ऑयल, स्वादानुसार नमक, आधा चम्मच काली मिर्च और लगभग दो कप पानी।

कैसे बनाएं - सबसे पहले गैस पर एक कढ़ाही या पैन रखें और उसमें मक्खन या ऑलिव ऑयल गरम करें। जब तेल हल्का गरम हो जाए तो उसमें कटा हुआ प्याज और लहसुन डालें। धीमी आंच पर इन्हें तब तक भूनें जब तक प्याज हल्का पारदर्शी न हो जाए। अब इसमें कटी हुई गाजर और कद्दूकस किया अदरक डालें और 2-3 मिनट चलाते हुए भूनें। ताकि सब्जियों का स्वाद अच्छी तरह निकल आए। इसके बाद दो कप पानी डालें, ढककर मध्यम आंच पर गाजर के पूरी तरह नरम होने तक पकने दें। गैस बंद कर सूप को थोड़ा ठंडा होने दें, फिर मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। इस मिश्रण को वापस पैन में डालकर हल्की आंच पर गरम करें। अंत में नमक और काली मिर्च मिलाएं और गर्मागर्म परोसें।

ठंड के दिनों में सूप का सेवन गर्माहट प्रदान करता है, रोगों से बचाव करता है। इसे पीने से पाचन भी बेहतर होता है और ऊर्जा मिलती है। तो क्यों न शाम को विविध फल-सब्जियों से तैयार सूप गर्मागर्म पीया जाए।

पालक सूप

क्या चाहिए- पालक 300 ग्राम, टमाटर 2, अदरक 1/2 लंबा टुकड़ा , काला नमक 1/4 छोटी चम्मच, सादा नमक स्वाद अनुसार, काली मिर्च 1/4 छोटी चम्मच, नींबू का रस एक छोटा चम्मच,मक्खन एक बड़ी चम्मच, हरा धनिया 1 बड़ा चम्मच बारीक कटा हुआ।

कैसे बनाएं - सबसे पहले पालक की डंडियां काटकर अच्छे से साफ कर लें। उसके बाद पालक, टमाटर व अदरक छीलकर धो लें। पालक को काटकर एक बर्तन में रख लीजिए और टमाटर अदरक को भी काट कर पालक वाले बर्तन डाल दें। फिर उसमें एक कप पानी डालकर थोड़ी देर के लिए उबाल लीजिए। पालक के ठंडा होने पर उसे मिक्सी में अच्छी तरह ग्राइंड कर दें। इसमें थोड़ा सा पानी और मिलाकर, इस मिश्रण को फिर से गैस पर रखकर इसमें काला नमक, काली मिर्च और सादा स्वादानुसार नमक मिला लें। जब सूप में उबाल आने लगे तो तीन-चार मिनट के बाद गैस को बंद कर दें। सूप में नींबू का रस व ताजा मक्खन डालकर ऊपर से हरा धनिया डालकर सर्व करें।

टमाटर सूप

क्या चाहिए - पांच पके लाल टमाटर, एक छोटा प्याज, दो लहसुन की कलियां, एक चम्मच मक्खन, स्वादानुसार नमक, आधा चम्मच काली मिर्च, एक चुटकी चीनी और लगभग दो कप पानी।

कैसे बनाएं - सबसे पहले टमाटरों को पानी में उबाल लें ताकि उनका छिलका आसानी से निकल जाए। ठंडा होने पर छिलका उतारकर टमाटरों को मोटे-मोटे काट लें। अब कढ़ाही में मक्खन गरम करें और उसमें प्याज व लहसुन डालकर हल्का सुनहरा होने तक भूनें। इसके बाद उबले हुए टमाटर डालें और 4-5 मिनट तक पकाएं। अब इसमें पानी डालें और एक उबाल आने दें। गैस बंद करके मिश्रण को ठंडा होने दें, फिर मिक्सर में पीस लें। चाहें तो सूप को छान भी सकते हैं। दोबारा पैन में डालकर हल्की आंच पर गरम करें, नमक, काली मिर्च और जरूरत हो तो चीनी मिलाएं। गर्मागर्म टमाटर सूप तैयार है।

मिक्स वेजिटेबल सूप

क्या चाहिए- एक गाजर, आधा कप पत्ता गोभी, आधा कप मटर, कुछ बीन्स, एक छोटा प्याज, दो लहसुन की कलियां, स्वादानुसार नमक, आधा चम्मच काली मिर्च और तीन कप पानी।

कैसे बनाएं - सभी सब्जियों को धोकर छोटे टुकड़ों में काट लें। प्रेशर कूकर या गहरे बर्तन में सब्जियां, प्याज, लहसुन, नमक और पानी डालें। ढककर मद्धम आंच पर तब तक पकाएं। जब तक सब्जियां पूरी तरह नरम न हो जाएं। अब गैस बंद करें और सूप को थोड़ा ठंडा होने दें। चाहें तो इसे हल्का मैश करें या मिक्सर में दरदरा पीस लें। अंत में इसमें काली मिर्च मिलाकर गर्मागर्म परोसें।

स्वीट कॉर्न सूप

क्या चाहिए - एक कप उबला स्वीट कॉर्न, आधा कप बारीक कटी गाजर और बीन्स, एक चम्मच मक्खन, एक चम्मच कॉर्नफ्लोर, स्वादानुसार नमक, आधा चम्मच काली मिर्च और लगभग ढाई कप पानी।

कैसे बनाएं - उबले हुए स्वीट कॉर्न में से आधा भाग मिक्सर में हल्का दरदरा पीस लें। अब कढ़ाही में मक्खन गरम करें और उसमें कटी हुई गाजर और बीन्स डालकर 2-3 मिनट तक चलाते हुए भूनें। जब सब्जियां हल्की नरम हो जाएं, तब पिसा हुआ कॉर्न और बाकी साबुत कॉर्न डालें। अब पानी डालें और सूप को उबलने दें। एक कटोरी में कॉर्नफ्लोर को थोड़े पानी में घोलकर धीरे-धीरे सूप में मिलाएं और लगातार चलाते रहें ताकि गांठ न बने। जब सूप हल्का गाढ़ा हो जाए, तब नमक और काली मिर्च डालकर गैस बंद कर दें।

मशरूम सूप

क्या चाहिए : एक कप मशरूम धोकर कटे हुए, एक छोटा प्याज, दो लहसुन की कलियां, एक चम्मच मक्खन, आधा कप दूध, स्वादानुसार नमक, आधा चम्मच काली मिर्च और डेढ़ कप पानी।

कैसे बनाएं - कढ़ाही में मक्खन गरम करें और उसमें प्याज व लहसुन डालकर हल्का भूनें। जब खुशबू आने लगे, तब कटे मशरूम डालें और उन्हें तब तक पकाएं जब तक उनका पानी सूख न जाए और वे नरम न हो जाएं। अब पानी डालकर 5-7 मिनट तक उबालें। गैस बंद कर सूप को थोड़ा ठंडा करें और मिक्सर में पीस लें। फिर इसे वापस पैन में डालें, दूध मिलाएं और हल्की आंच पर 2-3 मिनट गरम करें। नमक और काली मिर्च मिलाकर सूप परोसें।

सिंधियों ने कहा हम सवा करोड़, कुर्बानी बेमिसाल, फिर भी भारत में बेगाने क्यों?

भाषा की हुई क्षति, सिंधु प्रवाह कार्यक्रम में छलका दर्द

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। हम देश में सवा करोड़, उत्तराखंड राज्य से भी अधिक। देश की आजादी में हमारा अहम योगदान, आजाद भारत की खातिर हमने अपनी जन्म स्थली तक को कुर्बान कर दिया, लेकिन बदले में आजाद भारत में हमें कुछ नहीं मिला। अगर अलग प्रदेश होता तो पांच सात सांसद, 70-80 विधायक, दो चार राज्य सभा सासंद होते, आज जो सिंधी भाषा, कला, साहित्य व संस्कृति की दुर्गति और फजीहत हुई है, वह नहीं होती। हमारी सामाजिक व राजनीतिक ताकत होती। सिंधी वक्ताओं का यह दर्द सिंधु प्रवाह नई दिशा नई उर्जा कार्यक्रम में छलक कर सामने आया। कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र सरकार के अधीन राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, उस संस्थान ने किया था, जिसकी बागडोर सालभर से एक गैर सिंधी भाषी के हाथों में है। सिंधी मेला समिति के अध्यक्ष मनीष दरियानी एवं महासचिव नरेश तलरेजा की अगुवाई में हुए इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता तो न्यूज 18 के प्रबंध सम्पादक किशोर अजवनी थे, लेकिन दक्षिण पश्चिम भोपाल के भाजपा विधायक एवं भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय संरक्षक भगवानदास सबनानी ने अध्यक्षा की। भगवानदास सबनानी का भाषण सबसे अधिक प्रभावी एवं मन को छू लेने वाला था, जिसमें एक ऐसा दर्द समाया था, कि सुनने वाले स्पब्ध रह गए। उन्होंने कहा कि आज अगर सिंध भारत को मिल भी गया तो वहां कौन जाएगा। लेकिन जब 25 साल पूर्व छत्तीसगढ़ अलग हुआ, उसके बाद पता चला कि अलग प्रदेश का वजूद क्या होता है, वहां छत्तीसगढ़ की संस्कृति व भाषा का नए सिरे से उत्थान व विकास हुआ। अगर हमारा प्रांत होता तो इन सभी चीजों के लिए इधर उधर भटकना नहीं पड़ता। हम किसको दोष दें क्योंकि आजादी के तत्काल बाद पूर्वजों के लिए वजूद बचाना प्राथमिकता थी

बर्बाद कर रही नई पीढ़ी: नई पीढ़ी पर आक्षेप करते हुए समारोह में कहा गया कि आज की चैथी पीढ़ी पैसे को बर्बाद कर रही है, कल के लिए क्या करना है, उसकी चिंता नहीं है सिंधियों की कुछ संस्थाएं क्लब कल्चर का काम कर रही हैं। जबकि सिंधी समाज के भीतर एक वर्ग ऐसा भी है, जिसे शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार के लिए मदद की जरूरत है। इसके लिए सही सही आंकड़ा चाहिए कि हम कितेन हैं। वक्ताओं ने भाषाई आधार पर बने प्रांतों को किसी तरह की संस्कृति व सभ्याता का कोई खतरा नहीं है, उसकी विस्तार से जानकारी प्रदान की। सिंधी श्रोताओं से खचाखच भरे इस समारोह में कहा गया कि हम सवा करोड़ सिंधी हैं अगर प्रदेश मिला तो वहां केवल सिंधी नहीं गैर सिंधी भी होंगे तब हमारी भाषाई, सामाजिक, राजनीतिक ताकत कुछ अलग ही होगी। जबकि प्रांत के अभाव में मातृ भाषा, सभ्याता एवं संस्कृति धीरे धीरे लुप्त हो रही है।

हो थिंक टैंक सगठन: वक्ताओं ने कहा कि ऐसा कोई संगठन हो जो इस पृथक प्रदेश की धारणा को बल दे। वक्त की जरूरत है कि थिंक टैंक संगठन बने, जो समाज को दिशा व दशा प्रदान करे। उन्होंने कहा कि सिंधियों में एकता समय की सख्त जरूरत है। सिंधी बाहुल्य उल्हास नगर में 5 लाख सिंधियों के बाद भी चर्चों की संख्या बढ़ने पर भी सवाल उठाए। समारोह में किशोर अजवानी ने सिंध प्रदेश व सिंधियों के इतिहास पर विस्तार से रोशनी डाली। इससे पूर्व एनसीपीएसएल के सदस्य मनीष देवनानी ने भी विस्तार से अपनी बात रखी। जाने माने कलाकार मोहित शेवानी के नतृत्व में जर्नी आफ सिंधी की प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर विधान सभा के पूर्व प्रमुख सचिव भगवानदेव इसरानी, संत नगर सिंधी सेन्ट्रल पंचायत अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश इसरानी, उपाध्यक्ष नरेश चोटरानी, विश्व सिंधी सेवा संगठन के विजय पाहूजा, ताराचंद बच्चानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ऐसे बन सकता है सिंधु प्रांत

भले ही सिंधु प्रवाह कार्यक्रम में वक्ताओं की पीढ़ा सामने आई, लेकिन अगर आरएसएस एवं भाजपा विचाराधारा वाली राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था भारतीय सिंधु सभा खुद थिंक टैंक संस्थान बने, तो 1948 के भाई प्रताप के प्रस्ताव अनुसार राजस्थान के जेसलमेर, बाड़मेर, पाली, मारवा, गुजरात का पोरबंदर, कच्छ, गांधीधाम जिलों को मिलाकर पृथक सिंधु प्रदेश बनाने के लिए केन्द्र सरकार को राजी कर सकती है और वहां आने वाले हर सिंधी हिन्दु को आवास हेतु जमीन 500 रुपए व कारखाना लगाने व कारोबार करने के लिए जमीन अगर 200 रुपए प्रति वर्गफीट मूल्य पर आवंटित की जाए, तो देश ही नहीं दुनियाभर में फैले सिंधी हिन्दु वहां बसने को तैयार हो सकते हैं, बशर्ते भारतीय सिंधु सभा विपरीत विचारों वाले लोगों को भी अपने साथ मिलाए, तो आजादी के 78 साल बाद भारत में पृथक सिंधु प्रदेश की परिकल्पना साकार हो सकती है।

विहिप बजरंगदल की कबड्डी प्रतियोगिता का समापन

बैरसिया। विश्व हिन्दू परिषद बजरंगदल ज़िला वीर सावरकर द्वारा कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन ईंटखेड़ी इस्तिथ श्री हनुमान मंदिर प्रांगण में सम्पन्न हुआ,जिसमें वीर सावरकर जिले के सातों प्रखंडो की टीमों ने हिस्सा लिया, कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित विहिप भोपाल विभाग मंत्री जीवन शर्मा ने बताया कि कबड्डी शौर्य, साहस का खेल है, जिस प्रकार से एक अकेला खिलाडी विरोधी खिलाड़ियों को पराजित करके झंडा गाड़कर आता है, उसी तरह बजरंगदल का हर कार्यकर्ता शौर्य, साहस का परिचय हिन्दू धर्म के लिए देता है, इसी उद्देश्य के साथ विहिप बजरंगदल ने यह प्रतियोगिता का आयोजन किया है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित बजरंगदल भोपाल विभाग संयोजक अभिजीत सिंह राजपूत ने बताया कि खेल प्रतियोगिता से कार्यकर्ताओ में आत्मबल, मानसिक व शारीरिक रूप से मजबूत होते है,विलुप्त हो चुके स्वदेशी खेलो के प्रति प्रोत्साहित करना है कार्यक्रम में सात प्रखंडो की टीम ने हिस्सा लिया है, विजेता टीम प्रान्त स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विहिप भोपाल विभाग मंत्री जीवन शर्मा, बजरंगदल भोपाल विभाग संयोजक अभिजीत सिंह राजपूत, ज़िला कोषाध्यक्ष अम्बिका प्रसाद खरे, वीर सावरकर ज़िला मंत्री नितिन साहू, ज़िला सह मंत्री राजेंद्र नामदेव, विजेंद्र सिंह परिहार, रवि कुशवाह, बजरंगदल ज़िला संयोजक अभिषेक शर्मा, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता बेंच प्रेस नितिन कोली,बजरंगदल गौरक्षा प्रमुख बलवीर यादव, ज़िला समरसता प्रमुख अनिल शर्मा, ज़िला गौसेवा प्रमुख मस्तराम, ज़िला प्रचार प्रसार प्रमुख कैलाश कुशवाह, सह प्रचार प्रसार प्रमुख विकास यादव, ज़िला सत्संग प्रमुख अभिषेक कुशवाह, ज़िला सह विद्यार्थी प्रमुख यश धाकड़ सहित समस्त प्रखंडो के प्रखंड पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिगड़ेगा मौसम, एयर इंडिया व इंडिगो ने जारी की एडवाइजरी

दुबई से आई एक और नॉन शेड्यूल स्पेशल इंटरनेशनल फ्लाइट

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। एयर इंडिया एवं इंडिगो। दोनो ही कम्पनियों ने आगामी दिनों में मौसम की संभावित समस्या को ध्यान में रखते हुए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि एयरलाइन्स मौसम की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है और यात्रियों को सुरक्षित व सुचारू रूप् से उनके गंतव्य तक पहुंचाने की पूरी कोशिष कर रही है, लेकिन दिल्ली व उत्तर भारत के अनेक शहरों में घने कोहरे के कारण उड़ानों के समय पर प्रभाव पड़ने की आशंका है। कम दृश्यता के कारण फ्लाइटें लेट हो सकती है, डायवर्ट भी की जा सकती हैं, हालांकि भोपाल हवाई अड्डे पर कैट-2 की स्थापना के बाद 350 मीटर की कम दृश्यता में ही लैंडिंग की सुविधा है, बावजूद इसके कहा गया है कि फ्लाइट कैंसिल होने पर पूरे नेटवर्क व फर्क पड़ सकता है। एडवाइजरी में कहा गया है कि जिन यात्रियों की फ्लाइट कोहरे से प्रभावित हो सकती हैं, उनहें पहले ही सूचना दी जा रही है ऐसे यात्री बिना अतिरिक्त शुक्ल फ्लाइट री-शेड्यूल कर सकते हैं या बिना किसी पेनल्टी के पूरी रकम वापस भी ले सकते हैं। इसके अलावा यह भी आग्रह किया गया है कि यात्रा से पहले अपनी फ्लाइट की ताजा स्थिति वेबसाइट पर जरूर देखें। कोहरे और संभावित देरी को देखते हुए एयरपोर्ट पहुंचने के लिए थोड़ा ज्यादा समय लेकर चलें। अगर फ्लाइट में देरी, बदलाव याँ सिलेशन होता है, तो एयरलाइंन का ग्राउंड स्टाफ यात्रियों की मदद क लिए उपलब्ध रहेगा।

भोपाल से दोनो की सेवाएं: राजा भोज एयरपोर्ट पर एयर इंडिया एवं इंडिगों की सेवाएं हैं इनमें से दिल्ली एवं मुम्बई के लिए एयर इंडिया की दो दो उड़ाने हैं, जबकि इंडिगो की दिल्ली, मुम्बई, अहमदाबाद, हैदराबाद, बैंगलुरू, प्रयागराज, रायपुर एवं गोवा के अलावा पुणे के लिए फ्लाइट है, इस तरह 18 में से 4 उड़ाने एयर इंडिया की तो 14 फ्लाइट इंडिगो की हैं। इंडिगो एवं एयर इंडिया की कुछ उड़ाने ऐसी हैं, जो देशभर के अलावा विदेशों से भी कनेक्टिविटी प्रदान करती हैं।

दुबई से स्पेशल उड़ान

दुबई सहित खाड़ी के देशों के अलावा सिंगापुर एवं बैंकांक से अक्सर नान शैड्यूल फ्लाइट के आने का सिलसिला लगातार जारी है। रविवार को भी सुबह के वक्त दुबई से स्पेशल चार्टर प्लेन राजा भोज विमान तल पर लैण्ड हुआ। उसने इमग्रेशन, कस्टम सहित अन्य इंटरनेशनल स्तर की औपचारिकतां पूरी और कुछ घंटों बाद उसने वापस दुबई के लिए उड़ान भरी। दुबई से यह फ्लाइट खाली आई थी और भोपाल से दो यात्रियों को लेकर दुबई उड़ान भरी।

मौनी अमावस्या पर लगाई आस्था की डुबकी

जागरण संवाददाता ओबेदुल्लागंज। मौनी अमावस्या के पावन अवसर पर नर्मदा तटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण हाईवे और प्रमुख मार्गों पर भी काफी हलचल देखी जा रही है श्रद्धालुओं ने ब्रह्म मुहूर्त से ही नर्मदा नदी के विभिन्न घाटों, होशंगाबाद का सेठानी घाट, वुधनी घाट और ओंकारेश्वर पर आस्था की डुबकी लगाना शुरू कर दिया। मौन व्रत का महत्व- मौनी अमावस्या पर मौन रहकर स्नान और दान करने का विशेष महत्व है, इसलिए बड़ी संख्या में भक्त बिना बोले मानसिक जाप करते हुए नजर आए। स्नान के बाद लोग घाटों पर तिल, गुड़ और वस्त्र दान करते नजर आए नर्मदा स्नान के लिए निकलने वाले वाहनों की वजह से कई नेशनल और स्टेट हाईवे पर दबाव बढ़ गया। निजी वाहनों, बसों और ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर श्रद्धालु घाटों की ओर जाते देखे गए भीड़ को देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने कई जगहों पर रूट डायवर्ट किए हैं ताकि जाम की स्थिति न बने। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मौनी अमावस्या के दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है और पापों का नाश होता है।

राजा भोज ग्राम भारती शिक्षा समिति की कार्यशाला सम्पन्न

बैरसिया। राजा भोज ग्राम भारती शिक्षा समिति की जिला भोपाल इकाई द्वारा विद्या विहार, बेरसिया में एक दिवसीय शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ, जिसमें उपस्थित प्रमुख अतिथियों ने शिक्षा के प्रसार, संस्कारों के महत्व तथा विद्यालयों के सुदृढ़ संचालन पर अपने विचार व्यक्त किए।कार्यशाला की भूमिका जिला प्रमुख दुर्गा प्रसाद चक्रधारी ने रखी। सचिव पदम सिंह ठाकुर ने विगत तीन वर्षों में समिति द्वारा की गई गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने विद्यालयों की प्रगति, चुनौतियों एवं उपलब्धियों पर चर्चा की। प्रांतीय अधिकारी इंदर सिंह परमार ने विद्या-दान, देयांश, शुल्क संरचना एवं शुल्क संग्रह की व्यवस्थित योजना पर बल देते हुए इसे शिक्षा संस्थानों की मजबूती का आधार बताया।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग खण्ड शहडोल, पाण्डवनगर शहडोल (म.प्र.)

Web site: www.mpphe.gov.in Email :- eephedshd@mp.nic.in
Phone No. 07652-240307 Fax No. 07652-240307

पत्र क्रमांक 92/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2025-26 शहडोल, दिनांक 12.01.2026

निविदा प्रकाशन सूचना

शहडोल जिले के अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कार्यों की निविदा ई-टेंडरिंग पद्धति से मईपजम http://mptenders.gov.in निविदा प्रारूप एपेन्डिक्स 2.1 पर आमंत्रित की जाती है। जिसमें ऑन लाईन निविदा प्रपत्र क्रय की अंतिम तिथि 27.01.2026 सायं 5.30 बजे तक नियत है निविदा प्रपत्र दिनांक 29.01.2026 को पूर्वान्ह 11.00 बजे खोले जावेंगे। निविदाओं का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है।

निविदा क्र0	ऑन लाईन निविदा क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित राषि (रू. लाख में)	अमानत राषि (रूपये में)	निविदा प्रपत्र की राषि (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा आमंत्रण संख्या
37	469020	Construction of WTP and Intake well work	377.18	377180.00	15000.00	09 माह	प्रथम
39	469020	Construction of OHT and Pipe line work	56.52	56520.00	12500.00	09 माह	प्रथम

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड
शहडोल (म.प्र.)

जी-24515/25

SUDOKU 123

	2		3			1		7
9	1			6				8
6						4		
		1			7			
		3		4		8		
			8			6		
		6						2
1				7			4	9
7		9			5		1	

SOLUTIONS 122

9	6	7	5	3	1	8	4	2
1	3	8	4	7	2	6	5	9
5	2	4	6	8	9	1	3	7
7	5	2	1	9	8	3	6	4
6	4	9	3	2	5	7	8	1
8	1	3	7	4	6	2	9	5
3	8	5	2	1	4	9	7	6
4	7	1	9	6	3	5	2	8
2	9	6	8	5	7	4	1	3

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

विवेकानंद बस्ती में हुआ हिन्दू सम्मेलन

हिन्दू धर्म और सनातन हमेशा से हैं और रहेंगे : संत लाल साई

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित हिंदू सम्मेलनों की श्रृंखला के अंतर्गत रविवार को विवेकानंद बस्ती का हिंदू सम्मेलन संस्कार विद्यालय में सम्पन्न हुआ जिसमें गौमाता पूजन, कन्या पूजन, हनुमान चालीसा का पाठ, भारत माता की आरती, भजनों एवं देषभक्ति गीतों का आयोजन हुआ।

सनातन को समझना होगा: इस अवसर पर वेदांत संत एवं विचारक लाल साईं महाराज ने कहा कि सभी अपने अपने बच्चों को संघ में भेजे जिससे वह हिन्दू धर्म व सनातन पद्धति को समझे क्योंकि जो धर्म को धारण करेगा, धर्म उसे धारण करेगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म का मतलब है कि जन्म व मृत्यु दोनो ही भारत की सेवा के लिए समर्पित है। हमें हमेशा इस भावना का विचार करना है कि जो बोओगे वही काटोगे क्यों कि काल चक्र हमेशा चलता रहता है कुछ भी समाप्त नहीं होता, हिन्दू धर्म व सनातन धर्म हमेश ही रहेगा। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नितिन केकरे, संत तुलसी उदासी, शशि शर्मा, वेदांत संत एवं विचारक लाल साईं महाराज परिस्थत थे। मुख्य वक्ता के रूप निनित केकरे जी ने सभी का अभिवादन करते हुए कहा कि हमारा देश वीरों का देश है, सम्पन्न देश है जिसकों सोने की चिड़िया कहा जाता है, हमारे देष की सम्पन्नता की कोई तुलना नहीं है। सनातन धर्म के कारण ही 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर का निर्माण हुआ था।

पूर्व मध्य रेल

खुली ई-निविदा सूचना

सं0. सोनपुर 2025-26 (193-206, 199, 200 एवं 202 को छोड़कर)

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)/ सोनपुर भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। ई-निविदा की अंतिम तिथि **06.02.2026 को 13.00** बजे तक निर्धारित है। ई-निविदा संबंधी एवं निविदा प्रपत्र का अवलोकन वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर किया जा सकता है। **कार्य का नाम (193):** सोनपुर मंडल : आरजीएम/मशीन साइडिंग का उन्नयन - 15 अदद (वमंइ/I/सोनपुर के अनुभाग में केवल 5 अदद)। **अनुमानित लागतः** रू 2,19,82,959.00/-. **बयाने की राशिः** रू 2,59,900.00/-. **कार्य का नाम (194):** बरौनी में 4 युनिट टाइप - IV कर्मचारी आवास का निर्माण। **अनुमानित लागतः** रू 1,70,20,003.45/-. **बयाने की राशिः** रू 2,35,100.00/-. **कार्य का नाम (195):** सोनपुर मंडल : आरजीएम/मशीन साइडिंग का उन्नयन -15 अदद (वमंइ/III/सोनपुर के अनुभाग में केवल 5 अदद)। **अनुमानित लागतः** रू 2,19,88,711.84/-. **बयाने की राशिः** रू 2,60,000.00/-. **कार्य का नाम (196):** सोनपुर सानपुर में सोनपुर रेलवे कॉलोनी में चाहरदीवारी का निर्माण। **अनुमानित लागतः** रू 1,06,57,790.20/-. **बयाने की राशिः** रू 2,03,300.00/-. **कार्य का नाम (197):** सोनपुर : (क) मंरेप्र कार्यालय के पार्क, रेवले अस्पताल, अधिकारी क्लब, चिल्ड्रेन पार्क, स्टेशन, सर्कुलेटिंग एरिया, अधिकारी बंग्ला, कर्मचारी आवास आदि का विशेष रखरखाव। (ख) रेलवे परिसर एवं कॉलोनी में मौजूद स्टोर्म जल निकासी की सफाई एवं खारापन दूर करने का कार्य। (ग) रेलवे कॉलोनी में जंगल की नियमित सफाई का कार्य। **अनुमानित लागतः** रू 79,99,132.25/-. **बयाने की राशिः** रू 1,60,000.00/-. **कार्य का नाम (198):** वसेई/रेलपथ/शाहपुर पटोरी के अधीन बछवारा (छोड़)-हाजीपुर में ट्रैक के रखरखाव का कार्य। **अनुमानित लागतः** रू 1,39,93,007.37/-. **बयाने की राशिः** रू 2,20,000.00/-. **कार्य का नाम (201):** सोनपुर मंडल : आरजीएम/मशीन साइडिंग का उन्नयन - 15 अदद (वमंइ/II/सोनपुर के अनुभाग में केवल 5 अदद)। **अनुमानित लागतः** रू 2,19,82,723.74/-. **बयाने की राशिः** रू 2,59,900.00/-. **कार्य का नाम (203):** हाजीपुर में पुराने महाप्रबंधक भवन के कार्यालयों एवं अधिकारी कक्षों के क्षतिग्रस्त शौचालय फिटिंग, दरवाजे, खिड़कियॉ, दीवारें एवं फर्श की मरम्मत, पेंटिंग एवं बदलाव का कार्य। **अनुमानित लागतः** रू 1,11,99,989.39/-. **बयाने की राशिः** रू 2,06,000.00/-. **कार्य का नाम (204):** सोनपुर में समइ/भूमि/सोनपुर के अधीन 24 माह के लिए अधिकारी विश्राम ग्रह का वार्षिक रखरखाव। **अनुमानित लागतः** रू 55,23,981.21/-. **बयाने की राशिः** रू 1,10,500.00/-. **कार्य का नाम (205):** नयागॉव, शीतलपुर एवं दिघवारा में प्रतिस्थापन खाते पर वसेइ/कार्य/हाजीपुर के अधीन 14 यूनिट टाइप - III कर्मचारी आवास का निर्माण। **अनुमानित लागतः** रू 3,75,44,365.58/-. **बयाने की राशिः** रू 3,37,700.00/-. **कार्य का नाम (206):** हाजीपुर : मॉड्यूलर वर्क स्टेशन के प्रावधान के साथ महाप्रबंधक कार्यालय परिसर में सुधार। **अनुमानित लागतः** रू 1,40,91,904.11/-. **बयाने की राशिः** रू 2,20,500.00/-. उपरोक्त निविदा सूचना वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी रेल का अधिकार - किसी भी निविदा को स्थगित करने/निरस्त करने अथवा निविदा में सुधार करने हेतु रेलवे का अधिकार सुरक्षित रहेगा। निविदादाता का इसमें कोई दावा मान्य नहीं होगा।

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी0)
पूर्व मध्य रेल, सोनपुर

पीआर/1630/एसईई/टी/25-26/100

राशिफल

मेष : आज मन प्रसन्न रहेगा, परंतु आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

वृषभ : आज कड़ी मेहनत का फल मिलेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। परिवार में सुख-शांति रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

मिथुन : आर्थिक रूप से दिन सामान्य रहने वाला है। नौकरी हेतु साक्षात्कार आदि कार्यों में सफल रहेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कर्क : आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। आय में वृद्धि होगी। व्यापार भी अच्छा है, मानसिक परेशानी बनी रहेगी।

सिंह : शैक्षिक कार्यों में नई उपलब्धियां हासिल करेंगे। वाणी में मधुरता रहेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। भागदौड़ अधिक रहेगी। कारोबार के लिए माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

तुला : आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परंतु मन परेशान भी रहेगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

वृश्चिक : परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। महत्वपूर्ण निर्णय सोच समझकर लें। भावनाओं में बहकर के कोई निर्णय न लें। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी।

धनु : विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय रहेगा। लिखने, पढ़ने के लिए अच्छा समय रहेगा। वाहन की खरीदारी का प्रबल योग होगा व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। व्यापार में विस्तार के योग हैं।

मकर : यात्रा का योग बनेगा। धैर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

कुंभ : स्वास्थ्य में सुधार होगा। व्यापार अच्छा है। सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। आर्थिक या पारिवारिक कोई रिस्क मत लीजिएगा।

कन्या : भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी का प्रबल योग होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से यह शुभ समय होगा। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी।

मीन : जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। व्यापार भी अच्छा है। थोड़ा स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

आज का पंचांगः 19 जनवरी सोमवार 2026। **दिशाशूल :** पूर्व दिशा में रहेगा। **पर्व एवं त्योहार :** गुप्त नवरात्र प्रारंभ। विक्रम संवत 2082 शके 1947 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा 26 घंटे 15 मिनट तक, तत्पश्चात द्वितीया उत्तराआषाढ़ा नक्षत्र 11 घंटे 53 मिनट तक, तत्पश्चात श्रवण नक्षत्र वज्र योग 23 घंटे 46 तक, तत्पश्चात सिद्धि योग मकर में चंद्रमा।

सतलापुर में श्री पंचकुण्डीय महारुद्र महायज्ञ का शुभारम्भ

मंडीदीप। सतलापुर क्षेत्र में आयोजित श्री पंचकुण्डीय महारुद्र महायज्ञ एवं संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा महोत्सव का शुभारम्भ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में हुआ। पिपलेश्वर महादेव मंदिर महायज्ञ समिति के तत्वावधान में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ के शुभारम्भ अवसर पर भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा पिपलेश्वर महादेव मंदिर परिसर से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रारंभ हुई। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर नगर के प्रमुख मार्गों से होकर यात्रा निकाली। ढोल-नगाड़ों, भजन-कीर्तन और जयघोष के साथ पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो उठा।

जाहिर सूचना

परिशिष्ट B- संख्यांक 1.3
जिला एवं सत्र न्यायालय भोपाल
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश, कनिष्ठ खंड, भोपाल

(आदेश 5 नियम 20 व्यवहार प्रक्रिया संहिता 1908 के अंतर्गत प्रकाशन हेतु) आरसीएस 526/2025 विजय सिंह कुर्मी बनाम अभिषेक त्यागी NEXT DATE: 05-02-2026

प्रेषिती-
अभिषेक त्यागी
लक्ष्मीनारायण त्यागी
पता - **पूर्व अध्यक्ष नवीन तात्या टोपे गृह निर्माण सहकारी संस्था मयादित निवासी मकान नं 28 कृष्णा हाउसिंग सोसायटी चूना भटटी भोपाल**

यह कि प्रार्थी विजय सिंह कुर्मी ने आपके विरुद्ध आरसीएस ए/526/2025 के लिए वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में सूचना के प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात/हाजिर होने के लिये सम्मन किया जाता है, आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर (अधिवक्ता) द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस बाद में संबंधित सभी सारवान कथनों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हो, और यदि आप अन्य किसी दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो ऐसी सभी दस्तावेज की लिखित कथन के साथ उपलब्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई अवधि में इस न्यायालय में उपस्थित नहीं होंगे तो वाद की एक पक्षीय सुनवाई कर उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। साथ ही यह भी सूचित किया जाता है कि यदि आप निराकरण मध्यस्थ के माध्यम से करने के इच्छुक हैं तो पीठासीन अधिकारी को अवगत करावें।

यह आज तारीख 06-01-2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायालय की मुद्रा

न्यायाधीश
जयदीप मौर्य
द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश
कनिष्ठ खंड भोपाल

कार्यालय रक्षित निरीक्षक रक्षित केन्द्र जिला रायसेन (म.प्र.)

क्र./ पु0अ0 / रायसेन/र.नि./ ई.नि./57/2026 दिनांक 10.1.2026

ई-खुली निविदा आमंत्रण विज्ञप्ति

जिला पुलिस ईकाई रायसेन में वित्तीय वर्ष 2025-26 विभागीय परिसंपत्तियों को संधारण -33 अनुरक्षण 001 स्थाई संपत्तियों का अनुरक्षण मद के अन्तर्गत प्रशासकीय भवन सायबर सेल कार्यालय रायसेन में मरम्मत एवं रेनोवेशन का कार्य, पुलिस लाईन स्थित प्रशासकीय भवन में प्रसाधन मरम्मत कार्य एवं रक्षित निरीक्षक कार्यालय परिसर में पार्किंग टीन सेड मरम्मत कार्य कराने की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है । उपरोक्त मरम्मत कार्य पंजीकृत ठेकेदारों से कराया जाना है।

उल्लेखनीय है कि मरम्मत कार्य हेतु आन-लाईन खुली निविदायें समय सारणी अनुसार www.mptenders.gov.in पर आमंत्रित की गई, इच्छुक निविदाकर्ता मरम्मत कार्य का प्राक्लन रक्षित निरीक्षक कार्यालय रायसेन से प्राप्त कर सकते है । प्राप्त निविदायें दिनांक 19-01-2026 के 12.00 बजे तक रक्षित निरीक्षक कार्यालय, रायसेन में क्रय समिति के समक्ष खोली जावेगी । कार्य का विवरण निम्नानुसार है -

क्र.	प्रस्तावित कार्य का नाम	स्वीकृत राशि	धरोहर राशि	कार्य की अवधि (कार्यादेश जारी होने की दिनांक से)
1	सायबर सेल कार्यालय रायसेन मरम्मत एवं रेनोबेशन का कार्य	1,48,444/-	4,454/-	30 दिवस
2.	पुलिस लाईन स्थित प्रशासकीय भवन प्रसाधन कक्षों में मरम्मत कार्य	2,12,405/-	6,372/-	
3.	रक्षित निरीक्षक कार्यालय परिसर पार्किंग टीम सेड मरम्मत कार्य	1,32,498/-	3,975/-	
	योग	4,93,347/-	14,801/-	

समय सारणी

क्र.	विवरण	दिनांक/समय
1.	निविदा प्रकाशन दिनांक	10.01.2026
2.	निविदा जमा करने का प्रारंभ दिनांक	11.01.2026
3.	निविदा जमा करने की अंतिम दिनांक	17.01.2026 समय 17.00 बजे
4.	निविदा खोलने का दिनांक	19.01.2026 समय 12.00 बजे

पुलिस अधीक्षक
जिला रायसेन

जी-24543/25

37 साल में पहली बार न्यूजीलैंड ने भारत में जीती वनडे सीरीज

मिचेल और फिलिप्स के शतक से निर्णायक वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 41 रन से हराया, तीन मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम की

जेएनएन, इंदौर

स्टार बल्लेबाज विराट कोहली (124) का 54वां वनडे शतक भी भारतीय टीम के काम नहीं आ सका, जिससे न्यूजीलैंड ने डेरिल मिचेल (137) और ग्लेन फिलिप्स (106) के शतक के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से रविवार को तीसरे और अंतिम मैच में 41 रन की जीत से सीरीज 2-1 से अपने नाम की। न्यूजीलैंड के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण था, क्योंकि उसने 1989 से द्विपक्षीय वनडे मुकाबलों के लिए भारत का दौरा शुरू किया था, लेकिन यहां कभी भी सीरीज नहीं जीती थी। इस जीत से उसने 37 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का इंतजार खत्म किया। इससे पहले पिछले साल न्यूजीलैंड ने भारत में पहली बार टेस्ट सीरीज भी जीती थी और तब से भारतीय टेस्ट टीम को घर पर भी लगातार दुर्लभ हारों का सामना करना पड़ रहा है।

भारत के तेज गेंदबाजों के शुरुआती झटकों के बावजूद न्यूजीलैंड ने मिचेल के लगातार दूसरे शतक और फिलिप्स के तूफानी सैकड़े से आठ विकेट पर 337 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। मिचेल और फिलिप्स ने चौथे विकेट के लिए 188 गेंद में 219 रन की साझेदारी की। कोहली का दबाव में खेला गया शानदार और जुझारू शतक भारतीय टीम के काम नहीं आ सका, जिससे टीम जवाब में 46 ओवर में 296 रन पर ढेर हो गई। इससे भारत को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड से पहली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में हार का मुंह देखना पड़ा।

दूसरे छोर पर विकेट गिरते रहे, लेकिन कोहली डटे रहे और पारी के अंत में आउट हुए। न्यूजीलैंड के लिए जैकरी फोक्स ने 77 रन देकर तीन और क्रिस्टियन क्लार्क ने 54 रन देकर तीन-तीन विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरे भारत की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 71 रन पर चार विकेट खो दिए थे। फिर कोहली और नीतीश कुमार रेड्डी (53) ने पांचवें विकेट के लिए 88 गेंद में इतने ही रन की साझेदारी निभाई। कोहली ने लेनोक्स पर एक रन लेकर अर्धशतक पूरा किया, तो वहीं नीतिश ने ग्लेन फिलिप्स पर काउ कॉर्नर पर छक्का जड़कर अर्धशतक पूरा किया। पर चार गेंद बाद ही क्लार्क की गेंद को पुल करने की कोशिश में यंग को कैच थमा बैठे। वह अपने शॉट से काफी निराश दिख रहे थे, क्योंकि भारत को इस भागीदारी की जरूरत थी। रोहित शर्मा (11 रन) ने पारी की पहली ही गेंद पर चौका जड़कर फिर शानदार अंदाज में शुरुआत की। दूसरे छोर पर कप्तान शुभमन गिल भी शॉट लगाकर अच्छी लय में दिख रहे थे। चौथे ओवर में जैकरी फॉक्स पर रोहित ने एक्स्ट्रा कवर पर अपनी पारी का दूसरा चौका लगाया, लेकिन अगली गुड लेंथ को जल्दी खेलने के कारण मिडऑन में क्लार्क को कैच देकर आउट हो गए। कोहली अब क्रीज पर थे, उन्होंने फॉक्स पर डीप मिडविकेट पर छक्का लगाकर इरादे जाहिर किए। हालांकि सातवें ओवर में भारत को दूसरा झटका गिल (23 रन) के रूप में लगा जो काइल जैमीसन की गेंद को डिफेंड करने के प्रयास में थे लेकिन यह उनके स्टंप पर जा लगी।

10 वां शतक (7 वनडे और 3 टेस्ट) विराट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ सभी फार्मेट में जड़ा। इसके साथ ही उन्होंने सचिन तेंदुलकर, जो रूट और जैक्स कैलिस का रिकॉर्ड तोड़ दिया। इन तीनों ने न्यूजीलैंड के विरुद्ध 9-9 शतक जमाए हैं।

- न्यूजीलैंड, भारत के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए सबसे ज्यादा बार 300 या उससे अधिक का स्कोर बनाने वाली टीमों की लिस्ट में वेस्टइंडीज के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गई है। कीवी टीम ने अब तक 8 बार यह कारनामा किया है। शीर्ष पर ऑस्ट्रेलिया(22) है।
- विराट ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना 7वां वनडे शतक लगाया (36 पारियों में), जो रिकी पोंटिंग (6 शतक, 50 पारियां) और वीरेंद्र सहवाग (6 शतक) से च्यादा है। सचिन तेंदुलकर और सनथ जयसूर्या के पास 5-5 शतक हैं।
- विराट ने अलग-अलग 35 मैदानों पर वनडे शतक बनाने का रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर (34 मैदान) के नाम था। रोहित शर्मा 26 मैदानों के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंडः 337/8 (50 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
कॉनवे का. रोहित बो. हर्षित	5	4	1	0
हेनरी निकोल्स बो. अर्शदीप	0	1	0	0
यंग का. जडेजा बो. हर्षित	30	41	5	1
मिचेल का. कुलदीप बो. सिराज	137	131	15	3
फिलिप्स का. राहुल बो. अर्शदीप	106	88	9	3
माइकल ब्रेसवेल नाबाद	28	18	1	3
मिचेल हे पगबाधा बो. कुलदीप	2	6	0	0
फॉक्स का. कुलदीप बो. अर्शदीप	10	8	1	0
क्रिस्टियन क्लार्क बो. हर्षित	11	5	1	1
काइल जैमीसन नाबाद	0	0	0	0

अतिरिक्तः 8, **कुलः** 50 ओवर में आठ विकेट पर 337 रन, **विकेट पतनः** 1-5, 2-5, 3-58, 4-277, 5-283, 6-286, 7-304, 8-327, **गेंदबाजीः** अर्शदीप 10-1-63-3, हर्षित 10-0-84-3, सिराज 10-0-43-1, नीतिश रेड्डी 8-0-53-0, कुलदीप 6-0-48-1, रविंद्र जडेजा 6-0-41-0.

भारतः 296/10 (46 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रोहित का. क्लार्क बो. फॉक्स	11	13	2	0
शुभमन गिल बो. जेमिसन	28	18	4	0
कोहली का. मिचेल बो. क्लार्क	124	108	10	3
श्रेयस का. फॉक्स बो. क्लार्क	3	10	0	0
राहुल का. फिलिप्स बो. लेनॉक्स	1	6	0	0
नीतिश का. यंब बो. क्लार्क	53	57	2	2
जडेजा का. यंग बो. लेनॉक्स	12	16	0	0
राणा का. निकोल्स बो. फॉक्स	52	43	4	4
सिराज का. हे बो. फॉक्स	0	1	0	0
कुलदीप यादव रनआउट	5	3	1	0
अर्शदीप सिंह नाबाद	4	2	1	0

अतिरिक्तः 8, **कुलः** 46 ओवर में 296 रन पर सभी आउट, **विकेट पतनः** 1-28, 2-45, 3-68, 4-71, 5-159, 6-159, 7-178, 8-277, 9-292, 10-296, **गेंदबाजीः** जेमिसन 9-0-58-1, फॉक्स 9-0-77-3, क्लार्क 9-0-54-3, लेनाक्स 10-0-42-2, मिचेल 1-0-10-0, फिलिप्स 8-0-54-0

खेल एक नजर

मुंबई मैराथन में अबाते ने पुरुष व येशी ने महिला खिताब जीता

मुंबई, जेएनएन। मुंबई मैराथन में एक बार फिर इथियोपियाई धावकों का दबदबा देखने को मिला, जिसमें ताडु अबाते देमे और येशी कलायू चेकोले ने क्रमशः पुरुष और महिला एलीट वर्ग के खिताब अपने नाम किए। अबाते ने पुरुष एलीट वर्ग में दो घंटे नौ मिनट 55 सेकंड का समय लेकर जीत दर्ज की, जबकि उनकी हमवतन येशी ने 2:25:13 के समय के साथ खिताब जीता। मुंबई मैराथन में 21 चरणों में यह सातवीं बार है जब इथियोपियाई धावकों ने पुरुष और महिला दोनों खिताब एक साथ जीते हैं। पुरुष एलीट रेस में कीनिया के लियोनार्ड किपरोतिच लंगाट (2:10:10) दूसरे और इरिट्रिया के मेरहावी केसेटे वेल्डेमारियम (2:10:22) तीसरे स्थान पर रहे। महिला एलीट रेस में इथियोपियाई धावकों ने क्लीन स्वीप किया। किडसान अलेमा गेब्रेमेधिन (2:27:35) दूसरे और गोज्जाम त्सेगाये एनीयू (2:28:27) तीसरे स्थान पर रहीं।

एरिगैसी ने प्रज्ञाननंदा को हराया डी गुकेश ने सिंदारोव से ड्रॉ खेला

विज्क आन जी (नीदरलैंड), जेएनएन। शीर्ष वरीयता प्राप्त अर्जुन एरिगैसी ने हमवतन आर प्रज्ञाननंदा को हराकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की, जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश ने पहले दौर में उज्बेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ कड़े मुकाबले में ड्रॉ खेला। प्रतियोगिता की पहली जीत अमेरिका के हैंस मोके नीमन ने हासिल की, जिन्होंने स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव हो हराया। जर्मन खिलाड़ी विन्सेंट कीमर दिन के दूसरे विजेता रहे। उन्होंने नीदरलैंड के स्टार खिलाड़ी अनीश गिरी को पराजित किया। पहले दौर के बाद एरिगैसी, कीमर और नीमन एक-एक अंक के साथ संयुक्त बढ़त पर हैं, जबकि गुकेश और सात अन्य खिलाड़ी उनसे आधा अंक पीछे हैं। अपने मित्र प्रज्ञाननंदा के खिलाफ एरिगैसी ने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया। प्रज्ञाननंदा ने शुरू में ही एक गलती कर दी जिससे उनका राजा बीच में फंस गया, जिसका एरिगैसी ने पूरा फायदा उठाया और केवल 32 चाल में मुकाबला जीत लिया।

हॉकी लीग में श्राची बंगाल टाइगर्स ने एसजी पाइपर्स को 3-2 से हराया

भुवनेश्वर, जेएनएन। श्राची बंगाल टाइगर्स ने रविवार को पुरुषों की हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के पूल चरण के अपने आखिरी मैच में एसजी पाइपर्स को 3-2 से हराकर खुद को शीर्ष चार में जगह बनाने की दौड़ में बनाए रखा। एसजी पाइपर्स ने दिलराज सिंह के चौथे मिनट में और टॉमस डोमेन के 31वें मिनट में किए गए गोल से बढ़त बनाई हुई थी। लेकिन श्राची बंगाल टाइगर्स के लिए जुगराज सिंह ने 45वें मिनट, अभिषेक ने 45वें मिनट और अफ्फान यूसुफ ने 48वें मिनट में गोल करके अपनी टीम को वापसी कराकर जीत दिलाई।

अथर्व तायडे के शतक से विदर्भ ने पहली बार जीती विजय हजारे ट्रॉफी

विदर्भ ने फाइनल में सौराष्ट्र को 38 रन से शिकस्त देकर जीता खिताब

जेएनएन, बेंगलुरु

2024-25 में खिताब से चूकने के बाद, विदर्भ ने इस बार कोई गलती नहीं की और एक हाई-स्कोरिंग मुकाबले में सौराष्ट्र को 38 रन से हराकर अपना पहला विजय हजारे खिताब जीत लिया। विदर्भ ने अथर्व तायडे (128 रन, 118 गेंद, 15 चौके, तीन छक्के) के शानदार शतक की मदद से 317 रन का विशाल स्कोर बनाया। इसके जवाब में सौराष्ट्र की टीम 48.5 ओवर में 279 रन पर ऑलआउट हो गई। सौराष्ट्र ने 30 रन पर दो विकेट गिरने के बावजूद काफी देर तक संघर्ष किया। पर यह जल्द ही 22.4 ओवर में चार विकेट पर 112 रन हो गया। सौराष्ट्र के लिए प्रेरक मांकड़ (88) और चिराग जानी (64) के अर्धशतक तथा दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी थी। दाएं हाथ के बल्लेबाज मांकड़ ने बाएं हाथ के स्पिनर दुबे (59 रन देकर एक विकेट) की गेंद पर कट करने की कोशिश की, लेकिन पगबाधा आउट हो गए। तेज गेंदबाज दर्शन नालकंडे ने जल्द ही जानी को आउट कर दिया। इसके बाद तेज गेंदबाज यश ठाकुर (50 रन देकर चार विकेट) और नचिकेत भुते (46 रन देकर तीन विकेट) ने निचले क्रम के बल्लेबाजों को आउट कर विदर्भ की यादगार रात का समापन किया। इससे पहले तायडे ने एक शानदार वनडे पारी खेलकर विदर्भ को एक प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। इस 25 साल के खिलाड़ी ने 66 गेंद में सात चौके से 50 रन बनाए। इसके बाद उनके अगले 50 रन सिर्फ 31 गेंद में बने जिसमें पांच चौके और दो छक्के शामिल थे। यह उनका तीसरा लिस्ट ए शतक था। तायडे ने यश राठौड़ (54) के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 18 ओवर में 133 रन जोड़े। तायडे ने अमन मोखाडे (33) के साथ पहले विकेट के लिए 80 रन की भागीदारी भी की।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः अल्काराज-सबालेंका की शानदार शुरुआत, रिकॉर्ड बनाकर हारीं वीनस

मेलबर्न पार्क में पहले दिन रिकॉर्ड 100,763 दर्शक मैच देखने पहुंचे

जेएनएन, मेलबर्न

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और आर्यना सबालेंका ने सीधे सेटों में जीत दर्ज करके रविवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की, लेकिन सबसे उम्रदराज खिलाड़ी का रिकॉर्ड बनाने वाली वीनस विलियम्स को जीत के करीब पहुंचने के बावजूद पहले दौर में ही हार का सामना करना पड़ा। ऑस्ट्रेलिया के एडम वाल्टन ने दूसरे सेट में अल्काराज को चुनौती दी। अल्काराज ने आखिर में यह मैच 6-3, 7-6 (2), 6-2 से अपने नाम किया। सबालेंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उन्होंने पहले तीन गेम गंवा दिए। इसके बाद हालांकि उन्होंने जल्द ही लय हासिल करके तियांतसोआ राकोटोमांगा राजाओनाह को 6-4, 6-1 से हरा दिया। दिग्गज खिलाड़ी रॉड लेवर और रोजर फेडरर भी इस मैच को देखने के लिए दर्शकों के बीच उपस्थित थे। महिला वर्ग में सातवीं वरीयता प्राप्त जैस्मीन पाओलिनी ने अलीअक्सांद्रा सास्नोविच को 6-1, 6-2 से हराया। पिछले साल के उपविजेता और पुरुष वर्ग में तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने कनाडा के 24 साल के खिलाड़ी गैब्रियल डियालो के खिलाफ अच्छी शुरुआत नहीं की, लेकिन इसके बाद उन्होंने अपने अनुभव और दमदार सर्विस के दम पर वापसी करते हुए 6-7 (7), 6-1, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। वह लगातार दसवें साल दूसरे दौर में पहुंचे हैं।

वीनस वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में 45 साल की उम्र में महिला एकल का मैच खेलने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गई है, लेकिन उन्हें तीन सेट तक चले मैच में डैनलोविच से 7-6 (5), 3-6, 4-6 से पराजय झेलनी पड़ी। वीनस ने जापान की किमिको दाते (44 साल) को पीछे छोड़ा।

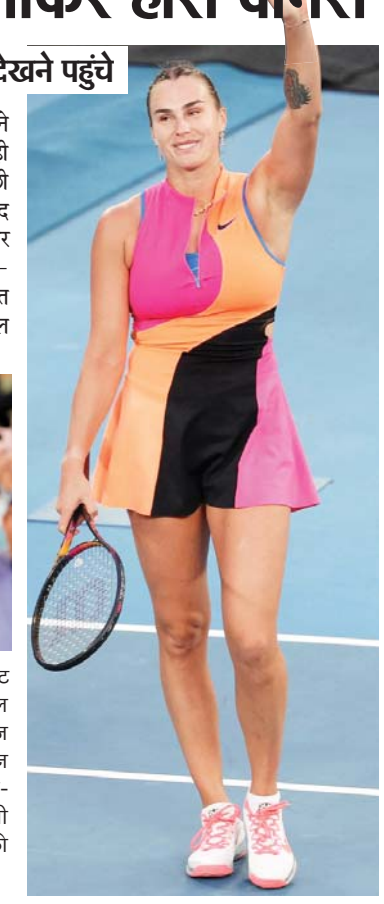

चीनी लिन चुन और दक्षिण कोरिया की आन से यंग बने इंडिया ओपन चैंपियन

नई दिल्ली, जेएनएन। चीनी ताइपे के लिन चुन यी ने रविवार को 950,000 अमेरिकी डॉलर इनामी इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष एकल में अपना पहला सुपर 750 खिताब जीता, जबकि दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग ने महिला एकल का खिताब जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। वर्तमान में विश्व में 12वीं रैंकिंग पर काबिज 26 वर्षीय लिन ने पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 1000 में शुरुआती दौर में बाहर होने के बाद शानदार वापसी करते हुए फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त जोनाथन क्रिस्टी को 21-10, 21-18 से हराकर पुरुष एकल का खिताब अपने नाम किया। महिला एकल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और मौजूदा चैंपियन आन से यंग ने एक बार फिर अपना दबदबा कायम रखते हुए चीन की विश्व में नंबर दो खिलाड़ी वांग झियी को 21-13, 21-11 से हराकर सत्र का अपना दूसरा खिताब जीता।

21 को हो सकता है बांग्लादेश के विश्व कप में खेलने पर फैसला

नई दिल्ली, जेएनएन। बांग्लादेश की 2026 टी-20 विश्व कप में भागीदारी को लेकर अंतिम फैसला 21 जनवरी तक हो सकता है। जानकारी के अनुसार आईसीसी ने शनिवार को ढाका में हुई बातचीत के दौरान बीसीबी को इस डेडलाइन की जानकारी दी है। शनिवार की बातचीत में बीसीबी ने टी-20 विश्व कप खेलने की अपनी इच्छा को दोहराया था, लेकिन उन्होंने फिर से जोर देकर कहा था कि वे भारत का दौरा नहीं करना चाहते। सह-मेजबान होने के कारण श्रीलंका उनका एक स्वाभाविक विकल्प है। बीसीबी ने भारत ना जाने को लेकर सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया था, लेकिन आईसीसी अपने मूल कार्यक्रम को बदलने के पक्ष में नहीं है। यह गतिरोध लगभग तीन सप्ताह से चला आ रहा है, जब बीसीबी ने पहली बार 4 जनवरी को अपनी चिंताएं आईसीसी तक पहुंचाई थीं। शनिवार की बातचीत के दौरान आईसीसी ने बीसीबी के उस अनुरोध को भी स्वीकार नहीं किया, जिसमें बांग्लादेश को ग्रप-बी में स्थानांतरित करने और आयरलैंड के साथ अदला-बदली करने पर विचार करने को कहा गया था।

इंग्लैंड के पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों को मिला वीजा, अन्य को भी जल्द मंजूरी

नई दिल्ली, जेएनएन। आईसीसी ने भारत में होने वाले टी-20 विश्व कप में भाग लेने वाले पाकिस्तान मूल के सभी 42 खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा संबंधी औपचारिकताओं को सुविधाजनक बनाने के लिए कदम उठाया है। इंग्लैंड की टीम में पाकिस्तानी मूल के क्रिकेटरों में स्पिनर आदिल राशिद, रेहान अहमद और तेज गेंदबाज साकिब महमूद शामिल हैं। अमेरिका की टीम में अली खान और शायन जहांगीर तथा नीदरलैंड की टीम में जुल्फिकार साकिब जैसे पाकिस्तानी मूल के कुछ खिलाड़ी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इंग्लैंड के खिलाड़ियों राशिद, रेहान और साकिब के वीजा आवेदन पहले ही मंजूर किए जा चुके हैं। नीदरलैंड की टीम के सदस्यों और कनाडा के सहयोगी स्टाफ के सदस्य शाह सलीम जफर को भी वीजा मिल चुका है। यूएई, अमेरिका, इटली, बांग्लादेश और कनाडा की टीम में शामिल पाकिस्तानी राष्ट्रीयता या पाकिस्तानी मूल के खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वीजा उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है। इन टीमों के लिए वीजा उपलब्ध कराने के लिए जरूरी कार्यवाही के लिए अगले सप्ताह की तिथि नियत कर दी गई है, जिससे संकेत मिलता है कि प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है।

सिटी स्पोर्ट्स

क्रिकेट कोच सुरेश चेनानी और केडी गुप्ता सम्मानित

भोपाल, खेप्र। मीडिया, मुस्कान इलेवन और यंग ब्रिगेड ने विजेश लूनावत स्मृति फाउंडेशन द्वारा आयोजित टेनिस बॉल क्रिकेट में अपने-अपने मुकाबले जीते। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार रामकृष्ण यदुवंशी, क्रिकेट कोच सुरेश चेनानी और केडी गुप्ता को सम्मानित किया गया। ओल्ड कैंपियन ग्राउंड पर रविवार का खेले गए मैचों में चकल्लस इलेवन ने 10 ओवर के मुकाबले में 47 रन बनाए। जवाब में मीडिया इलेवन ने 6 ओवर में जरूरी रन दो विकेट पर बना लिए। इससे पहले पाखी इलेवन ने 5 ओवर के खेल में 34 रन बनाए। जवाब में मुस्कान इलेवन ने जरूरी रन तीन विकेट पर बना लिए। इसी तरह यंग ब्रिगेड ने पहले खेलते हुए 10 ओवर के मुकाबले में 60 रन बनाए। जवाब में प्रतीक इलेवन 55 रनों तक पहुंच सकी। पुरस्कार वितरण सांसद आलोक शर्मा, शैलेष लूनावत, स्मिता लूनावत और अश्विनी राय ने किया।

डीजीपी इलेवन फाइनल में, कमिश्नर इलेवन व गिल्ट फ्री ने भी जीत दर्ज की

31वां आईएएस डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट 2026

भोपाल, खेप्र। डीजीपी इलेवन ने 31वें आईईएस डिजिआना इंटर प्रेस क्रिकेट टूर्नामेंट में डॉक्टर इलेवन को 80 रनों से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। डिपार्टमेंट ग्रुप में यह टीम की लगातार चौथी जीत है। अन्य मैचों में नगर निगम कमिश्नर इलेवन और गिल्ट फ्री ने भी अपने-अपने मुकाबले जीते। बाबेअली मैदान पर डीजीपी इलेवन ने प्रज्ञा बलरे (72) के अर्धशतक की बदौलत 194 रन बनाए। डॉक्टर-11 के कप्तान प्रवीण तिवारी ने तीन, जबकि मनोज गुर्जर ने दो विकेट लिए। जवाब में डॉक्टर इलेवन 16.2 ओवर में 114 रनों पर आउट हो गई।

माही 39 और अंकुर 26 रन बना सके। डीजीपी इलेवन के अरुण सिंह ने चार विकेट लिए। दूसरे मैच में कमिश्नर इलेवन ने छह विकेट पर 216 रन बनाए। विजय पारोचे (68) और मनाजिर (58) ने अर्धशतक जड़ा। फीजियो इलेवन की ओर से संयज और नवीन ने दो-दो विकेट लिए। जवाब में फीजियो इलेवन 129 रन पर आउट हो गई। रोहित 24, प्रशांत 30 और संजय 34 रन बना सके। फहाद ने तीन विकेट लिए। ओल्ड कैंपियन पर कार्पोरेट ग्रुप के मैच में आरएनटीयू टीम 92 रन बना सकी। कप्तान सतीश अहिरवार 37 और जीतू बागरे 17 रनों की पारी खेल सके। विनोद पाल ने तीन विकेट लिए। जवाब में गिल्टफ्री ने जरूरी रन मात्र 6.2 ओवर में बगैर किसी नुकसान के बना लिए। जी सतीश कुमार ने अविजित 54 और कार्तिकेय दुबे ने 36 रन बनाए।

आज के मैच

दैनिक भास्कर बनाम दैनिक जागरण
ओल्ड कैंपियन ग्राउंड पर मैच
सुबह 9.30 बजे से

जूडो खिलाड़ी प्रतिज्ञा व मानसी को स्वर्ण पदक

भोपाल। प्रतिज्ञा रजक और मानसी पटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तरीय शालेय जूडो खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। मॉडल स्कूल की प्रतिज्ञा ने अंडर-63 वेट कैटेगरी और मानसी ने अंडर-70 वेट कैटेगरी में यह पदक अर्जित किया। इन दोनों खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो मणिपुर के इंफाल में आयोजित की जाएगी। इसके लिए मध्य प्रदेश टीम का प्री नेशनल कैंप 17 जनवरी से गुना में आयोजित किया जा रहा है। पदक विजेता खिलाड़ियों को प्राचार्य रेखा शर्मा, उप प्राचार्य आरके श्रीवास्तव और खेल अधिकारी दीवान चंद्र मौली ने बधाई दी।

मध्यप्रदेश की महिला टीम दूसरी बार राष्ट्रीय गोलबॉल में चैंपियन

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश की महिला टीम ने पांचवीं राष्ट्रीय गोलबॉल चैंपियनशिप में खिताब जीता। ब्लाइंड स्पोर्ट्स एसोसिएशन के को ऑर्डिनेटर फरदीन खान ने बताया कि मप्र की महिला टीम ने दूसरी बार यह खिताब जीता। पटना के पाटलिपुत्र स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से कुल 11 टीमों ने हिस्सा लिया। महिला वर्ग में मप्र टीम ने ग्रुप 'बी' से शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल महाराष्ट्र को 12-3 से हराकर राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। महिला टीम की कप्तानी दीपिका पटेल ने की। टीम में ज्योति रघुवंशी, खुशी प्रजापति, सलोनी प्रजापति, चायना जाटव और मेघा कुशवाहा शामिल रहीं। टीम के कोच संदीप मंडल एवं मैनेजर शिवानी साहू रहीं।

संक्षिप्त समाचार

कोर्नी ने चीन को बताया 'रणनीतिक साझेदार'

बीजिंग, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा पर टैरिफ और दबाव बढ़ाने के बाद कनाडा ने चीन के साथ रिश्ते सुधारने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी चीन के दौरे पर बीजिंग पहुंचे, जहां उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की और दोनों देशों के संबंधों को नई शुरुआत देने की बात कही। यह पिछले आठ सालों में किसी कनाडाई प्रधानमंत्री की पहली बीजिंग यात्रा है। कार्नी ने कहा कि दोनों देश पुराने सकारात्मक अनुभवों को आगे बढ़ाकर 'नई वैश्विक वास्तविकताओं' के मुताबिक रिश्तों को मजबूत कर सकते हैं। उन्होंने चीन को कनाडा का 'रणनीतिक पार्टनर' बताते हुए कहा कि यह सहयोग कृषि, ऊर्जा और वित्त जैसे क्षेत्रों में नए अवसर पैदा करेगा।

तेजस्वी को मिल सकती है राजद की कमान

पटना, जेएनएन। बिहार की राजनीति में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के भीतर बड़े नेतृत्व परिवर्तन के संकेत मिल रहे हैं। पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के खराब स्वास्थ्य और डॉक्टरों की ओर से तनाव से दूर रहने की सलाह के बाद अब संगठन की कमान तेजस्वी यादव को औपचारिक रूप से सौंपने की तैयारी तेज हो गई है। 25 जनवरी को होने वाली राजद की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में तेजस्वी यादव को 'राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष' नियुक्त किया जा सकता है। तेजस्वी पहले से ही राजद के प्रमुख राजनीतिक और सांगठनिक फैसलों में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, उनके पास कोई शीर्ष संवैधानिक पद नहीं होने की वजह से कई बार फैसलों की आधिकारिक घोषणा में तकनीकी अड़चनें आती रही हैं। कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद उन्हें पार्टी में औपचारिक अधिकार मिल जाएगा।

इंडोनेशिया: 11 लोगों को ले जा रहा विमान लापता

जकार्ता, जेएनएन। इंडोनेशिया में 11 लोगों को ले जा रहा एक यात्री विमान उड़ान के दौरान रडार से गायब हो गया। यह विमान जावा द्वीप से सुलावेसी द्वीप की ओर जा रहा था। अधिकारियों के अनुसार, पहाड़ी इलाके में पहुंचते ही विमान का ग्राउंड कंट्रोल से संपर्क टूट गया, जिसके बाद तुरंत सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया गया। लापता विमान एक टर्बोप्रॉप एटीआर 42-500 बताया गया है, जो इंडोनेशिया एयर ट्रांसपोर्ट का था। परिवहन मंत्रालय की प्रवक्ता एंडाह पुर्नामा सारी ने बताया कि विमान को दोपहर 1.17 बजे (05.17 जीएमटी) दक्षिण सुलावेसी के मारोस जिले के लेआंग-लेआंग इलाके में आखिरी बार रडार पर देखा गया था। लैंडिंग से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को अप्रोच एलाइनमेंट सही करने के निर्देश दिए थे। इसके तुरंत बाद रेडियो संपर्क टूट गया। विमान में कुल 11 लोग सवार थे, जिनमें 8 क्रू मेंबर और 3 यात्री शामिल हैं। फिलहाल इस विमान की तलाश की जा रही है।

सोशल मीडिया पर बवाल: शरीफ के नाती की दुल्हन ने पहना भारतीय लहंगा

इस्लामाबाद, जेएनएन। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नाती जुनैद सफदर की शादी इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में है। वजह है दुल्हन शंजे अली रोहेल का पहनावा। शंजे अली रोहेल ने मेहंदी समारोह में भारतीय डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी का डिजाइन किया हुआ हरे रंग का लहंगा पहना। जुनैद, पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के बेटे हैं। उन्होंने लाहौर में पाकिस्तानी मुस्लिम लीग (नवाज) के वरिष्ठ नेता शेख रोहेल असगर की पोती शंजे अली से निकाह किया है। यह जुनैद की दूसरी शादी है। तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, तो पाकिस्तानी यूजर्स ने सवाल उठाए कि बड़े राजनीतिक परिवार के समारोह में भारतीय डिजाइनरों को क्यों चुना गया। कुछ लोगों ने शरीफ परिवार को 'गद्दार' तक कहा और तंज किया कि जो लोग देशभक्ति का पाठ पढ़ाते हैं, वे खुद भारतीय ब्रांड्स को प्राथमिकता दे रहे हैं। शादी के मुख्य समारोह में शंजे अली रोहेल ने भारतीय डिजाइनर तरुण तहिलियानी की डिजाइन की हुई लाल साड़ी पहनी।

भारत का सबसे बड़ा नदी डॉल्फिन सर्वे शुरू

गिनती होगी, खतरे मापे जाएंगे और बनेगी नीति

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने प्रोजेक्ट डॉल्फिन के तहत देश का दूसरा रेंज-वाइड (पूरे फैलाव वाला) अनुमान सर्वे शुरू कर दिया है। इसकी शुरुआत उत्तर प्रदेश के बिजनौर यानी गंगा के उस हिस्से से हुई है, जहां से गंगा अपने मैदानी सफर को लंबी रफ्तार देती है।

सर्वे का स्केल

26 शोधकर्ता करेंगे यह नदी सर्वे

03 नावों का किया जाएगा इस्तेमाल

02 फ्रेशवॉटर डॉल्फिन प्रजातियां पाई जाती हैं भारत में मुख्य रूप से। इनमें गंगा डॉल्फिन और इंडस डॉल्फिन शामिल हैं।

6,327 कुल अनुमानित नदी डॉल्फिन हैं भारत में

58 नदियों में किया गया था पिछला सर्वे, जो 2021 से 2023 के बीच हुआ

10 राज्य थे शामिल

सर्वाधिक डॉल्फिन आबादी

2,220 डॉल्फिन बिहार में हैं, जो देश की कुल डॉल्फिनों का 35 प्रतिशत है।

38% यानी 2,397 अकेले उत्तर प्रदेश में हैं डॉल्फिन

13% 815 डॉल्फिनों के साथ प. बंगाल तीसरे स्थान पर

ईरानी प्रदर्शनकारियों का अमेरिकी राष्ट्रपति पर बड़ा आरोप

ट्रंप ने धोखा दिया, जरूरत के वक्त नहीं किया समर्थन

तेहरान/वॉशिंगटन, जेएनएन। ईरान में जारी सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के बीच प्रदर्शनकारियों का गुस्सा अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी फूटने लगा है। कई ईरानी प्रदर्शनकारियों और देश छोड़ चुके नागरिकों का कहना है कि ट्रंप ने उन्हें 'धोखा दिया' और जिस समय सबसे ज्यादा समर्थन की जरूरत थी, उसी वक्त अमेरिका का रुख बदल गया। लोगों का आरोप है कि ट्रंप के बयानों से उन्हें उम्मीद जगी थी और उन्होंने जान जोखिम में डालकर प्रदर्शन किए, लेकिन बाद में अमेरिकी समर्थन कमजोर पड़ गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक ईरानी नागरिक ने कहा कि ट्रंप ने जो कहा और बाद में जो किया, उसके बीच बड़ा अंतर है। खासतौर पर तब जब ट्रंप ने दावा किया कि एक ईरानी अधिकारी ने उनसे 'अब और हत्याएं न होने' का भरोसा दिया है, तो यह सुनकर कई प्रदर्शनकारी हैरान रह गए। इस बीच, 23 वर्षीय छात्रा रूबिना अमिनियन की मौत का मामला भी सामने आया है।

हिंसा में 5000 मौतों का दावा

ईरान में 28 दिसंबर से जारी हिंसा में अब तक करीब 5000 लोगों की मौत होने की बात सामने आई है। इनमें लगभग 500 सुरक्षाकर्मी भी शामिल बताए जा रहे हैं। एक ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी है। बताया गया कि सबसे ज्यादा हिंसक झड़पें उत्तर-पश्चिम ईरान के कुर्द इलाकों में हुईं, जहां हालात बेहद खराब रहे।

खामेनेई ने माना- हजारों मारे गए प्रदर्शनों में

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने पहली बार माना कि हजारों लोग मारे गए हैं और इसके लिए ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया। खामेनेई ने कहा कि ट्रंप के 'हाथ खून से रंगे हैं।' वहीं ट्रंप ने पलटवार करते हुए कहा कि ईरानी सरकार अब 'कुछ ही दिनों की मेहमान' है और नए नेतृत्व का समय आ गया है।

फायदा उठा रहे अमेरिका-इजरायल: लेबनान के सशस्त्र संगठन हिज्बुल्लाह ने ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों पर आरोप लगाया कि ईरान में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों की आड़ में अमेरिका और इजरायल अपने राजनीतिक और रणनीतिक हित साधने की कोशिश कर रहे हैं।

गाजा 'पीस बोर्ड' से इजराइल नाराज, बोर्ड में भारतीय भी

ट्रंप के गाजा शांति योजना के दूसरे चरण में प्रवेश करते ही इजराइल ने नाराजगी जाहिर की है। ट्रंप ने गाजा के प्रशासन और पुनर्निर्माण के लिए नेशनल कमेटी फॉर द एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ गाजा के गठन का ऐलान किया है। इसी के साथ इसकी निगरानी, फंड जुटाने और रणनीतिक दिशा तय करने के लिए 'बोर्ड ऑफ पीस' (शांति बोर्ड) बनाया गया है, जिसकी अध्यक्षता खुद ट्रंप कर रहे हैं। हालांकि, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने कहा है कि अमेरिका ने गाजा के लिए नए प्रशासनिक बोर्ड की घोषणा इजराइल से बिना बातचीत किए की है। इजराइल ने इसे अपनी सरकारी नीति के खिलाफ बताया है। व्हाइट हाउस ने बोर्ड के सदस्यों की सूची जारी की। इस बोर्ड में कुल 7 सदस्य हैं, जिनमें भारतवंशी अजय बंगा भी शामिल हैं। अजय बंगा इस समय वर्ल्ड बैंक समूह के अध्यक्ष हैं।

ग्रीनलैंड में ट्रंप के विरोध में प्रदर्शन

अमेरिका से ट्रेड एग्रीमेंट रोकेगा यूरोपीय यूनियन

नुउक, जेएनएन। ग्रीनलैंड में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विरोध में शनिवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारियों ने 'ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है' के नारे लगाए। बर्फीली सड़कों के बीच प्रदर्शनकारी ग्रीनलैंड की राजधानी नुउक के डाउनटाउन से अमेरिकी वाणिज्य दूतावास तक पहुंचे। इधर, अमेरिका ने यूरोप के 8 देशों पर 10 फीसदी टैरिफ लगाया है। इससे ग्रीनलैंड के लोगों में ट्रंप को लेकर गुस्सा और बढ़ गया। दूसरी ओर यूरोपीय संघ (ईयू) के सांसद अमेरिका के साथ हुए ट्रेड एग्रीमेंट की मंजूरी रोकने की तैयारी में हैं। ईयू ने रविवार को ब्रसेल्स में शाम 5 बजे आपात बैठक बुलाई है। बैठक में ईयू संघ के सभी 27 देशों के राजदूत शामिल होंगे। यूरोपियन पीपुल्स पार्टी अध्यक्ष मैनफ्रेड वेबर ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ट्रंप की ग्रीनलैंड धमकियों के कारण अमेरिका से समझौते को मंजूरी देना संभव नहीं है। ईपीपी व्यापार समझौते के पक्ष में था, लेकिन ट्रंप की ग्रीनलैंड धमकियों से अब मंजूरी संभव नहीं है।

स्टार्मर ने की आलोचना

मैक्रो बोले-अस्वीकार्य?

ग्रीनलैंड की ट्रंप के ऐलान के बाद अब यूरोपीय नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने इस कदम को पूरी तरह गलत बताया, जबकि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे अस्वीकार्य करार दिया। स्वीडन के पीएम उल्फ क्रिस्टरसन ने कहा, हम ब्लैकमेल नहीं होने देंगे। स्वीडन अन्य यूरोपीय देशों, नॉर्वे और ब्रिटेन के साथ मिलकर संयुक्त जवाब पर चर्चा कर रहा है।

जस्टिस वर्मा कैश कांड

महाभियोग: जांच के लिए एएसजी ठाकरे नियुक्त

नई दिल्ली, जेएनएन। हाल के भारतीय इतिहास के सबसे विवादित न्यायिक जवाबदेही मामलों में से एक में एक अहम कदम उठाते हुए कानून और न्याय मंत्रालय ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की कार्रवाई की जांच कर रही तीन सदस्यों वाली जांच कमेटी की मदद के लिए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) राजा ठाकरे को नियुक्त किया है। इस जांच के केंद्र में लगे आरोप जस्टिस वर्मा के सरकारी घर पर आग लगने की घटना के दौरान बिना हिसाब-किताब के कैश मिलने के इर्द-गिर्द घूमते हैं, जिससे न्यायिक गलत व्यवहार के गंभीर सवाल उठते हैं। जज की कानूनी चुनौतियों को सुप्रीम कोर्ट से बार-बार मना करने के बाद आया है।

जेएफएल: आडियाज ऑफ जस्टिस सत्र में बोले पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़

समाज में करप्शन है, जज भी यहीं से आते हैं

जयपुर, जेएनएन। जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल (जेएलएफ) के 'आइडियाज ऑफ जस्टिस' सत्र में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने न्याय व्यवस्था, जमानत, राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों और न्यायपालिका में जवाबदेही जैसे मुद्दों पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि संस्थानों को समय के साथ बदलते समाज को समझना होगा, वरना प्रासंगिक बने रहना मुश्किल है। पूर्व सीजेआई ने अपने पारिवारिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि वे बेबी बूमर पीढ़ी से हैं, जबकि उनकी बेटियां जेन-जी हैं। यदि उन्हें बेटियों की जिंदगी से जुड़े रहना है तो उन्हें उनके काम करने के तरीके को भी समझना होगा। उन्होंने इसे संस्थाओं के लिए भी जरूरी सीख बताया।

उमर खालिद से जुड़े सवाल पर चंद्रचूड़ ने कहा कि भारतीय कानून 'निर्दोषता की धारणा' पर आधारित है और आरोपी को दोष सिद्ध होने तक निर्दोष माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्री-ट्रायल डिटेंशन सजा का विकल्प नहीं हो सकता, क्योंकि कई साल जेल में रहने के बाद अगर कोई बरी हो जाए तो उसके खोए हुए वर्षों की भरपाई संभव नहीं है। उन्होंने बताया कि बेल न देने के तीन मुख्य अपवाद हैं- आरोपी के दोबारा गंभीर अपराध करने की आशंका, ट्रायल से भागने का खतरा और सबूतों से छेड़छाड़ की संभावना। बाकी मामलों में जमानत नियम है, अपवाद नहीं। राष्ट्रीय सुरक्षा कानूनों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि समस्या तब बढ़ती है जब ऐसे कानून 'इनॉसेंस' को 'गिल्ट' से रिप्लेस कर देते हैं। कोर्ट को देखना चाहिए कि सच में राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है या नहीं और डिटेंशन उचित है या नहीं।

गोविंदा के अफेयर की खबरों पर सुनीता आहूजा बोलीं

सबूत मिला तो कभी माफ नहीं करूंगी

मुंबई, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा के अफेयर को लेकर लंबे समय से चल रही चर्चाओं पर उनकी पत्नी सुनीता आहूजा ने एक बार फिर खुलकर प्रतिक्रिया दी है। सुनीता का कहना है कि इस उम्र में गोविंदा का अफेयर करना 'शोभा नहीं देता' और ऐसी बातें उनके बच्चों को भी परेशान करती हैं। उन्होंने साफ चेतावनी दी है कि अगर उन्हें गोविंदा के खिलाफ कोई पक्का सबूत मिलता है, तो वह उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। सुनीता ने मिस मालिनी को दिए इंटरव्यू में कहा कि साल 2025 उनके लिए बेहद खराब रहा, क्योंकि उस वक्त उनकी फैमिली लाइफ में कई परेशानियां चल रही थीं। उन्होंने बताया कि वे गोविंदा के बारे में ऐसी बातें सुन रही थीं, जो उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं आईं। सुनीता ने कहा, 'हर चीज करने की एक उम्र होती है। 63 साल की उम्र में ऐसी बातें सुनना अच्छा नहीं लगता, खासकर जब बच्चे बड़े हो चुके हों।'

स्ट्रगलिंग एक्ट्रेस को चाहिए शुगर डैडी

सुनीता ने कहा कि इंडस्ट्री में कई लड़कियां स्ट्रगल करते हुए आती हैं और उन्हें 'शुगर डैडी' चाहिए होता है, जो उनका खर्च उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि बाद में ऐसी लड़कियां फंसा कर ब्लैकमेल भी करती हैं। सुनीता ने गोविंदा को नसीहत देते हुए कहा कि अब उन्हें समझदारी से काम लेना चाहिए और परिवार पर ध्यान देना चाहिए।

बिहार में फिर से जंगलराज को रोका प. बंगाल से भी करेंगे विदा: मोदी

कोलकाता/गुवाहाटी, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम बंगाल और असम के दौरे के दौरान कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। पश्चिम बंगाल के सिंगूर में जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जनता अब 'असल परिवर्तन' चाहती है और राज्य में 15 साल के 'महाजंगलराज' को बदलने का माहौल बन चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भाजपा-एनडीए ने बिहार में एक बार फिर जंगलराज को रोका है और अब पश्चिम बंगाल में टीएमसी के 'महाजंगलराज' को विदा करने के लिए पार्टी पूरी तरह तैयार है। प्रधानमंत्री ने सिंगूर में 837 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास और इनॉगरेशन किया। इससे पहले वे असम में थे, जहां उन्होंने कलियाबोर में 6,957 करोड़ रुपये के काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर की आधारशिला रखी।

फेंसिंग के लिए जमीन नहीं दे रही बंगाल सरकार: मोदी

पीएम मोदी ने सीमा पर घुसपैठ रोकने का मुद्दा उठाते हुए कहा कि बॉर्डर पर फेंसिंग जरूरी है, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार जमीन देने में सहयोग नहीं कर रही। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने कई बार पत्र लिखकर फेंसिंग के लिए जमीन मांगी, मगर राज्य सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि घुसपैठिए टीएमसी के 'पक्के वोटर' हैं। पीएम ने यह भी आरोप लगाया कि घुसपैठियों को बचाने के लिए टीएमसी किसी भी हद तक जा सकती है।

अमेरिका में बने एआई का पैसा भारत में क्यों?: पीटर नवारो

वॉशिंगटन/नई दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो ने भारत को लेकर एक बार फिर कड़ा बयान दिया है। इस बार उन्होंने सवाल उठाया कि जब चैट जीपीटी जैसे बड़े एआई प्लेटफॉर्म अमेरिका की जमीन पर चल रहे हैं, तो भारत में इनके इस्तेमाल के लिए भुगतान अमेरिकी लोग क्यों कर रहे हैं? पीटर नवारो ने यह टिप्पणी पूर्व व्हाइट हाउस चीफ स्ट्रैटेजिस्ट स्टीव बैनन के साथ एक इंटरव्यू में की। उन्होंने कहा कि एआई प्लेटफॉर्म अमेरिका में बन रहे हैं, अमेरिकी बिजली और संसाधनों पर चल रहे हैं, लेकिन इनका इस्तेमाल भारत, चीन और अन्य देशों में बड़े स्तर पर हो रहा है। नवारो ने कहा कि इस पर भी कार्रवाई की जरूरत है। नवारो के मुताबिक, अमेरिकी लोग भारत में एआई के लिए भुगतान क्यों कर रहे हैं?

बेजोस की पूर्व पत्नी झेल रहीं एफबीआई की जांच

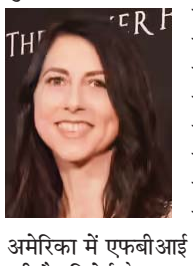

न्यूयॉर्क सिटी, जेएनएन। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस की पूर्व पत्नी और अरबपति परोपकारी मैकेंजी स्कॉट एक बार फिर चर्चा में हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, मैकेंजी स्कॉट ने अपनी अमेजन हिस्सेदारी लगभग 50 फीसदी तक घटाकर दान गतिविधियों को बढ़ाया है। हालांकि अब दावा किया जा रहा है कि उन्होंने जिन संगठनों को दान भेजा, उनमें से कुछ ऐसे नेटवर्क से जुड़े हैं जिन पर अमेरिका में एफबीआई और कांग्रेस की जांच चल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मैकेंजी स्कॉट ने अपनी चैरिटी यील्ड गिविंग के जरिए सोलिडियर नेटवर्क को दो चरणों में बड़ी रकम दी। बताया गया कि उन्होंने 2021 में 10 मिलियन डॉलर और 2025 में 5 मिलियन डॉलर यानी कुल 15 मिलियन डॉलर का दान इस नेटवर्क को दिया। यह नेटवर्क खुद को सामाजिक आंदोलनों और दानदाताओं को जोड़ने वाला प्लेटफॉर्म बताता है। लेकिन आरोप है कि सोलिडियर नेटवर्क ने कुछ ऐसे समूहों को फंडिंग दी है, जिन पर कथित तौर पर हमास से संबंधों को लेकर जांच चल रही है।

रिवाज | चीन में नई दुल्हनों की 'संतान के लिए पिटाई' पर सवाल

प्रेग्नेंसी के लिए महिलाओं को पीटने की प्रथा!

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया के कई देशों में शादी से जुड़ी परंपराएं और रस्में सदियों से चली आ रही हैं। लेकिन कुछ रिवाज ऐसे भी हैं, जो आज के समय में इंसानियत, महिलाओं की गरिमा और अधिकारों पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। ऐसा ही एक मामला चीन की एक परंपरा से जुड़ा है, जहां कुछ क्षेत्रों में नई दुल्हनों को प्रेग्नेंसी (संतान) के लिए पीटने का रिवाज बताया जा रहा है। इस प्रथा को लेकर सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन में कुछ जगहों पर नई दुल्हनों को जल्दी गर्भधारण कराने की मंशा से गांववालों के सामने डंडों, छड़ी या कोड़ों से पीटा जाता है। इस रस्म को वहां 'शी दी' कहा जाता है, जिसका अर्थ बताया गया है-'संतान के लिए पिटाई'।

क्या है यह रिवाज

यदि किसी नई दुल्हन को शादी के बाद दो साल तक गर्भधारण नहीं होता, तो उसे पूरे गांव के सामने खड़ा कर या एक जगह बिठाकर सार्वजनिक रूप से पीटा जाता है। इसमें डंडों, छड़ी, कोड़े या झाड़ू तक का इस्तेमाल किया जाता है।

रिवाज के पीछे तर्क: इससे दुल्हन जल्दी गर्भवती होगी और परिवार को संतान मिलेगी। लेकिन हकीकत में यह परंपरा महिलाओं पर मानसिक और शारीरिक अत्याचार की तरह दिखाई देती है। जानकारी के अनुसार, इस रस्म के समय दुल्हन से बार-बार सवाल किया जाता है- 'क्या तुम बच्चा पैदा करोगी?' और जवाब में उससे 'हां' कहने की अपेक्षा होती है। अगर दुल्हन 'न' कह दे या चुप रहे, तो कथित तौर पर पिटाई जारी रहती है। यानी यह रस्म महज एक 'परंपरा' नहीं, बल्कि दबाव, डर और सार्वजनिक अपमान के जरिए महिला को नियंत्रित करने का तरीका भी बन जाती है।

लैंटर्न फेस्टिवल में होती है यह रस्म

यह रिवाज लैंटर्न फेस्टिवल के दौरान होता है। लैंटर्न फेस्टिवल चीनी न्यू ईयर के बाद 15वें दिन मनाया जाता है। उसी दौरान यह रस्म निभाने का दावा किया गया है। हालांकि यह भी बताया गया है कि इस दौरान पति या ससुराल पक्ष हस्तक्षेप नहीं करता, बस एक शर्त रखी जाती है कि दुल्हन के चेहरे पर चोट न लगे, ताकि बाहर से चोट का निशान न दिखे। यह बात इस परंपरा की गंभीरता और क्रूरता को और बढ़ा देती है।

महिलाओं के लिए अन्य 'कठोर प्रथाएं' भी चर्चा में

रिपोर्ट में कुछ अन्य कठोर रस्मों का भी उल्लेख है, जिनमें महिलाओं पर अलग-अलग तरीकों से दबाव बनाया जाता है। उदाहरण के तौर पर, चीन के कुछ इलाकों में महिलाओं को 'शुद्धिकरण' या 'अनुशासन' के नाम पर मंदिरों में ले जाना और कठोर प्रथाएं अपनाना भी बताया गया है। एक रिवाज के बारे में दावा है कि कुछ जगहों पर महिलाओं को आग के ऊपर झुकाया जाता है, जिसे 'बर्निंग लेजी आइडल' या 'आलसी मोहों को जलाना' जैसा नाम दिया गया है।

वर्गीकृत

अण्डा

BHOPAL EGG RATE 530/-

Rate Suggested by RS Agro P.I.P.L. and Associated Poultry farmers.

सलाह

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी भी विज्ञापन पर कार्रवाई करने से पूर्व आवश्यक/सम्पूर्ण जानकारी कर लेवें। यह समाचार पत्र विज्ञापनदाता द्वारा किये गये किसी भी प्रकार के दावे/प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार नहीं है। -व्यवस्थापक

आवश्यकता

आवश्यकता है टेलीकॉलर महिलाओं की। लालघाटी, एयरपोर्ट रोड, बैरागढ़, ईदगाह हिल्स निवासी को प्राथमिकता संपर्क मोबाइल 91310 44913 (20-1)

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने किया थाने का घेराव

जागरण, जबलपुर। विजयनगर थाना इलाके में बढ़ती आपराधिक घटनाओं के विरोध में रविवार को स्थानीय कांग्रेस जनप्रतिनिधियों ने थाने का घेराव किया। दीनदयाल चौक से सैकड़ों कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए थाने पहुंचे और पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग की। इस दौरान पूर्व पार्षद जितिन राज, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा और कांग्रेस नेता अन्नू तिवारी ने बताया कि क्षेत्र में लगातार अपराध बढ़ रहे हैं।

सरपंच ने बिजली कर्मचारी को गालियां दी, शिकायत दर्ज

जागरण, खंडवा। जिले में बिजली कनेक्शन काटने की बात पर सरपंच ने बिजली कंपनी के कर्मचारी को गालियां दी। इतना ही नहीं सामूहिक रूप से पिटवाने की धमकी तक दे डाली। कर्मचारी ने फोन पर हुई बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया, बाद में इसकी जानकारी सहकर्मियों को दी। मामले में रविवार को पुलिस से शिकायत कर सरपंच के खिलाफ एफआईआर दर्ज की मांग की गई है।

"ट्वीट ऑफ द डे"

संजय सेठ
रक्षा राज्य मंत्री

गणतंत्र दिवस एक राष्ट्रीय त्योहार नहीं, बल्कि संविधान और हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि है। एनसीसी कैडेट भारत के गौरवशाली अतीत और उज्ज्वल भविष्य के बीच एक जीवंत सेतु हैं और गणतंत्र दिवस शिविर भारत के युवाओं के अनुशासन, प्रतिबद्धता और नेतृत्व क्षमता का प्रतिबिंब है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्टार्टअप इंडिया जैसी पहलों के चलते पिछले दशक में भारतीय स्टार्टअपों की संख्या 800 से बढ़कर 2 लाख से अधिक हो गई है।

व्यापार मेले से खरीदे गए वाहनों के अन्य जिले में नहीं होंगे पंजीयन

रोड टैक्स में मिलती है 50 फीसदी की छूट, जहां से वाहन खरीदा वहीं कराना होगा रजिस्ट्रेशन

नगर संवाददाता, भोपाल। परिवहन विभाग ने व्यापार मेला से वाहन खरीदने पर टैक्स छूट में शर्तें जोड़ दी हैं। टैक्स छूट सिर्फ संबंधित जिले में वाहन को रजिस्टर्ड कराने पर ही मिलेगी। यदि कोई भोपाल का व्यक्ति यह सोचकर ग्वालियर या उज्जैन से वाहन खरीदता है कि वह भोपाल में रजिस्ट्रेशन करा लेगा तो अब ऐसा नहीं हो सकेगा। परिवहन विभाग ने इस संबंध में सख्ती करते हुए नई अधिसूचना जारी कर दी है। जानकारी के अनुसार मप्र के ग्वालियर और उज्जैन में व्यापार मेला आयोजित किया जाता है।

ग्वालियर में बहुत पहले से इस मेले का आयोजन आ रहा है, उज्जैन में बीते दो साल से यह शुरू हुआ है। इन व्यापार मेलों से वाहन खरीदने पर सरकार ने रोड टैक्स में 50 फीसदी की छूट देने की व्यवस्था की हुई है। कैबिनेट के निर्णय के बाद परिवहन विभाग ने शुक्रवार को इसकी अधिसूचना जारी कर राजपत्र में प्रकाशन के लिए भेज दी है। सरकार का यह निर्णय ग्वालियर व्यापार मेले और उज्जैन विक्रमोत्सव व्यापार मेले दोनों पर लागू होगा। संपूर्ण मेला अवधि के दौरान वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को इस छूट का लाभ मिलेगा। ग्वालियर में यह मेला 25 फरवरी 2026 तक संचालित होगा।

90 हजार तक की बचत

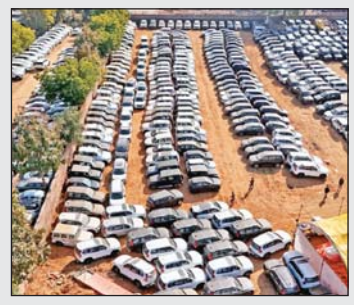

यदि कोई ग्राहक 10 लाख रुपये तक का वाहन खरीदता है, तो उसे रोड टैक्स के रूप में करीब 80 से 90 हजार रुपये की सीधी बचत होती है। पिछले वर्ष ग्वालियर मेले में 28,626 वाहन बिके थे, जबकि उज्जैन में यह आंकड़ा 36,225 तक पहुंचा था। इन रियायतों के बावजूद, भारी बिक्री के चलते सरकार को पिछले सत्र में 185 करोड़ रुपए का राजस्व प्राप्त हुआ था।

एमपी 07 की जगह एमपी 04 हो जाता था

इस बारे में परिवहन विभाग से जुड़े हुए हमारे सूत्रों ने बताया कि कुछ साल पहले तक इस मामले में लापरवाही जारी थी। भोपाल, इंदौर, विदिशा, होशंगाबाद के बहुत सारे ग्राहक ग्वालियर व्यापार मेला से वाहन खरीदते थे और अपने गृह जिले में उस वाहन का रजिस्ट्रेशन करा लेते थे। उदाहरण के लिए भोपाल के ऑटोमोबाइल डीलर ग्वालियर व्यापार मेला में अपना आउटलेट लगाते थे। भोपाल का ग्राहक उससे भोपाल में ही गाड़ी डिलीवरी ले लेता था, सिर्फ सेल लेटर ग्वालियर का होता था। ग्राहक इस सेल लेटर को ले जाकर भोपाल आरटीओ के कार्यालय में जमा करता था और एमपी 04 का रजिस्ट्रेशन करा लेता था। लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा।

इन शर्तों के साथ मिलेगी छूट

इस छूट का लाभ लेने के लिए वाहन का स्थाई पंजीकरण उसी जिले (ग्वालियर या उज्जैन) के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में होना अनिवार्य होता है, जहां से वाहन खरीदा गया है। इसके अलावा वाहन विक्रेता को व्यापार मेले में दुकान का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके साथ ही वाहन विक्रेता को मेला में दुकान पर वाहन का भौतिक सत्यापन भी कराना होगा।

सिर्फ एमपी 07 और 13 मिलेगा

परिवहन विभाग द्वारा अधिसूचना के मुताबिक व्यापार मेला ग्वालियर और उज्जैन से वाहन खरीदने पर ग्राहक को ग्वालियर के लिए एमपी 07 और उज्जैन के लिए एमपी 13 का रजिस्ट्रेशन मिलेगा। इसके अलावा वह किसी अन्य जिले का रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं ले सकेगा। यदि वह ऐसा चाहता है तो उसे टैक्स में मिली 50 फीसदी की छूट छोड़ना होगी।

"हमने नई अधिसूचना जारी कर दी है। यह नियम पहले भी था, लोगों को जानकारी होना चाहिए। अब मनचाहे जिले का रजिस्ट्रेशन नहीं मिलेगा।

- विवेक शर्मा, आयुक्त परिवहन विभाग

प्रयागराज माघ मेला

पुलिस ने रोकी शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी

प्रयागराज, जेएनएन। प्रयागराज माघ मेले में रविवार को मौनी अमावस्या के स्नान के लिए आए शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की पालकी पुलिस ने रोक दी। पुलिस ने उनसे पैदल संगम जाने को कहा। शंकराचार्य के शिष्य नहीं माने और पालकी लेकर आगे बढ़ने लगे। इस पर शिष्यों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस ने कई शिष्यों को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने एक साधु को चौकी में पीटा।

इससे शंकराचार्य नाराज हो गए और शिष्यों को छुड़वाने पर अड़ गए। अफसरों ने उन्हें समझाने की कोशिश की, लेकिन वे नहीं माने। करीब 2 घंटे गहमा-गहमी रही। इसके बाद पुलिस ने शंकराचार्य के कई और समर्थकों को हिरासत में ले लिया। शंकराचार्य की पालकी को खींचते हुए संगम से 1 किमी दूर ले जाया गया। इस दौरान पालकी का क्षत्रप भी टूट गया। शंकराचार्य स्नान भी नहीं कर पाए इस पूरे मामले से नाराज शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अपने शिविर में धरने पर बैठ गए हैं। उन्होंने कहा कि जब तक पुलिस प्रशासन ससम्मान प्रोटोकॉल के साथ नहीं ले जाएगा, तब तक गंगा स्नान नहीं करूंगा।

शंकराचार्य ने कहा-

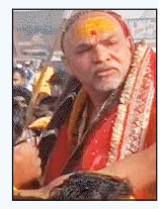

बड़े-बड़े अधिकारी हमारे संतों को मार रहे थे। पहले तो हम लौट रहे थे, लेकिन अब स्नान करेंगे और कहीं नहीं जाएंगे। वे हमें रोक नहीं पाएंगे। इनको ऊपर से आदेश होगा कि इन्हें परेशान करो। यह सरकार के इशारे पर हो रहा है, क्योंकि वे हमसे नाराज हैं। जब महाकुंभ में भगदड़ मची थी, तो मैंने उन्हें जिम्मेदार ठहराया था। अब वे बदला निकालने के लिए अधिकारियों से कह रहे होंगे।

अविमुक्तेश्वरानंद के शिष्यों की पुलिस से झड़प हुई। इसके बाद पुलिस ने शिष्यों को हिरासत में ले लिया।

पुलिस ने शंकराचार्य को पैदल जाने को कहा था: विवाद की शुरुआत में पुलिस ने भीड़ को देखते हुए शंकराचार्य को रथ से उतरकर पैदल जाने को कहा था, लेकिन शिष्य नहीं माने और आगे बढ़ने लगे। इस पर बहस हुई, फिर धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

कमिश्नर बोलीं- परंपरा के विपरीत आए अविमुक्तेश्वरानंद

प्रयागराज की कमिश्नर सौम्या अग्रवाल ने कहा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद परंपरा के विपरीत और बिना किसी अनुमति के अपनी पालकी से आए थे। उनके करीब 200 अनुयायी भी साथ थे। यहां संगम पर बहुत ज्यादा भीड़ थी। वे बैरियर तोड़कर आए और 3 घंटे तक वापसी मार्ग अवरुद्ध किया, जिससे जनसामान्य को बहुत असुविधा हुई।

संक्षिप्त खबरें

जांच टीम के सामने पंचायत सचिव को अटैक, मौत

जागरण, हरदा। जिले की ग्राम पंचायत पलासनेर में शनिवार शाम एक दर्दनाक और गंभीर घटना सामने आई। पंचायत सचिव ओमप्रकाश गुर्जर की ड्यूटी के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। दरअसल मौत का कारण हार्टफेल होना बताया जा रहा है। रविवार सुबह जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद गांव का माहौल गरमा गया। सरपंच संघ और सचिव संघ ने एसडीएम संजीव कुमार नागु को ज्ञापन सौंपते हुए सीधे तौर पर ग्रामीणों और पंचायत के कुछ पदाधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सरपंच सरोज चौरसिया ने कहा कि उपसरपंच सहित कुछ ग्रामीण लंबे समय से सचिव और सरपंच के खिलाफ लगातार झूठी और निराधार शिकायतें कर रहे थे। जांच गतिविधियों के कारण सचिव पर मानसिक दबाव था, जिससे तबीयत बिगड़ी और जान चली गई।

यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के प्रस्ताव पर हुई चर्चा

विसं,भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग से रविवार को पद्मश्री से सम्मानित अगुस इंद्रा उदायना ने सौजन्य भेंट की। इंडोनेशिया और मध्यप्रदेश के मध्य युवा विकास, सांस्कृतिक सहयोग तथा द्विपक्षीय खेल गतिविधियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। भेंट के दौरान अगुस इंद्रा उदायना ने इंडोनेशिया (विशेष रूप से बाली) और मध्यप्रदेश के बीच यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके माध्यम से दोनों देशों के युवाओं को कला, आयुर्वेद, संस्कृति, पारंपरिक जीवनशैली एवं शैक्षणिक अनुभवों से परिचित होने का अवसर मिल सकता है। इससे आपसी समझ, सांस्कृतिक संवाद और वैश्विक दृष्टिकोण को मजबूती मिलेगी। सारंग ने प्रस्ताव का स्वागत करते हुए कहा कि यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम युवाओं के सर्वांगीण विकास के साथ अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सांस्कृतिक सेतु निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल हो सकती है।

भोपाल का बेटा जुनैद बना अमेरिका में डिप्टी मेयर

यूएसए के मार्लबोरो शहर में ट्रंप की पार्टी से मिली जीत

नगर संवाददाता, भोपाल। दुनिया की राजनीति में भारतवंशियों का दबदबा बढ़ने लगा है। करीब एक साल पहले ब्रिटेन में ऋषि सुनक प्रधानमंत्री बने, अमेरिका में कमला हैरिस ने राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा। इसके बाद न्यूयार्क में जोहरान ममदानी मेयर चुने गए। इसी कड़ी में एक और नाम जुड़ गया है। यह नाम है जुनैद काजी का। काजी अमेरिका के शहर मार्लबोरो के डिप्टी मेयर चुने गए हैं। उन्हें यह सफलता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पार्टी से मिली है। जुनैद काजी का भारत से सीधा रिश्ता है। वह मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रहने वाले हैं।

भोपाल में उनका परिवार जहांगीराबाद क्षेत्र में रहता है। इस तरह जुनैद काजी ने विश्वभर में भारत का नाम रोशन किया है। भोपाल के एक साधारण परिवार में जन्में जुनैद काजी पेशे से सिविल इंजीनियर हैं। जुनैद काजी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े हैं। ट्रंप की पार्टी के टिकट पर एक भारतीय मुस्लिम का डिप्टी मेयर बनना एक बड़ी और ऐतिहासिक राजनीतिक उपलब्धि मानी जा रही है।

इसी साल शुरू हुआ राजनीतिक सफर

जुनैद काजी का राजनीतिक सफर इसी साल से शुरू नहीं हुआ था। साल 2025 में उन्होंने मार्लबोरों सिटी काउंसिल प्रेसिडेंट का चुनाव जीता, जिससे उनकी लीडरशिप काबिलियत साबित हुई। इसके बाद उन्होंने आमजन का भरोसा जीता। स्थानीय मुद्दों में उनकी एक्टिव भागीदारी, पारदर्शिता और जनता के साथ सीधे बातचीत उनकी पहचान बनी। आखिरकार उन्हें डिप्टी मेयर जैसे अहम पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। हालांकि, जोहरान ममदानी और जुनैद काजी की राजनीतिक विचारधाराएं अलग-अलग हैं और वे अलग-अलग पार्टियों से हैं, लेकिन उनमें एक बात कॉमन है। दोनों युवा भारतीय मुस्लिम हैं और दोनों ने अमेरिकी राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाकर इतिहास रचा है।

भोपाल में कहां रहता था जुनैद का परिवार

आपको बता दें कि, जुनैद काजी के पिता स्वर्गीय खालिक अंसारी शहर की आम वाली मस्जिद के पास रहते थे। भोपाल में पले-बढ़े जुनैद के बारे में शायद किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि, वह एक दिन अमेरिका में डिप्टी मेयर बनेंगे। उनका परिवार अभी भी भोपाल में ही रह रहा है। उनके बड़े भाई अब्दुल रहमान काजी माइनिंग डिपार्टमेंट में अफसर हैं। दूसरे भाई करीम अंसारी भारत के सुप्रीम कोर्ट में वकील हैं। जबकि, छोटे भाई नवीद अंसारी एमपी फोर्स नाम की एक सिक्योरिटी एजेंसी चलाते हैं। उनकी बड़ी बहन डॉ. आयशा आयुष विभाग में होम्योपैथी काउंसिल की रजिस्ट्रार हैं।

बुर्ज खलीफा को टक्कर देगा 'दुबई क्रीक टॉवर'

दुबई में फिर शुरू होने जा रहा सबसे ऊंची बिल्डिंग का प्रोजेक्ट

दुबई, जेएनएन। दुनिया की सबसे ऊंची इमारत का खिताब अभी तक दुबई के बुर्ज खलीफा के नाम है, जिसकी ऊंचाई 828 मीटर है। लेकिन अब यह रिकॉर्ड टूटने की चर्चा तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक दुबई में दुबई क्रीक टावर का निर्माण दोबारा रफ्तार पकड़ने जा रहा है, जिसे दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बनाने की योजना पहले से रही है। रियल एस्टेट कंपनी एम्मार प्रॉपर्टीज के संस्थापक मोहम्मद अलब्बार ने संकेत दिए हैं कि लंबे समय से रुका यह मेगा प्रोजेक्ट अब ठंडे बस्ते में नहीं है। उन्होंने बताया कि इस परियोजना को नए डिजाइन, नए उद्देश्य और नए विजन के साथ फिर

से प्लान किया गया है और अगले कुछ महीनों में काम शुरू हो सकता है। माना जा रहा है कि अगले तीन महीनों में नया टेंडर भी जारी किया जा सकता है। अल्ब्बार ने कहा कि दुबई को महज 'ऊंचाई के लिए ऊंचाई' नहीं चाहिए, बल्कि इमारत में सुंदरता, प्रभाव और अर्थपूर्ण वास्तुकला भी होनी चाहिए।'

पहले भी बना था यह सपना

दुबई क्रीक टावर का कॉन्सेप्ट पहली बार 2010 के दशक में सामने आया था। इसे मशहूर स्पेनिश आर्किटेक्ट सैंटियागो कैलात्रावा ने डिजाइन किया था। रिपोर्ट के अनुसार, मजबूत नींव के लिए इसमें 50,000 घन मीटर से ज्यादा कंक्रीट के इस्तेमाल की योजना थी।

क्यों रुका था प्रोजेक्ट ?: यह प्रोजेक्ट कोविड-19 से पहले बड़े स्तर पर चर्चा में था, लेकिन महामारी, वैश्विक अनिश्चितता और रणनीतिक बदलावों के कारण इसे रोक दिया गया था। अब कंपनी इसे नई सोच के साथ दोबारा आगे बढ़ाने की तैयारी में है।

कहां बनेगा टावर ?: यह टावर 6 वर्ग किलोमीटर में फैले दुबई क्रीक हार्बर में बनाया जाएगा, जो पहले से ही लग्ज़री रेजिडेंस, पार्क, मरीना और रिटेल जोन के लिए जाना जाता है। टावर इसके मुख्य आकर्षण के रूप में उभरेगा।

बेरोजगार ने रची शादी, युवती से ऐंठे 40 लाख

जागरण, ग्वालियर। शहर में शादी के नाम पर ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक बेरोजगार ने पैसों के लालच में ऐसी चाल चली कि लोगों के होश उड़ गए। आरोपी ने खुद को आईटी अफसर बताकर युवती से शादी कर 40 लाख ऐंठ लिए। इसके बाद उससे और पैसों की डिमांड करने लगा। जब युवती ने इसकी जानकारी जुटाई तो पता चला कि उसके पति ने दिल्ली में भी जालसाजी की, जिसके बाद अब वह जेल में बंद हैं। दरअसल, युवती ने महिला थाना पुलिस से शिकायत में बताया कि उसकी शादी ग्वालियर के हरिहर निवासी महावीर अवस्थी से 21 अप्रैल 2024 में हुई थी। शादी से पहले युवक ने दहेज के लालच में खुद को इनकम टैक्स का बड़ा अफसर बताया था। अफसर दामाद पाकर लड़की का परिवार खुशी से फूले नहीं समा रहा था। उन्होंने दोनों की शादी रीति रिवाज से की जिसमें युवती के पिता ने 40 लाख से ज्यादा खर्च किया था।

70 लाख और कार की डिमांड की तो बढ़ा शक : शादी के बाद महावीर अवस्थी अक्सर छुट्टी खत्म होने के बाद ग्वालियर से लौटकर कोलकाता में ड्यूटी जाने की बात कहकर जाता तो पत्नी का फोन नहीं उठाता था। बाद में वह और उसका परिवार युवती से 70 लाख रुपए और एक कार की मांग करने लगे। जिससे वह धीरे-धीरे समझने लगी कि उसे और उसके परिवार वालों को दहेज के लालचियों ने ठग लिया है। जब उसने धीरे-धीरे इनकम टैक्स अफसर की जानकारी जुटाना शुरू की तो पता चला कि वह एक फर्जी इनकम टैक्स अफसर है।

भारतीय मूल के केशव बने डिप्टी मेयर, ली शपथ

न्यूयॉर्क/जर्सी सिटी, जेएनएन। भारतीय मूल के केशव पोद्दार को अमेरिका के जर्सी सिटी में हाउसिंग और इकोनॉमिक डेवलपमेंट के लिए डिप्टी मेयर नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने पद की शपथ भगवद्गीता पर हाथ रखकर ली, जिसकी चर्चा अब सोशल मीडिया और भारतीय समुदाय में तेजी से हो रही है। जर्सी सिटी के मेयर-इलेक्ट जेम्स सोलोमन ने केशव पोद्दार को डिप्टी मेयर चुना है। सोलोमन ने कहा कि उन्होंने जर्सी सिटी की जनता से ऐसा प्रशासन देने का वादा किया है जो 'रेजिडेंट्स को सबसे पहले' रखे और केशव इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं। मेयर सोलोमन के मुताबिक, पोद्दार ने करियर में सस्ती आवास योजनाओं और कामकाजी परिवारों के हितों के लिए काम किया है। केशव वकील हैं और वे न्यू जर्सी में कम्युनिटी इकोनॉमिक डेवलपमेंट और अफोर्डेबल हाउसिंग निर्माण के मामलों में विशेषज्ञ हैं।

निगरानी

बसंत पंचमी के मद्देनजर धार में हाई अलर्ट!

आरएएफ की 4 कंपनियां उतरीं, निकाला फ्लैग मार्च

जागरण, धार। शहर में प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी कड़ी में शहर में निगरानी बढ़ा दी गई है। विवादित भोजशाला-कमाल मौलाना मस्जिद परिसर में आगामी बसंत पंचमी पर होने वाले विशेष कार्यक्रम को देखते हुए शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की चार कंपनियों और पीटीएस बल के साथ शहर में फ्लैग मार्च निकाला गया। इस फ्लैग मार्च का उद्देश्य शहर में शांति व्यवस्था मजबूत रखना और आम नागरिकों में सुरक्षा को लेकर भरोसा कायम करना बताया गया। लिहाजा, भोजशाला में होने वाले कार्यक्रम को लेकर प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। दरअसल, बसंत पंचमी पर भोजशाला में होने वाले कार्यक्रम के चलते सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में धार में सुरक्षाबलों की लगातार तैनाती की जा रही है, ताकि किसी भी तरह की अफवाह, असामाजिक गतिविधि या तनाव की स्थिति पैदा न हो। फ्लैग मार्च के दौरान शहर के प्रमुख मार्गों पर सुरक्षाबलों ने पैदल मार्च किया और लोगों से शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की अपील की गई।

शांति बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च

इस संबंध में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विजय डावर ने बताया कि शहर में कानून व्यवस्था और शांति बनाए रखने के लिए फ्लैग मार्च निकाला गया। उन्होंने कहा कि प्रशासन का फोकस है कि आने वाले त्योहार बिना किसी तनाव के शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। उन्होंने यह भी बताया कि धार शहर के साथ-साथ जिले के अन्य इलाकों में भी सुरक्षा को लेकर फ्लैग मार्च की योजना बनाई गई।

सुरक्षा से समझौता नहीं

धार के अलावा धरमपुरी, मनावर, गंधवानी सहित कई क्षेत्रों में भी फ्लैग मार्च निकाला जाएगा। प्रशासन की ओर से केवल धार ही नहीं, बल्कि जिले के कई संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों में भी फ्लैग मार्च निकाला जाएगा। इससे पूरे जिले में एक स्पष्ट संदेश दिया गया है कि त्योहार के दौरान कानून व्यवस्था से कोई समझौता नहीं होगा। बसंत पंचमी के मद्देनजर धार में सुरक्षा का बड़ा प्लान तैयार किया गया है। बताया गया कि 23 जनवरी तक करीब 8 से 10 हजार सुरक्षा बल शहर में तैनात रहेगा। इन जवानों को शांति-व्यवस्था, कानून-व्यवस्था और संवेदनशील स्थानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी दी गई है।

जुमा के दिन बसंत पंचमी, नमाज रुकवाने सुप्रीम कोर्ट पहुंचा एक पक्ष

नगर संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश के धार जिले में स्थित भोजशाला फिर सुर्खियों में है। इस बार बसंत पंचमी जुमा के दिन है। बसंत पंचमी पर भोजशाला में हर साल सरस्वती पूजा होती है और हर शुक्रवार को जुमा की नमाज भी होती है। चूंकि इस बार जुमा के दिन बसंत पंचमी है। इसलिए हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस ने सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसमें मांग की गई है कि 23 जनवरी जिस दिन बसंत पंचमी है, उस दिन भोजशाला में सिर्फ सरस्वती पूजा होने दी जाए और जुमा की नमाज को स्थगित कर दिया जाए। यह अर्जी वकील विष्णु शंकर जैन ने दाखिल की है। अर्जी में कहा गया है कि भोजशाला परिसर में मां वागदेवी यानी सरस्वती का मंदिर है जो 11वीं सदी में परमार राजा ने बनवाया था। यहां पर हिंदू पूजा करते थे, लेकिन 7-04-2003 में एएसआई ने एक आदेश जारी किया है। इसके तहत हिंदुओं को हर मंगलवार और बसंत पंचमी को पूजा की इजाजत दी गई, जबकि हर शुक्रवार को दोपहर 1-3 नमाज अता करने की इजाजत दी गई है। अर्जी में ये भी कहा गया है कि एएसआई का आदेश ऐसे हालात पर मौन है कि अगर बसंत पंचमी शुक्रवार को हो तो क्या होगा और इस बार 23 जनवरी को बसंत पंचमी के दिन शुक्रवार ही है। अर्जी में दावा किया गया है कि बसंत पंचमी सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यंत पवित्र दिन है।

धार की भोजशाला में बनी है कई वर्षों से विवाद की स्थिति

सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाने की मांग: परिसर में मां सरस्वती की परंपरागत पूजा लंबे समय से होती रही है. जब भी बसंत पंचमी शुक्रवार को पड़ती है, तो हिंदू पूजा और मुस्लिम नमाज़ के कारण अव्यवस्था, टकराव और कभी-कभी सांप्रदायिक हिंसा होती है. यह भी कहा गया है कि एएसआई ने स्मारक का धार्मिक स्वरूप तय किए बिना ही शुक्रवार की नमाज की अनुमति दे रखी है।

मुद्रक एवं प्रकाशक **राजीव मोहन गुप्त** द्वारा जागरण पब्लिकेशन्स प्रा. लि. हेतु 'दैनिक जागरण प्रेस' 33, जागरण भवन, प्रेस काम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश -462011 (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. 1573/57, पंजीयन संख्या 7 म.प्र., **संस्थापक : स्व. गुरुदेव गुप्त,** संपादक : **राजीव मोहन गुप्त,** स्थानीय संपादक : **हरिमोहन गुप्त** फोन : **कार्या.** : 0755-6723200 **E-mail :** modemdj@gmail.com।